HRA FISHA. The Gazette of India

HISHING H HONDING

सं 30]

नई बिल्ली, शनिवार, जुलाई 28, 1979 (श्रावण 6, 1901)

No. 30 1

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 28, 1979 (SRAVANA 6, 1901)

इस भाग में भिन्म पूष्ठ संख्या थी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation)

भाग Ш—बन्द 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा कारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

> एस० बालचन्द्रन श्रवर सचिव **श्र**ते अध्यक्ष

मंघलोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जून, 1979 सं० ए० 32013/1/79 प्रणा० I---संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में केन्द्रोय मधिवालय सेवा संवर्ग वेः अनुभाग प्रधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थाई अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी भादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में भवर सिषय के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है —

क्र०सं० नाम

ग्रवधि

- श्री पी० सी० माथुर--21-5-79 से 19-7-79 तक
- 2. श्री जे॰ पी॰ गीयल--21-5-79 से 30-6-79 तक

दिनांकः 26 ज्न. 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा० रा---संध लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों (ग्रेड ग)/ वैयक्तिक महायकों (के० म० स्टे० मे० का ग्रेड ग) को राष्ट्रपति द्वारा नीचे लिखी तारीख से उसी संवर्ग में में पूर्णतः अनितम,

(5675)

प्रत्याई प्रौर तदर्थ प्राधार पर वरिष्ट वैशक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड **फ**) के पद पर स्थानापक रूप से कार्य क^रने के लिए नियुक्त किया ज्ञाना है ----

ऋ० सं०	नाम	r —ulama Pingo y Bus dimbiga, go		धारित नियमित पद	पद जिस पर तदर्थ नियुक्ति को गई है	श्रविधि जिस पर तदर्थ नियुक्तिकी गई
1	2	14. 14.		3	4	5
1. श्री एस	० पी० मेहरा.	, '	,	ग्रेड गस्टेनोग्राफरकास्थाना- पन्न चयनग्रेड तथास्थार्ड	-	1-7-79 से 31-8-79 नक भ्रथवा भ्रागामी भ्रादेण
2. श्राश्री	ां≀० देवरा ,			वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग)	a)	तक, जो भी पहले हो।
3 अर्थितिक	मचन्द्र .	•		ग्रेड गस्टेनोग्राफरका स्थाना-	वरिष्ठ वैयक्तिकः सहायक	60 दिन, 20-6-79 से
4. श्राएव	० स∶० कटो व	٠		पन्न चयन ग्रेड तथा स्थाई वैयक्तिक सहायक (के० म० स्टे० मे० का ग्रेड ग)	(कें० स० स्टे० से० का ग्रेड ख)	18~8~79 तक भ्रथमा भ्रागार्माभादेण तक जोभी पहले हो
5. श्री टी	म्रार० गर्मा	٠,		स्थायोः वैयक्तिक सहायक	वरिष्ठ त्रैयक्तिक सहायक	60 दिन, 20-6-79 से
6. श्राहि०	ग्स० मुद्यानी		٠	(के० स० स्टे० से० काग्रेड ग)	(कं० म०स्टे० से० काग्रेड ख)	18~8~79 तक ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेश सक, जो भी पहलेही।

2. उर्राह्म व्यक्तियों को यह अवगत कर लेना चाहिए कि विष्ठि वैयक्तिक सहायव (वें ० स० स्टे० से० वा ग्रेड ख) वे पद पर उनका नियुक्ति पूर्णतः अस्याई और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में विष्ठिता का कोई हक नहीं होगा। सर्वेश्वी एस० पी० मेहरा और आं० पी० देवरा को उनके नामों के सामने निद्धि अवधि के लिए के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख के पद पर तदर्थ नियुक्तियां इस आधार पर की गई है कि इन का अनुमोदन कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा कर दिया जायेगा।

एस० बालचन्द्रन अवर सचिव संघलोकसेवाआयोग

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्न पुलिस बल गृह मन्त्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 जुलाई, 1979

- ्सं० श्रो० दो०-992/72-स्था०--श्री कुलदीप सिंह, पुलिस उप श्रशीक के केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की प्रति-नियुक्ति के फलस्वरूप, उनकी सेवाएं दिनांक 4-10-78 से राष्ट्रीय पुलिस श्रायोग को सींपी जाती हैं।
- 2. उनके राष्ट्रीय पुलिस आयोग की प्रतिनियुक्ति से पहले श्री कुलवीप सिंह का है उक्वार्टर इम्फाल (मनीपुर) था।
- 3. इसे महानिदेणालय की श्रिधसूचना संख्या श्रो० दो० 992/72—स्थापना दिनांक 8-12-78 को रह् किया जाता है।

दिनांक 10 जुलाई 1979 I

सं गा० दो० 67/72-स्था०- ने० कर्नल वी० के० साहती, भारतीय थल सेना ग्रधकारी, जो कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल पर प्रतिनियुक्ति पर थि, ने सेवा निवृत्ति पर विनोक 31~7~76 के अपराक्ष से प्रिसीपल, सी० टी० सी० री, सी० आर० पी० एफ०, नीमच के पद का कार्यभार छोड़ा।

II

श्चि-पत

सं० पी० सात 4/73-स्था०--इम महानिदेणालय की अधिसूचना सं० पी० सात-4/73-स्थापना दिनांक 17-7- 1973 का ग्रवलोकन करें।

2. कम संख्या 33 पर छपे नाम "श्री भूप सिंह" के स्थान पर "श्री भूप सिंह यादव" पढ़ा जाए।

सं० डां०-एक-13/78-स्था०--मंत्री मंडल सचिवालय, भारत सरकार द्वारा उनकी सेवाएं, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को समिपित करने के फलस्वरूप निम्नलिखित श्रिधकारियों को की कि सामने लिखी वाहिनी व दिनांक से उप-पुलिस ग्रयोक्षक (कमानी कमांडर/क्वाटर मास्टर) के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में नियुक्त किया जाता है —

क्र० सं० नाम	वाहिनी	दिनाक
मर्वश्र _ी		
1. एस० सो० चावला	53 वाहिनी	11-6-79 (qo)
2. श्री एच० एस० ग्रन्नेजा	30 वाहिनी	15-6-79 (朝)

ए० के० बन्धोपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली:-110011, दिनांक 30 जून 1979

सं० 10/35/78-प्रशा०-І--राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में मानचित्र अधिकारी तथा इस समय ∦सहायक महापंजीकार (मानचित्र) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत डा० बी० के० राय को तारिख 4 जून, 1979 के अपराह्म से अगले आदेशों तक अस्थाई तौर पर नियमित आधार पर महायक महापंजीकार (मानचित्र (मानचित्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांकः 5 जुलाई 1979

सं 11/78/79-प्रशा०-1-12273---राष्ट्रपति, भार-तंत्र्य प्रशासनिक सेवा के आंध्र प्रदेण संवर्ग के आधिकारी श्री एस० एस० जयराय को तारीख 22 जून, 1979 के अपराह्म में श्रमले आदेशों तक आंग्र प्रदेश, हैदसबाद में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री जयराव का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

पॅः० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

श्राधिक कार्य विभाग वीमा प्रभाग

नई दिल्लीः, दिनांकः 5 मई 1979

सं० 51(12)-त्रंभा-I/76--चूंकि मैं, भ्रारं० के॰ महाजन, बेंश्मा नियंत्रक पूर्ण रूप से संतुष्ट हूं कि पेन फेंड्स प्राविडेंट इंगोरेंस कम्बनी लिसिटेड नामक समिति के कार्यी का पूर्णत: परिसमापन हो गया है;

इसलिए, अब मैं अधिसूचना द्वारा बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) कः घारा 93 की उपधारा (5) के उपबंधों के प्रतुमार उपर्यक्त समिति के भंग होने की घोषणा करता है।

> भ्रार० के० महाजन बीमा नियंत्रक

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1979

सं० 40011(1)/79-प्रशा०-II---(1) निस्नलिखित लेखा ग्रिधिकारी, ग्रथनी सेवानिवृत्ति ग्रायु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के समक्ष लिखों तारीख के ग्रथराह्म से, पेंगन स्थापना को श्रंतरित कर दिए गए थे।

ऋ० नाम रोस्टर संख्या सहित सं०		ग्रेड	पेंशन स्थापन को श्रंतरित होने की तारी	
1 2	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	3	4	5
सर्वश्री 1. बी०एम० मल्होत्रा (पी०/168)	स्थाई लेखा अधिकारी	31-8-78	रक्षा लेखा नियंत्रकः, उत्तरीः कमान, जम्म
 तुख्त सिंह (पी०/612) 		उक्त	31-8-78	
3. ग्रार०एल० छिव्बर (ग्रा/ग्रामी क	प्रावंटित नहीं)	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-10-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायुसेना), देहरादून
4. ग्रार० ग्रार० जोली (पी/5)		स्थाई लेखा भ्रधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा संयुक्त नियंक्षक (निधि), मेरठ

2	3	4	5
सर्वश्री			<u> </u>
 कें कें श्रदकार (श्रो/138) 	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी		रक्षालेखानियंत्रक, (ग्रन्यश्रेणी) दक्षिण, मद्रास
6. एस० गीपासकुष्णन् (पी/28)	स्थाई लेखा ग्रधिकारी	-	रक्षा लेखा नियंत्रक. दक्षिणी कमान, पूना
7. ए.स० क्रार० वर्मा (ग्रो/142)	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	_	रक्षा लेखा नियंत्रकः (पेंणन) इलाहाबाद
8. मदन लाल कपूर (म्रो/192)	- - उक्त	31-3-79	"उम्त
9. भार ः जयरमन (पी/91)	स्थाई लेखा अधिकारी	31-3-70	लेखानियंत्रक (प्रैक्ट्री),कलकत्ता
10. श्रार० देवराजन (पी/540)	'उक् त	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रकः (ग्रधिकारी), पूना
11. पी о एल ง मर्मा (पी/597)	उक्त-	31-3-79	—– उक् त−–
12. जी ० गुल ० मका शार (क्री/25)	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-3-79	
13. राम चन्द्र गुगलानी (वी/68)	स्थाई लेखा ग्रधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा नियंद्रक, (वायुसेना), देहरादून
14. पी० भ्रार० गोगाल देशिकन (पी/214)	म्थाई लेखा श्रधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रकः, दक्षिणी कमान, पूना
15. जगदीण्वरभुखजी (ग्रो/ग्रभी ग्रावंटित नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-79	लेखां नियंसक (पंतर्क) कलकत्ता
 जगदास्वरम् अग्रिका (अग्रिका स्टार्का का क	ंडक् त-	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना
17. मारः कृष्णाभृति (पी/347)	स्थाई लेखा श्रधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा/संयुक्त निष्ठंबक (निधि), मेरट
18. हिम्मत राय कपूर (ग्रो/245) .	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा निष्वकः मध्य कमान मेर्ठ
19. बीं ० एस० थापर (पीं०/444)	. स्थाई लेखा ग्रधिकारी	31-3-79	 -उक्त~
20. एच ० ग्रार ० महगल (पी/197)	. ~उक्त	31-3-79	उक्त
21. बल्देश मित्र (पी/22)	उक्त	30-4-79	ङ्क्त-
22. के० गृल० कपूर (पी/256)	उक्त	30-4-79	 उ क्त
23. एम॰ जी॰ जोशी (पी/271)	. —- उक्तं	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य श्रेणी उक्तर. मेरट।
24 . प्रजित कुमार बसु $(\hat{\gamma_{i}}/504)$.	उक्त	30-4-79	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री), कलकः
25. श्रोम प्रकाश वर्ड (पी/525) .	J4 4	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुक्षेना देहरादून
26. के०वेंकटाचलम (पी/61)	उक्त'	30-4-79	3 • 6
27. के० गोगालकृष्णन (ग्रो/370) .	. स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	30-4-79	 रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेन देहरादुन
28. एच० के० गुप्त (पी/339) .	. स्थाई लेखा ग्रधिकारी	30-4-7	9 रक्षा लेखा नियंसक (पेश इलाहाबाद
29. के० कृष्णन (पी/23) ·	उक्त	30~4~7	9 रक्षा लेखा निर्धेदक, विक्ष कमान पूना
30. पी० एल० सियास (पी/452) .	. — उक्त—	30-4-7	9 उक्त

(पी/234)

(पी/363)

(भ्रो/338)

3. पी० एन० मञ्होत्ता,स्याई लेखा अधिकारी

4. गोकुल चन्द्र दास,स्थानापन्न लेखा अधिकारी

निधि (मेरठ)

उत्तर, मेग्ठ

मेरठ

7-2-79 (पूर्वाह्न)

22-3-79 23-3-79 (पूर्वाह्न)

6-2-79

रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्थ श्रेणी)

रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान,

1 2	3	4	5
मर्वध्री			
31. ग्रांर० श्रीनियासन (पी/66)	—— उक्त — —	30-4-79	रक्षा लेखा निसंत्रकः, दक्षिणी कमान, पुना
32. एम ० दामोदरन (पी/159)	उ यत	30-4-79	£7
33 एच० एल० खरबन्दा (भ्रो/272)	स्थानापञ्च लेखा श्रधिकारी	30-4-79	
34 के० भक्तवत्मल राव (पी/56)	स्थाई लेखा ऋधिकारी	30-4-79	_
35 চ্নত কুজোদ্নি (গী/319)	 -उक्त	30-4-79	
36. हो० ब्राग्नहम (स्रो/118)	स्थानापच लेखा श्रधिकारी	30-4-79	•
37. के० विष्वेणरन (अभी स्रावंटित नहीं)	— उक्त—	28-2-79	
38 एस० एस० गेनिन्हर (स्रमी स्राथंटित नहीं) .	— <u>- उ</u> न्त <u>—</u>	30-4-73	रक्षा लेखा नियंद्रक (श्रधिकारी)
39. वाई० डब्ल्यू० तारे (फ्रो/394) .	⁻ उक्त	31-5-79	पुना ~उक्त
40 तमञ्जी जनदबनाने (पी/528)	स्थाई लेखा ग्रम्थिकारी	31-5-79	
40 700 400 1 44 11 1 (11/020)	्यस्याजात्त्रात्रा	01 0 73	कमान, पुना
41. एम० रामसुझ्म्हनियम (स्रभी खावंटित नहीं)	स्यानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-5-79	उ क त
42 जे० रामानन्द (पी/320)	म्थाई लेखा श्र <u>िकारी</u>	31-5-79	 -डक्त
43 गुरुप्तरु वकटामुक्रम्हणियम (पी/113)	- उक्त	31-5-79	उक्त
44. सी० बापीराज् (पी/136)	 उक्त	31-5-79	उक्त
45 हरी राम बहा $(\hat{\P}/124)$.	उक्त	31-5-79	रक्षा लेखा नियंहक (वायुसेना) देहरादुन
46. रामापद राय (वी/191)	~ उवत -	31-5-79	रक्षा लेखा नियंद्यक, पटना
47. एस ० एन० पटक (श्रो/242) .	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-5-79	रक्षा लेखा निर्यक्षक (श्रधिकारी) पूना
48. कें० पद्मनाभन (गी/74)	स्थाई लेखा श्र धिकारी	31-5-79	• •
49. बी० श्रार० केंद्रादि (गी/245)		31-5-79	—— ऱबत
50. जी ० गुस ० कुल रुगी (फ्री/13)	न्यानापन्न ले खा ग्रा धिकाणी	31-5-79	
			दक्षिण, मद्राम
51. एम० वी० रामामूर्ति (पी/41)	स्यार्ड लेखा ऋधिकारी	31-5-79	रक्षा लेबा नियंत्रक (ग्रन्य श्रेणी) दक्षिण, मद्रास
52. डी० एन० वेंकटारमन $(पी/142)$.	उ न त -	31-5-79	~
53. एम० रामानाथन (पी/393)	उ क्त	31-5-79	उक्त
5.4. फ्रो०पी० वैश (पी/1)	स्याई लेखा श्रधिकारी	31-5-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन), इलाहाबाद
1. रक्षा लेखा महानियंत्रक निम्नलिखिन ले	खा अधिकारियों की मृत्यु की सर		रते हैं :
ऋ० नाम,ग्रेड तथा*रोस्टर संख्या सं०		पस्थिति मे विलग	संगठन
सर्वेश्री			···
ा. ग्रार० सी० प्रप्रवाल स्थाई लेखा ग्रधिकारी	10-12-78 11-12-78 ((पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंवक, उत्तरी
(पी/487) 2. ग्राई० एम० सरना,स्याई लेखा ग्रधिकारी (पी/234)	18-1-79 19-1-79 ((पूर्वाह्म)	कमान, जम्मू रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक निधि (मेरठ)

श्री जोगा निंह स्थाई लेखा ग्राधिकारी (पी/446) से मबंधित इस कार्यालय की संख्या 40011(2)/78/प्रणा०-क किनांक 5-8-78 की कम संख्या 34 को काट दें।

2. नित्यत सेवा विनिन्नावती, जिल्द-1 के अतुच्छेद 459(1) (मौलिक नियमावली का तदनुरूपी नियम 56(ट) के अधीन भेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने के लिए दिनांक 12-10-78 को दी गई सूचना को अंकित किए जाने केपरिणामस्वरूप श्री टो॰ गे॰ अनिवान गें, स्वाई लेबा प्रविकारी (पी/55), दिनांक 18-4~79 (अपराह्म) से पेंशन स्थापना को अंतरित कर दिए गए। श्री टी॰ वी॰ श्रीनिवासन को दिनांक 20-10-78 से 17-12-78 तक 59 दिनों की प्रजित छुट्टी तथा दिनांक 18-12-78 से 17-4-79 से 121 दिनों की प्रबं बेतन छुट्टी सेवानिवृत्ति पूर्व प्रदान की गई।

एम० एन० चट्टोपाध्याय रक्षा लेखा उपमहानियंत्रक (कार्मिक)

रक्षा मसालय

ग्रार्डनेन्स फॅस्टरी बोर्ड

डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय, सिविल सर्विस स्कीम

कलकत्ता, दिनांक 2 जुलाई 1979

सं० 9/79/ए/ई-1(एन० गो०)--डी• जी० ग्रो० एफ० चेवरमैन महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रत्येक के सामने दर्गाए गए पदों पर उनके सामने दर्गाई गई नारीख से, स्थानापन्न ग्राधार पर, बिना वरिष्ठता पर प्रभावित हुए, प्रोन्नत करते हैं:

2. श्री सतीनाथ मुखर्जी, स्याई सहायकवहीवही	
 श्री णिक्त राम मुखर्जी — वही — — वही — 	
4. श्री सुनिति कुमार भट्टा चार्जी, स्थाई सहायकवहीवही	
5. श्रो दुर्गारद मंडल, स्थाई सहायकवहीवही	
6. भा माोन्द्र तत्थ गृहा, स्थायी सहायकवही	
7. श्रो नत्नोप चन्द्र मरकार,स्थानापस महायकवहीवही	
ी० पी० चक्रवत	f
ए० डी० जी० श्रो० एफ० (प्रणासन	1

श्रम मंत्रालय

कारखाना मलाह सेवा भीर श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेणालय बन्बई, दिनांक 25 जून, 1979

सं० 15/10/79—स्था०——महानिदेशक ने श्री टी० सी० साहा को इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम-विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय मीं, श्रनुसंधान ग्रधिकारी (रसायन) के पद पर दिनांक 15 जून, 1979 के पूर्वाह्म से श्रमले श्रादेण तक श्रस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

> ए० के० चक्रवर्ती महानिदेशक

उद्योग मंत्रालय

वस्त्र म्रायुक्त का कार्यालय मुम्बई-20, दिनांक 27 जून 1979

सं० ई० एस० टी०-1-2(575)/306b--वस्त्र प्रायुक्त महोदय, श्री सी० ज्ञा० कांबले को वस्त्र प्रायुक्त कार्यालय, अम्बई में विनांक 4-3-1979 मे, ग्रन्य ग्रादेश होने तक, नियमित ग्राधार पर सहायक निवेशक प्रथम श्रेणी (नान-टेकनिकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> जो० चं० हांसदाक उप निदेशक (प्रशा०)

कृते आईनेन्स फैक्टरी

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 29 जून, 1979

सं० ई-II(7)---इम विभाग के 11 जुलाई 1969 के ग्राधिसूवना सं० ई०--11(7) में श्रेणी 3, प्रभाग 2 के श्रधीन निम्नलिखित जोड़ दिया जाए ---

- (i) प्रविष्टि ''कारडाइट- उड्ट्यू० एम०'' के पश्चात् ''डेनसपेक्स-यू० के० निर्मित विनिर्दिष्ट स्थल कोल/गैंसी माइन्स में श्रस्थाई श्रभिप्रयोग हेतु 8 मई, 1980 पर्यन्त'' जोड़ दिया जाए;
- (ii) प्रविष्टि ''जिलामेक्स-की-यू० के ० निर्मित'' के पूर्व ''डाइनामाइट III-बेलजियम निर्मित'' जोड़ दिया जाय।

इंगुव नर्रासह मूर्ति, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्तात ग्रीर खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान अपूरी

नागपुर, दिनांक 30 जून, 1979

सं० ए० 19012/91/77-स्था० ए०--श्री श्रार० एन० कोस्टा, स्थाई वरिष्ठ तकनीकी महायक (श्रयस्क प्रमाधन) को दिनांक 14 जून, 1979 के श्रपराह्म से श्रामामी श्रादेण होने तक नियमित श्राधार पर स्थानारश्र रूप में महायक श्रनुसंधान श्रिधकारी (श्रयस्क प्रमाधन) के पद पर पदोक्षति की जाती है।

सं ए ए 19012/100/77-स्था ए ए र्-श्री वी विवेश तारसेकर, स्थाई वरिष्ठ तकनीकी महायक (रमायन भास्त्र) की दिनांक 14 जून, 1979 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में नियमित आधार पर स्थाना-पन्न रूप में महायक रसायनविद के पद पर पदोन्नति की जाती है।

एम० बालागोपाल, कार्यालय श्रध्यक्ष

भारतीय मर्वेक्षण विभाग महामर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 3 जुलाई, 1979

सं० स्था०-I-5520/579-सिले० 74(क्लास-II)--इस कार्यालय की ग्रीधनुषना सं० स्था० I-5371/579-स्लि० 74 (क्लास II) दिनांक 30 मई, 1978 के श्रनुत्रम में श्री जे० एम० शर्मा, ग्रीधकारी सर्वेक्षक, ग्रुप 'वी' की तदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि 31-3-79 से 6 माह के लिए ग्रीर ग्रथवा उस समय तक के लिए जब तक कि यह पद नियमित ग्रीधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

के० एल० खोसला, मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय अभिलेखागार नई दिल्ली-1, दिनांक 5 जुलाई 1979

फा० सं० 20 (सी-15) 5/61-ए-1 (वी० 2) :---इस विभाग के श्री डी० के० चौधरी, स्थानापन्न सूक्ष्म चित्रकार (माइकोकोटोग्राफिस्ट) की 16 जून 1979 को मृत्यु हो गई।

> भीम सैन कालड़ा प्रणामन ग्रधिकारी राष्ट्रीय श्रभिलेखागार इस्ते अभिलेख निदेशक

विज्ञान श्रौर प्रौद्योगिकी विभाग भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

निदेशक का कार्यालय

ह बड़ा, दिनां ह 22 जून, 1979

सं० बं१० एस० श्राई०-66/123/79-स्था०---निदेशक, भारतीय वनस्ति सर्वेक्षण श्री देव वत्त बसु, श्रतुभाग श्रधि-कारी, महानेखाकार--1 कार्यालय, पण्चिम बंगान, कलकसा को केन्द्राय कार्यालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिवपुर हावड़ा में लेखा श्रधिकारी के पद पर २० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन रूप से प्रतिनियुक्ति पर 7-6-1979 पूर्वाह्न से एक वर्ष की श्रवधि के लिए धगला श्रादेश न मिलने तक नियुक्त करने हैं।

र्बा० एन० सेनगुष्ता वरिष्ठ प्रणासकीय श्रधिकारी

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण कलकत्ता-12, दिनांक 5 जून 1979

सं० एफ० 93-152/79-स्था०/12006--श्री केल एन० भट्टाचार्या कार्यालय ग्रधीक्षक, प्रधान कार्यालय, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण' कलकत्ता, की कनिष्ट प्रशासन ग्रधिकारी (ग्रुप बी) के पद पर ६० 650--1200 ६० के वेतन मान में अस्थाई रूप से तदर्थ ग्राधार पर प्रधान कार्यालय कलकता में 8-6-79 (पूर्वात्त) से ग्रागामी ग्रादेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

डा० टी० एन० <mark>ग्रनस्तक्</mark>राप्णन निदेशक

श्राकाशवाणी महानिवेशालय नई दिल्ली, विनांक 30 जुन, 1979

सं० 3/96/60—एम० दो—श्वी इरशाद अली, प्रशास-निक प्रधिकारी, प्राकाशावणी, इम्फाल का 12-4-79 को देहांत हो गया।

> टीं० वर्मा श्रतुभाग श्रधिकारी **इत**े महानिद्यमक

नई दिल्ली, विनांक 30 जून 1979

सं० 10/1/79-स्टाफ-तीन--महानिदेशक, श्राकाशावणी श्री मोहिन्दर सिंह बाधन, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, श्राकाश-वाणी की सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं और उन्हें 30 मई 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक आकाशवाणी, लेह में तैनात करते हैं।

दिनाक 4 जुलाई 1979

मं 10/4/79-एम०-र्तान-महानिदेशक, श्रावाशवाण, श्राकाशवाणी के विषय इंजीनियरी महायक, श्री के० विविधम को श्राकाशवाणी के महायक इंजीनियर संवर्ग में स्थानाइन क्ष्म से पदोक्षत करते हैं श्रीर अगले श्रादेश होने तक उन्हें 7 मई, 1979 के पूर्वाह्म से दूरदर्शन ेन्द्र, श्रीनगर भें तैनात करते हैं।

दिनांक 6 ज्लाई 1979

संव 10/2/79-स्टाफ-III--महानिदेशक, आवाणवाणी, आकाणवाणी के विष्ट इंजीनियरी सहायक, श्री पीठ कृष्णम् को आकाणवाणी के सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानाप्र रूप से पदोक्षत करते हैं और उन्हें 30 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक आवाणवाणी कृषियोग में नियुक्त करते हैं।

स्रो० बी० शर्मा प्रणासन उपनिदेशक **ह**ते महानिदेशक

फिल्म प्रभाग सूचना और प्रमारण मंत्रालय बम्बई-26, दिनांक 4 जुलाई, 1979

सं० 5/3/62-सिबर्द्श-I--फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग नई दिल्ली के स्थाई टैक्नीकल श्रमिस्टेंट श्रीर स्थानापन्न अर्थक्षिक श्री श्रार० वी० एल० मोरिया को 1 जून, 1979 के पूर्वीह्न से अगले आदेश तक श्रस्थाई क्षमता में सहायक प्रशासकीय श्रीधकारी के पद पर नियुक्त किया।

मं० 5/19/65-सिवन्दी-I--फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग वंगलूर के स्थाई जुनियर बुकर और स्थानापन्न विकेता श्री के० सेलन को दिनांक 8-6-79 के अपराह्म से श्री व्ही० के० नायर स्थानापन्न गाखा प्रबन्धक को बंगलूर को बदली होने के बजह फिल्म प्रभाग, जिवेन्द्रम में शाखा प्रबंधक के पद पर नियुक्त किया है।

एम० चन्द्रन नायर प्रशासकीय श्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य भेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई, 1979

सं० ए० 12025/5/78-औपध--स्वास्थ्य सेवा महा-निवेशक ने श्री संगीत कुमार सिन्हा को 14 जून, 1979 अतराह्म में श्रागामी श्रादेशों तक केन्द्रीय श्रीपध मानक निय-व्रण संगठन, नार्थ जोन, गाजियाबाद के उप-श्रीपधि नियंवक (भारत) के कार्यालय में प्रौपिध निरीक्षक के पद पर विणुद्ध अस्याई आधार पर नियुक्त किया है।

> ग्राप्य बालसुब्रह्मणियन **कृते** स्वास्थ्य भेवा महानिदेणक

भागा परमाणु स्रामधान केन्द्र (कार्मिक प्रमाग)

बम्बई 400 085, दिनाक 18 मई. 1979

संव पीव ए०/81(1)/78-प्रारिय-1--निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निस्तिविद्यत रथाई फोरमनों को । फरवरी, 1979 के पूर्वाह्म में प्राप्ते अदिशों तक इस अनुसंधान केन्द्र में स्थाना-पन बैजानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बीव नियुक्त करने हैं।

क्र०मं० नाम

- श्री महादेव ग्रंबाजी जुइकर
- 2. श्री जार्ज लोबो

वी० श्रार० पाटगांवकर उपस्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई 400 001, दिनांक 21 जून, 1979

सं० डी० पी० एस० /2/1(1)/77-प्रणा०/16638-इस निदेशालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 10 जुलाई,
1978 तथा 29 जुलाई, 1978 के तारतस्य में, निदेशक,
क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के
निम्निलिखित भंडारियों को, सहुायक भंडार ग्रिधिकारी पद
पर स्थानापन्न कृप में कार्य करने हेतु, ६५ए 650-30740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०40-1200 के वेतनकम में उनके नाम के सामने प्रदिश्यत समयों तक, इसी निदेशालय में तदर्थ कृप में नियुक्त करते
हैं:--

- (1) श्री क्रीं० वी० नायर---1-8-1978 मे 5-2-1979 (पूर्वाह्न) तक।
- (2) श्री एम० प्रार्० मैनोन--1-8-1978 से 31-1-1979 (पूर्वाञ्च) तक।
- (3) श्री वज़ीर चन्द (मुख्य भंडारी)--1-10-1978 से 28-2-1979 (पूर्वाह्म) तक।

दिनांक 30 जून 1979

सं० डी० पी० एस०/23/8/77-संस्थापन/17037--निदेणक, कय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग. निम्नलिखित सहायक लेखाकारों को, सहायक लेखा ग्रधिकारी पद पर स्थानापन रूप में, रुपए 650-30-740-35-880-द० रौ०-40-960 के वेतन कम में, उनके नाम के सामने ग्रंकित समयाविध तक, तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक न(म	सं तक	~
1. श्रीजे० जी० माठे	29-3-79 (पूर्वाह्न) में 2-१ तक तथा 21-5-79 (पूर्व से 30-6-77 (ग्रपराह्न)	ह्यिं)
2. श्री ए० एम० पारूलकर	9-5-79 (पूर्वाह्न) 8-6-79 (ग्रपराह्न) र	से तक
3. श्री वीरेन्द्र कुमार	14-5-79 (पूर्वाह्न) से 1: 79 (ग्रपराह्न) तक।	3-6-

बी० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक श्रधिकारी

बम्बई 400 001, दिनांक 30 जून, 1679

मं० डी॰ पी॰ एस॰ ए० 11013/45/76 संस्थापनः
17077—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, मंपर्क श्रनुभाग, बम्बई
से स्थानांतरित किए जाने पर, श्रस्थाई सहायक कार्मिक
श्रीधकारी, श्री चालाकुडी वैंकटाचलम् गोपालकृष्णन् को, 7
जून, 1979 पुर्वाह्न मे श्रीग्रम श्रावेगों तक, उसी स्प में
क्रय एवं भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग में नियुक्त
किया जाता है।

के० पी० जोसफ प्रशासन श्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराधाद-500 016, दिनांक 3 जुलाई, 1979

सं० प० खा० प्र०-1/7/79-प्रशा०--परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक ग्रांध्र प्रदेश-1 हैरदराबाद के महालेखापाल के कार्यालय के लेखापरीक्षक श्री बी० वी० रामचन्द्र राव को परमाणु खनिज प्रभाग में 8 जून, 1979 की पुर्वाह्म से श्रगले ग्रादेश होने तक प्रति नियुक्ति पर सह्यक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/7/76-प्रणा०--परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, णिलांग स्थित असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम क्षेत्रों के महालेखापाल के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री प० क० दास को परमाणु खनिज प्रभाग में 1-1-1979 की पूर्वाह्म में आग्रामी आदेश होने तक प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एम० रा**व** वरिष्ठ प्रणासनिक एवं लेखा स्रधिकारी

रिऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम-603 102, दिनांक 25 जून, 1979

सं• ए० 32023/1/77/आर०-10055--- मर्वश्री श्रार० राजमणि श्रौर के० नारायणमूर्ति, जिनकी इस केन्द्र की तारीख 2 जून, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना के द्वारा 21 मई, 1979 के पूर्वीह्स से तदर्थ आधार पर पदोन्नति की गई थी, ने 20 जून, 1979 के अपराह्म में उन पदों का कार्यभार छोड़ विया।

दिनांक 30 जून, 1979 **शुद्धि-पत्र**

इस केन्द्र की दिनांक 30 मई, 1979 की श्रिधसूचना सं० ए० 32013/7/79/श्रार/18566 में "1 फरवरी, 1979" के स्थान पर "1 मार्च, 1979" पढ़ा जाए।

टी॰ एस॰ वी॰ ग्रय्यर प्रशासन ग्रंधिकारी **कृते** परयोजना निदेशक, रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र

विनांक 21 जून, 1979

सं० ए० 32023/1/77/म्रार०-6672-इस केन्द्र की तारीख 2 जून, 1979 की ममसंख्यक म्रधिसूचना के कम में, रिएक्टर म्रनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र के स्थाई म्रामुलिपिक भ्रौर इस केन्द्र के स्थानापन्न प्रवरण कोटि म्रामुलिपिक श्री एम० कृष्णामूर्ति की रिएक्टर भ्रनुसंधान केन्द्र में सहायक प्रणासनिक म्रधिकारी के पद पर तदर्थ म्राधार पर की गई नियुक्ति की भ्रवधि को 27 मई, 1979 के प्रविह्न से 2 जून, 1979 के श्रपराह्म तक के लिए बढ़ाते हैं।

टी० एस० बी० भ्रय्यर प्रणासनिक भ्रधिकारी

कार्यालय : महानिदेशक नागर विमानन नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1979

सं० ए० 32013/4/78-ई सी--इस विभाग की विनांक 20-11-78 और 6-2-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/4/78-ई सी के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित वरिष्ठ संचार अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति उनके नाम के नामने दी गई 2-166GI-79

क० सं०	नाम			तैनाती स्टेशन	तदर्थस्यीकृति की ग्रयधि
1. প্রীয়	ार० सी० चितकारा	- 	,	क्षेत्रीय निदेशक , नागर विमानन विभाग, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई	29-3-79 भिन्नागे 30-6-79
2. श्री ए	न० बी० माथुर .	•	•	विभाग, बम्बइ एयरपाट, बम्बइ क्षेद्रीय नियंत्रक संचार, कलकत्ता	नक 26-4-79 से आग े 26-7-79 नक।

सत्य देव शर्मा उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1979 ,

सं० ए० 32014/1/78-ईए—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित महायक विमानक्षेत्र ग्रिधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक या पदों के नियमित रूप में भरें जाने तक जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी हैं —

क ०सं० नाम	तारीख	तैनःती स्टेशन
सर्वश्री		
1. एच० एस० संध्	5 - 11-79	ग्रमृतसर
2. के०सी० झरियाः	6-11-79	जबलपुर
3. सी० वी० जोसफ	5-11-79	मदुरै
4. एच० डी० घोमल	5-11-79	बेलगाम
5. पी० राघवन	5-11-79	मदुरै
6. पी० के० डे	5-11-79	बेगमपेट
ं 7. एम० श्रार० नायडू	5-11-79	ब्रिवेन्द्रम
8. हंस रा ज	30-11-79	क्षे०नि० का कार्या-
		लय, नई दिल्ली
9. एम० के० राय चौधरी	5-11-79	दम दम
10. जे० म्रार० सोनी	5-11-79	वाराणसी
11. पी० एन० धर	5-11-79	पालम
12. एम० एम० शर्मा	30-6-79	जयपुर
13. स्रार०डी० बाजपेयी	5-11-79	दम दम
14. जे०एल० कपूर	5-11-79	भूज
15. एम० जी० थोरट	5-11-79	न(गपुर
16. प्रेम कुमार	5-11-79	पालम
17. वी० एस० आर० राव	5-11-79	यिजयवाड़ा
18. एल० भी० चन्दवानी	5-11-79	बम्बई (जुहू)
19. के० म्रार० पण्डुले	5-11-79	- ' ' ' ' ' ' '

वी० वी० जौहरी सदायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1979

सं० 1/37/79-स्था०--विदेश संचार सेवा के महा-. निदेशक एतद्द्वारा श्री जी० वेंकटेश्वर रेड्डी को 28-4-1979 के पूर्वाह्म में ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों तक वि० प्र० ग्र०, पुणे में ग्रस्थाई रूप से सहायक ग्राभियंता नियुक्त करते हैं।

संव 1/482/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा मद्राम शाखा के पर्यवेक्षक, श्री टी० राममूर्ति को निम्नलिखित श्रविधयों के लिए उसी शाखा में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं:—

- (1) 1-11-78 में 23-12-78 तक।
- (2) 30-1-79 में 27-2-79 तक।

दिनांक 7 ज्लाई 1979

मं० 1/51/79-स्था०--वि० प्र० ग्र०, पुणे के ग्रस्थायी सहायक ग्रभियंता, श्री उदय कुमार सिन्हा को 16 मई, 1979 के ग्रपराह्म ने ग्रपनी नियुक्ति छोड़ने की ग्रनुमित दे दी गई।

सं० 1/84/79/—स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एस० तिर्के को (1) 26-12-1978 से 13-1-1979 तक श्रीर (2) 27-1-1979 से 17-2-1979 तक की श्रवधियों के लिए उसी शाखा में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से उप परियात श्रवंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/455/79-स्था०--विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा देहरादून के तकनीकी सहायक, श्री एम० डी० गर्ग को 5 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से 13 श्रक्तूबर, 1978 तक तदर्थ श्राधार पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से महायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

> एच० एल० मलहोत्रा उप निदेशक (प्रणा०) कृते महानिदेशक

वन भ्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून देहरादून, दिनांक 8 जुलाई 1979

सं 16/321/79-स्थापना-I---ग्रध्यक्ष, वन ग्रनुसंधान नंस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री ग्रन्प कुमार राय को दिनांक 25 जून, 1979 के पूर्वाह्न में ग्रगले ग्रादेशों तक वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में महर्ष ग्रनुसंधान ग्राधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरदयाल मोहन कुल सचिव वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा गुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नई दिल्ली-1, दिनांक 6 जुलाई, 1979

सं० 7/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, दिल्ली के निरीक्षक (वरीय ग्रेड) श्री ग्रार० के० कोहली को जो ग्राजकल निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेणालय, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, नई दिल्ली, में प्रतिनियुक्त हैं. केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, दिल्ली के दिनांक 11-6-79 के स्था० ग्रादेश सं० 183/1979 द्वारा प्रधी- क्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रुप ख के पद पर पवोन्नति किए जाने पर, निरीक्षण निदेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 16 जून 1979 (यू०) से निरीक्षण भिधकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप ख के रूप में नियुक्त किया जाता है। दया सागर निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समा**ह**र्तालय पटना, दिनांक 9 जुलाई 1979

सं० 11(7)2—स्था०/79/9769——केन्द्रीय उत्पाद एषं सीमाग्रुल्क ममाहर्तालय, पटना के स्थानापन्न सहायक समाहर्ता श्री के० पी० सिन्हा श्रपनी सेवा की श्रायु पूरी कर दिनांक 30—6—76 (श्रपराह्म) को सेवा से निवृत्त हुए।

> डीं० के० सरकार समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद, पटना

नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक 5 जून 1979

किंश्म किंश प्रतिमालिखत अधिकारियों को एतद्द्वारा जिला श्रफीम अधिकारी/अधीक्षक (कार्यपालक) समूह "ख" के ग्रेड में किं 650-30-740-35-810-दंश रोज-35-880-40-1000-दंश रोज-40-1200 के वेतनमान में, प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से स्थाई रूप से नियुक्त किया जाता है:---

कः नाम ग्रौर पदनाम सं	जिस तारीख से स्थाई किए गए	जिसपद के प्रति स्थाई किए गए
सर्वेश्री		
1. ए० के० दाम, जिला अकोम ग्रधिकारी, मदसौर-II	. 1-10-73	त्रित्त मंत्रालय (राजस्व श्रौर बीमा विभाग) के दिनांक 7 मई, 1974 के पत फा० सं० 11012/7/73⊶ए डी–IV द्वारा स्वीकृत पदों में से एक पर।
2. के॰ पी॰ एन॰ राय, ग्रधीक्षक (कार्यालय) कोटा ।	27-1-75	— - त दैव—~ै़
 मंतोख निह, जिला ग्रकीम ग्रधिकारी, झालाबाड़। 	. 27-1-75	त दैव ⁻
4. जे० मगतजी, जिला अफीम अधिकारी, भवानीमंडी ।	. 27-1-75	त दै व
5. एस०पी० श्रोबास्तव, जिला ग्रकोम ग्रधिकारी, बाराबंकी–II	1-2-75	—तदैव—
 डी० बी० णर्मा, जिला अभीम अधिकारी, बदायं। 	. 9-2-76	 तदैव
7. बी० एल० भण्डारी,जिला स्रकीम स्रधिकारी,चित्तौड्गढ-II	12-2-76	––त दै व– - -
8. श्रार०पी० निर्मल,जिला श्रकीम श्रधिकारी, मंदसौरा .	. 12-2-76	त्रित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रीर वीमा विभाग) के दिनांक 5 श्रप्रैल, 1975 के पत्न फा० सं० 11012/5/74⊸ए डी–IV द्वारा स्वीकृत पद पर।

मनमोहन वधावन नारकोटिक्स ग्रायुक्त

केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून, 1979

सं० क-19012/745/78-प्रशा० पांच—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग एतद्द्वारा श्री ए० के० गिरी, पर्यवेक्षक (विद्युत्) को सिक्ष्मिम सरकार के ग्रधीन सहायक इंजीनियर (विद्युत्) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-ब० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन-मान म 1-10-78 से 30-9-79 तक एक वर्ष के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० गिरी ने, 30-9-78 (अपराह्म) से लोअर लग्यप हाईडल परियोजना वृत्त के कार्यालय में सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> जे० के० साहा श्रवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

कार्यालय महानिदेशक केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई, 1979

सं० 27-एस/जी(4)/70-ई सी-II--राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के श्रस्थाई श्रधीक्षक इंजीनियर श्री श्रार० बी० गुप्त के सेवा से निवृत्त होने के नोटिस को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री गुप्त 21-6-1979 (श्रपराह्म) से सेवा से निवृत्त हुए।

> बी० म्रार० रस् प्रणासन उपनिदेणक कृते महानिदेणक (निर्माण)

पूर्ति एवं पुनर्वाम मंत्रालय
(पुनर्वाम विभाग)
मुख्य यांत्रिक ग्राभियंता का कार्यालय
पुनर्वाम भूमी उद्घार संगठन
रायपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1979

सं० पी० 3/1/78-19935 पी०-इम कार्यालय के प्रिधिसूचना ं०पी० 3/1/78-3014 पी० दिनांक 4-9-78 के कम में श्री ए० गोपाल राय की, सहायक प्रभियंता (वर्ग बी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 क० के वेतन मान में, पुनर्वाम भूमि उद्धार संगठन के एफ० एम० यू०-7 (बी) जगदलपुर, जिला बस्तर (म०प्र०) में तदर्थ रूप में हुई नियुक्ति को 1-4-79 के पूर्वास्त्र से 30-6-79 तक की तीन महीने को धौर प्रविध के लिए बढ़ाया जाता है।

2. श्री ए० गोगल राव को, जो कि सहायक श्रभियंता के रूप में तदर्थ श्राधार परस्थानापन्न हुए, उनके मौलिक पदा- पर्यवेक्षक पर 30-6-79 के ग्रपराह्म से प्रत्यावर्तित किया जाता है ग्रीर उन्हें एफ० एम० यू० 7 (बी) पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन जगदलपुर, जिला-बस्तर (म०प्र०) में नियुक्त किया जाता है।

स्रो० एस० गुप्ता मुख्य यांत्रिक भ्रभियंता

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर क्वालिटी ग्राईस कीम (जमसेदपुर) श्राईवेट लिमिटेड के विषय में पटना, दिनांक 27 जून, 1979

भं० (1311) 78-79/1199---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के श्रनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवमान पर क्वालिटी श्राईस कीम (जमसेदपुर) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० के० चटर्जी कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार, पटना

कमानी अधिनियम ,1956 श्रौर कैंस्लीक रेलवे सप्लाई कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड

श्रीनगर-160 008, दिनांक 30 जून, 1676

सं० पी० सी०/379/2569—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्कारा सूचना दी जाती है कि कैस्लीक रेलवे सप्लाई कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एम० एम० सिंह कम्पनियों का रजिस्ट्रार जम्मू एवं काश्मीर

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर बालमुख्नान चिट फंड (पांडिनेरी) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। पांडिनेरी, दिनांक 7 जुलाई, 1979

सं० 93/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माहके

श्रावसान पर "बालमुरूगन चिट फंड (पांडिचेरी) प्राईवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एस० ग्रार० वी॰ वी॰ सत्यनारायण कम्पनियों का रजिस्ट्रार पांडिचेरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर एम०पी० निहालनी एण्ड को० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में कटक, दिनांक 21 जून 1979

सं० एम० भ्रो० 722(2) 1304—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भ्रनुसार एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि एम० पी० निहालजी एण्ड को० प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राजरिजस्टर से काट दिया गया है भ्रौर कम्पनी विघटित हो गयी है।

डी० के० पाल कम्पनियों का रजिस्ट्रार, श्रोडिसा

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 एवं ज्योति सिल्क मिल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1979

सं० 583/8400/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ज्योति सिल्क मिल्म प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जा जाएगी।

श्री राम कम्पनियों का ग्रतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र कार्यालय, श्रायकर श्रायुक्त (संवर्ग नि ल्लण श्र<mark>िधकारी)</mark> कानपुर, दिनांक 28 जून 1979

सं० 18— निम्नलिखित स्रायकर निरीक्षकों कि 50-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में श्रायकर श्रिष्ठिकारियों ("ख" वर्ग) के रूप में स्थानापन्न कार्य करने के लिए तत्काल में तथा अगले स्रादेशों के न जारी किए जाने तक नियुक्त किया जाता है। यदि बाद में यह पाया गया कि उनकी नियुक्तियां उपलब्ध रिक्त स्थानों की संख्या से श्रिष्ठिक हुई हैं तो वे पदावनत किए जाने के योग्य होंगे। पदोश्रति पर उनकी सेवाएं उनमें से प्रत्येक के सामने दिए गए स्रायकर श्रायुक्तों के श्रिष्ठकार में दी जाती हैं:--

क्र०सं० कर्मचारीकानाम जिसके श्रधिकार में सेवाएं दी गईं

- श्री ग्रार०पी० ग्रग्रवाल, मेरठ श्रायकर श्रायुक्त, श्रागरा
- 2. श्री मुरेण चन्द्र (ग्रन्० जाति०) ग्रायकर श्रायुक्त, कानपुर
- श्री पतिराखन लाल (म्रनु० प्रायकर म्रायक्त, म्रागरा जाति)

सं० 19--श्री मुरेण चन्द्र (श्रनू० जाति), जिनकी मेवाएं श्रायकर श्रायुक्त, कानपुर के श्रधिकार में दी जाती हैं, एतद्द्वारा कर-वसूली श्रधिकारी, "ए", कानपुर के रूप में पदस्थापित किए जाते हैं।

सं० 20—एतद्द्वारा श्री ग्रार० ग्रार० हेमराजानी, कर-वसूली अधिकारी, "ए", कानपुर स्थानान्तरित किए जाते हैं तथा उनकी सेवाएं ग्रायकर ग्रायुक्त, मेरठ के ग्रधिकार में दी जाती हैं।

> बी० गुप्त ग्रायकर ग्रायुक्त संवर्ग नियंत्रण ग्रधिकारी, कानपुर

प्र**रु**प आईं ≥ टी • एन • एस • —

आयकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1979 निदेश सं० ऐं०पी०नं० 1922—यतः मुझे, बी० एस० दक्रिया

भायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से ग्रिविक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो जालन्धर कैन्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रधीन, तारीख नवस्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के बृग्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (भन्तरकों) धौर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्रियम, के ग्रिश्चीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम या घन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में मुक्था के लिए;

भतः मन, उक्त प्रधिनियम, की बादा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात।——

- 1. श्रां तेलू राम जैन पुत्र धना राम जैन 34 हकें कित रोड़, जासन्धर केंट। (प्रन्तरक)
- 2 श्री जसवंत सिंह संधू पृत्र मुलखन सिंह कोठी नं० 35 हकीकत रोड़, जालन्धर केंट (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में संगत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति संगत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कत्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हु।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के मंबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शम्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ध्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो जस ध्रव्याय में विसा गया है।

अनुसूची

जैमा कि विलेख नं० 5672 नवम्बर 1978 को रजिस्ट्री। कर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**: 6-7-1979

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰~---

यायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर. दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1923—यत मुझे, बी० एम० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रौर जिसको सं० जैमा कि श्रनुसूची में है तथा जो जालन्धर वो स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालया, जालन्धर मों रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख़ नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिश्वक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उकत धन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- क) प्रस्तरगंस हुई कियो आप की बाबत उसत प्रक्रिक नियम, के प्रधीन कर दन के प्रस्तरक के दायिख में कर्मी करने या उससे बचने में गुधिष्ठा के लिए; भीर/वा
- (ख) ऐसी किया पाय या किया धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था किया बाना चाहियेथा, । छवाने में सुविधा के लिए;

अनः अब उक्त अधिनियम हा धारा 269-ग के बनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के अधीन ननिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

- 1. श्रो संमुख सिंह पुत्र राम सिंह सोडल रोष्ट, जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रोमती कृष्णावंती पत्नी चमन लाख मकान नं० 177 मोडल रोड, जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्मत्ति में एचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह भूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की घरिष्ठ या तत्सम्बन्धी क्यंक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्षि, जो भी घरिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यंक्तियों में है किसी क्यंक्ति द्वारा;
- (बा) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यका परिभावित हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्टमाय में विका गया हैं!

अनुसूची

जैया कि विलेख नं० 5965 नवम्बर 1978 को रजिस्ट्री-कर्ता अभिकारों के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

> बो० एस० दहिया मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-7-1979

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०--

नायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 69-च(1) के अधान सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेण सं० ए ० पी० नं० 1924—म्यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और झन्तरिती (झन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बाह्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। ---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियन के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनी किनी प्राय या किसी धन या पन्य आस्टियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या. छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त पधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निमानिवित व्यक्तियों अर्थात :--

- 1. अमोख मिह अडवोकेट बस्ती दानश मेवी, जालन्धरी (अन्तरक)
- श्री महावीर सिंह मिनहास पुत्र जरनैल सिंह 168-न्यू जवाहर नगर, जालन्धर। (अन्तरिर्ता)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्मत्ति में मृचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जितके बारे में भ्रवोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूबता जारी करेके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पालेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **ख से 45 दिन** की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सन्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 गम लिखित में किए जा सकेंगे

स्परती हर ग:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा जो उस प्रध्याय में विया मया है।

अ (सृची

जैसा कि विलेख नं० 6499 दिसम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय जानन्धर में लिखा है।

> बो० एस० द**हिया,** मक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रोंज, जालन्धर

तारो**ख**: 6-7-1979

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1925---यत मुझे, बी० एस० बहिया,

भागकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सखम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवस्वर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिश्वत स अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तिविक कप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रम्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त धांध-नियम के धांधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। सौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को; जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या धनकर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मिनिका किन्निका व्यक्तियों, वर्षात्:——
3—166GI/79

- श्री कुंदन लाल चेनन सिंह पुत्र च्यु सिंह गांव संगवाल। (ग्रन्तरक)।
- 2. महिन्द्र सिंह पुत्र उजागर सिंह पुत्र जगत सिंह 32 ज्ञान नगर, जालन्धर। (श्रन्तरिती)।
- 3. जैसा अपर नं० 2 मैं है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोह्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजीन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी अस्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विख नं० 5715 नवस्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारी**ख: 7**—7—1979

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ----

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के मधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, जलन्धर जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई, 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1926——यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रींकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय जलन्धर में रिजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवस्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और झन्तरक (अम्तरकों) घौर झन्तरिती (इन्द्रिरित्यों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबन, उक्त अखिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या बा किया जाना साहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए।

बता बब, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269का के प्रमुक् सच्च में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269का की उपचारा (1) के बचीन निव्नविविव व्यक्तियों, अर्थात् !——

- 1. श्री कृष्णलाल, खरैती लाल, रमेश चन्द्र, और जेंगुनल किशोर पुत्र मेत राम 4 शिव नगर जलन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री अवतार सिंह C/o मैं० एक्स भागीन मेलज प्रीत नगर सोदल रोड जल्क्धर

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखना है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उनन पत्मति के प्रजैन के पत्मतन्त्र में कोई मा प्राक्षेप .--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारी का से 45 दिन की मयि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध जो भी मयि बाद में ममाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य क्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अब्बाय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलख नं० 5596 में नवम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जलन्धर

सारीख: 7-7-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269भ्य (1) के अधीन सूचना

भारत यरकार

कार्यालय, सहायक आयकर सामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 24 मई 1979

निदेश मं० ए० एम० घ्रार०/79-80/51~-यतः मुझे ए०के०धर, घ्राई० घ्रार० ऐस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वयये से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० एक जमीन का दुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 245.5 वर्ग मीटर है, दयानगर, गली नं० 3, दूनीचन्द रोड़, ग्रमृतसर में है तथा जो श्रमृतसर गहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णिल है), रजिस्ट्री तर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर गहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वासकरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल भविक है भौर मन्तरक (भन्तरकों) भौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (का) अन्तरण सें हुई कियां आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अक्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/यः
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या पत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अनं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री मदन लाल पुत्र कुन्दन लाल फलकत्ता द्वारा श्री तारा चन्द पुत्र हरी चन्द, 76 कैनेडी रेवेन्यू ग्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री मीरी मल पुत्र गहनामल वा हम राज पुत्र मीरी मल, कटरा मोती राम, गली बाग वाली, ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)।
- 3. जैसा कि नम्बर 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि कोई श्रन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूवना जारो करके पूर्वीयत सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

करत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा।
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास सिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त भिक्षितियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्षे होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

प्रमुज्जी

एक प्लाट भूमि का जिसका क्षेत्र 245.5 वर्ग मीटर है तथा जो दयानन्द नगर दूर्नीचन्द सड़क पर स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता नं० 2531 दि० 10–10–78 रजिस्ट्री कर्ता ग्रमृतसर शहर में स्थित है।

> एम० के० धर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज श्रमृतसर ।

तारीख: 24-5-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 मई 1979

निदेश सं० ए० एम० ग्रारः / 79-80/50--यतः मुझे, एम० के० धर, श्राई० श्रारः एस०,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहण 25,000/- द० से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० एक मकान नं० 1860 के कटरा शेर सिंह में सम्प्रतसर में स्थित है सथा जो अमृतसर शहर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (अश्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण कि खित में वास्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्ष धिधनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे अथने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी बन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर ब्रिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर ब्रिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अयं, उनतं मिश्रिनियमं, की घारा 269-ग के प्रनुसर में, में, उनतं पश्चिनियम की घारा 269-व की उपभारा (1) के स्थीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती णीला श्रानन्द व शीला वती विधवा श्री रॉर्में श्रानन्द, कटरा णेर सिंह, मकान नं० 1860, श्रमृतसर। (श्रन्तरक)।
- 2. श्रीमती वीना महाजन धर्मपत्नि श्री सतपाल महाजन कटरा ग्रेरसिंह, मकान नं० 1860, ग्रम्तसर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि उपरोक्त नं० 2 है ग्रौर यदि कोई किराए दार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि कोई भ्रन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संरक्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी घासीप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घषि या तस्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घषि, जो भी घषि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ऐ जिसे) वाक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--- समें प्रयुक्त शक्यों घीर पदों का, जो उक्त शिक-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्म होगा जो उस शब्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

एक तीत मंजिला मकान जिसका 1/2 भाग नं० 1860 जो कटरा शैरसिंह, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिंस्ट्री नं० 2633 दिनांक 20-10-78 रजिस्ट्रीकर्ता श्रमृतसर शहर।

> एम० के० धर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, अमृतसर

तारीष: 24-5-1979

प्ररूप पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

चायकर समितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृत्तमर अमृतमर, दिनांक 24 मई 1979

निदेश सं० ए० एस० घार०/79-80/49-- प्रतः मुझे, एम० के० धर

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/— ए० से प्रधिक है,

भ्रौर जिसकी सं० एक मंजला घर जो कि रेल्बे कालोनी नं० 4, कोट खालला श्रमृतसर में स्थित है तथा जो

में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिशितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्लीम, तारीख श्रक्तुबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृथ्यभान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) मौर अन्तरित (मन्तरितों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल किम्तिलिखात उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिबक कप से कांचत नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त आधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के घम्सरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राध या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः धव उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के प्रमुखरण में, में, उपत प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, मिन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती हरजिन्दर कौर पत्नी मलकियन सिंह, मकान नं० 236 जो कि नं० 2 पीछे में ह्वाला है उस पर रेलवे कालोनी नं० 4, कोट खालमा, ग्रम्तसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रवतार सिंह गिल पुत्र पंजाब इन्स्टीट्यूट श्राफ टैक्मटाईल टैक्नोलोजी डाकखाना, श्रार० एस० एम०, श्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नम्बर 2 में है स्रौर यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके स्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि कोई व्यक्ति, इस सम्पत्ति में हिच रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योक्टरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रवं होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अपुसूची

एक मंजिला घर नं० 236, भूमि के टुकड़े जिसका क्षेत्रफल 333/1 वर्ग मीटर जो रेलवे कालोनी नं० 4 के विपरीत कोट खालमा, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री में नं० 2055/1 विनांक 12-10-78, रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर शहर में है।

एम० के० धर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज अमृतसर

तारीख: 24-5-1979

प्ररूप गाई० टी० एन० एस०-----आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतगर, दिनांक 19 मई⁻ 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/46---यतः मुझे, एम० के० धर आई० आर० एस० आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

चपए से प्रधिक है

प्रीर जिसकी सं० एक मंजिला कोठी प्रमृतसर है तथा जो

प्रमृतसर में स्थित है (प्रीर इसमें उपाबद प्रनुप्त में प्रीर

पूर्ण क्य में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय

प्रमृतसर णहर में है में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रक्तूबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान

प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का

पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रम्तरक (अन्तरकों)

पौर प्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरक के लिए

तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण

लिखित में बास्तविक रूप से क्यात नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वावत, सकत श्रीवित्यम के श्रीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करके या सससे वचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं सकत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्माधिकत स्थानतयों प्रणीतः---

- श्रो मनोहर गिह पुत्र गुरुमुख सिंह गली कर्न्येरिरी नमरु मण्डी स्रमृतसर (महान नं० 1062/89) (अन्तरक)
- 2. मैं । गुरु रामदाम श्राईम फैक्ट्री 62 सन्त नगर श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)।
- 3. यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्यक्ति में रुची रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनक बारे में अयोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिष्कित नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रकबा 225.76 स्कवायर मीटर से एक मंजिला कोठी प्लाट नं 143 खमरा नं 249 खाता खसरा नं 7675/ 16-25 म्यूनिसपल कमेटी चाटीबेन्ट कोट मोहर्नीसह, अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं 2450 तारीख 5-10-78 भौर रजिस्ट्रीकृत प्रधिकारी अमृतसर गहर में है।

एम० के० घर मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीखः: 19-5-79

प्ररूप धाई० टी० एन∙ एस०-----

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर

म्रवृतसर, दिनांक 19 मई 1979

निदेश सं ए० एम० ग्रार०/78-79/47--यत मुझे, एम० के० धर, क्राई० क्रार० एस० न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में श्रधिनियम' कहा इसके पश्चात 'उक्त की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है, श्रीर जिसकी सं० प्लाट जिसका रक्बा 106 मीटर है चील मण्डी, अभृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रम्तसर शहर है। में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भनतूबर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे **भ्रन्तर**ण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

मतः मब, उक्त घिषिनियम की घारा 269 ग के मनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-ध की उपधारा, (1) के अधीन निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री क्रुयान सिंह पुत्र ग्रर्जन सिंह रे०/ग्राफ गांव पिंड नावन तहसील ग्रीर जि० ग्रम्तसर। (ग्रन्तरकः)
- 2. श्रीमती मुरिन्दर कौर परनी तरलोचन मिह बाजार चील मन्डी कटरा मान सिंह, ग्रमृतमर। (श्रन्तरिती)
- 3. यदि कोई किर।एदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पति के भ्रजेंन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध,
 जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताअरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्वीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट स्थित 166 स्क्वायर मीटर चील मन्डी, कटरा मान सिंह किता नं० 670-26-71, 2440 और 2087/ 1-33 रिजस्ट्रीकृत नं० 2632 तारीख 20-10-78 ग्रीर रिजस्ट्री ग्रिधकारी ग्रम्तसर शहर में है।

> एम० के० धर, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

तारीख: 19-5-79

प्ररूप भाई। टी । एन । एस । ---

भायकर अधिलियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 19 मई 1979

निदेश सं० ए० एस० ग्रारः | 78-79 | 48--यतः मुझे, एस० के० धर, श्राई० ग्रारः एस० के० धर, श्राई० ग्रारं एस० के० धर, श्राई० ग्रारं एस० केथ का कि मिन्स मान्य कि प्रवाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए

से मधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट जिसका रक्वा 106 स्ववायर मीटर है बाजार चील मण्डी, श्रभृतमर है तथा जो श्रमृतमर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतमर शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रति-फल के लिये भन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत प्रक्षिक है भीर भन्तरक अन्तरकों) भीर भन्तिरती (भन्तिरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाह्यकि का से किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई सिसी माय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के घण्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसो प्राय बर्ग केनो धन या बना प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिये था, छिपाने मेंसु वेधा के लिए।

श्रवा भव उक्त अश्वितियम की धारा 269-ग के श्रनुश्ररण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-भ की उपदारा (1) के बच्चेन निम्निसित व्यक्तियों, गर्यात् :—

- श्री क्रांगि सिंह पुत्र श्रर्जन सिंह गांव नवान नैपिन्ड तहसील ग्रीर जि० भ्रम्तमर। (भ्रन्तरक)
 - मै० खुराना टैम्बर स्टोर चील मन्डी श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य<mark>ेबाहि</mark>यां करता हूं।

उनत सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविद्य, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्तावाध के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त भक्ति-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं पर्व होगा, जो उस प्रश्वाय में किया गया है।

मनुसूची

प्लाट स्थित 106 स्क्वायर मीटर बाजार, श्रील मन्डी श्रमृतसर कील नं० 2670-71, 2443/1-28 और 2087/ 1-22 रजिस्ट्रो⊕त नं० 2878/1 तारीख 8-11-78 रजिस्ट्रों अधिकारी श्रमृतसर शहर में है।

> एम० के० धर, ब्राई० ग्रार०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारी**ख**ुँ: 19-5-79 मोहरः प्रकृष माई टी • एत • १त • → - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के संघीन यूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायृक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 691/1/10, पूना सतारा रोड पूना-9 पुना, विनोध 13 जून 1979

तिवेण सं० सी० ए० 5/एस० आर० ईगतपुरी/फेब्रु 79 449—पतः मुझे, श्रीमती। पी० ललवानी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिमको सं० सो० टी० एम० का० 563ए, 563 बी है तथा जो ईगतपुरी डी० नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीविधारी के कार्यालय एम० श्रार० ईगतपुरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख 28-2-79

को प्रविक्त संगति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृश्यशान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यशान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यशान प्रतिफल का पन्छ है प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नालिखित उद्देश्य से उनल अन्तरण लिखित में बाल्य-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने क भन्तरक के दायित्व में यमी करने या उसरे तकने में गुविद्या के लिए; भोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भरा आहि यों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर घिवितयम, 192: (1923 का 11) या उक्त भिधितयम, या घनकर भिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि । स्थाया या किया जाना आईडए था खिपाने में सुविधा के लिए;

घतः अर, उशा सिषियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त सिवित्यम की धारा 269-च के उप-धारा (1) के सिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् कर 4—166G1/79

- श्री कैकीबाद पेशटन वांडा जे० जे० बिल्डिंग फर्स्ट फ्लोर 277, तारवेब रोड़, बाम्बे 400 007। (श्रम्तरक)
- 2. श्री चन्द्रकांत श्रानन्दराव भोजने विजय निवास, गोजने रोड़, ठाना 2. श्री वसंत श्रार० प्रधान शिवाजी पथ ठाना। 3. श्रोमनी विद्या जी देशपांडे; 11 विभाजिनी शिवाजी पथ ठाना। (श्रुत्तरिनी)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त पंति के **भर्ज**त के निए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजैत के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो मी धविध बाद में समाप्त हाती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसा अन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

हरव्टीकरण :--इनमें प्रमुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त धिनियम के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा, जो उस अन्तार में दिया गया है।

अनुसूची

प्रायटीं सी० टी० एस० ऋ० 563 ए० क्षेत्रफल— 16091-वर्ग मीटर्स घ्रौर मी० टी० एस० ऋ० 563 बी० क्षेत्रफल—-1513-66 वर्ग मीटर्स घ्रौर बिल्डिंग हाउम नं० 78, ईगतपुरी ताना नासिकः।

(जैसे कि रजिस्ट्रोकृत विलेख क० दिनांक 28-2-79 को सब रजिस्ट्रार ईगतपुरों के दफ्तर में लिखा है) ▮

> श्रीमिती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख 13-6-1979

मोहरः

प्रकृप भाई र टी ० एन ० एस ० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत मरकार

कामिलिय, सहायक भागकर मायुक्त (निरीक्षण) 691/1/10, पूना सतारा रोड पूना-9 पूना~9, दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० हवेली-II/दिसम्बर 78/451--यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी आ कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-था के प्रधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूह्म 25,000/-र• मे प्रधिक है और जिसकी सं० सी० टी० एम० क० 768, है तथा जो सदाधिव पेठ, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची मों और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के

कार्यालय हवेली—II में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनोंक 14—12—78 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उति । बातार मूच्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और मन्तरिक (अन्तरकों) भौर यन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उदेश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी माप की जातन उपत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाक्तिक में कमी करने या उससे अबने में सुविधा के लिए; और या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किया घर मा ग्रम्म प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपान में सुविधा के लिए।

ग्रतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भन्-सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. वि पूना स्यूचिसिपल कारपोरेशन सबेंट्स को श्रीप-रेटिक् बैंक लि॰ चेयरमैंन, के॰ पी॰ उन्बने 768, सवाशिय पेठ, पुना-30। (ग्रन्तरक)।

2 श्री श्रीपाद श्रीसन्त्रभ सहकारी गृह सरचना संस्था 768, सनाणिय पेठ, पृना-301 (अन्तरिती)

को यह सूत्रना जारों करके पूर्वानत समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

रकत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माओप :---

- (क) इन मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को अवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया मना है।

अनुसूची

प्रावर्टी —सी० टी० एस० क्षम 768, सदाणिव सेठ, पुना—30 क्षेत्रफल ——373.10 वर्ग मीटसँ।

(जैसे कि रजिस्ट्रें।इत विलेख कि 2167, दिनांक 14-12-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली $-\Pi$ के दफ्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीखाः 18−6−1979

पाक्ष भाई • टी • एन • एस •---

आमकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) भर्जन रोंज, पूना

पूना-9, दिनांक 18 जून, 1979

निर्देश मं० सीं० एम०/एस० ग्रार० हवेली—II/दिस० 78/452——यतः मुश्ने, श्रीमती पी० ललवानी ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्राधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से ग्राधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे क० 57/2 संब प्लाट क० 3, फायनल प्लाट क० 86/3 है तथा जो एरंडवणा, पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हवेती—II में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5-12-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारग है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिगा से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरितों (धन्तरितियों) के बीव ऐसे धन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप के क्या नहीं किया गया है:---

- (क) यन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी छन या भ्रष्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

सतः ग्रन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—-

- श्री एस० की० केलकर, एम० टी० जी० क्लाक्स की-50, ≅लाक क० 469 गांधीनगर, बांद्रा (ईस्ट) मुंबई क० 400051।
- (2) श्री डी० बी० केलकर 'मधुमालिती' 13 लेन, प्रभात रोड़, पुना-411004।
- 3. श्री व्ही० बी० केलकर 4. ए, सुदेश कालोमी एस० व्ही० रोड़, विले पार्ले, सुंबई-400071।
- 4. श्रीमती पद्मा ग्रार० केलकर, काणी निकेसन चेम्बूर, मुंबई--400071।
- 5. श्री वासुदेव श्रार० केलकर, 6, मास्टर विद्याधर आर केलकर (मायनॉर) काशी निकेतन चेंबूर गोंवडी रोड़, चेंबूर गली, एरडवणा, पूना-411004। (श्रन्तरक) 2. कांचन गौरी को० श्रापरेटिव्ह होसिंग सोसायटी,

2. काचन गारा का० म्रापराटव्ह हाासग सासायटा, 86/3, कांचन गली एरंडवणा, पूना-411004। (म्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्तिके अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर नूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रश्नितियम के प्रक्रमाय 20-क में परि-भाषित हैं वहीं भर्य होगा, जो उस प्रक्रमाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रीर ऊपरका मकान सर्वे ऋ० 57/2, सक्ष प्लाट ऋ० 3, फायनल प्लाट ऋ० 86/3, कौचन गली, एरंडवणा पूना-4।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख कि० 2056, दिनांक 5-12-78 की सब रिजस्ट्रार हवेली II के दफ्तर में लिखा है)

श्रीमती पी॰ ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पुना

तारीख: 18-6-1979

मोहर.

प्रकप माई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना-9, दिनांक 19 जून 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० नासिकः/दिस० 78/450—यतः मुझे, श्रोमती पी० लख्यानी प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन तक्षत अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर नम्सित, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 25,000/- कण्यों से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट ऋ० 58, है तथा जो नासिक इण्डस्ट्रियल एरिया नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधनार के कार्यालय एस० श्रार० मुंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शर्थान ,तारीख 13-12-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्नित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के निर् असारित का गई है मीर मुने यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि भन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त आधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दाायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय यायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या भ्रन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती भ्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. मै० किलॉस्कर ट्रैक्टर्स लिमिटेड नामिक रेडिं-422101। (अन्तरक)

2. मैं० ऋक्त्यटन ग्रीव्य लिमिटेड ,काजूर भांडूप, मुंबई। (अस्तरिता)।

का यह पूत्रना नारी करके इवोंक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए वर्षनीहियां करता हूं।

उना परानि के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप⊸-

- (क) इन सूचना क राजनत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को प्राधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी पत्रीय बाद में मनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्वतियों में किसी व्यक्ति बारा;
- (ग) रा पूर्वना के राजात्र मंप्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साधीकरण --इनर्ने प्रयक्ति सध्यों भीर पत्रों का, जो उक्त अधिनियन के अध्याय 20-क में गरिमाधित है नहीं प्रदेशोग जी उन श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्रापर्टी : प्तार्ट ऋ० 58, नासिक इंडस्ट्रियल एरिया, सतपुर तालुका।

क्षेत्रफल --12936, वर्ग मीटर्स।

(जैसे कि रजिस्ट्रोक्टल विलेख कि 334, दिनांक 13-12-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना

तारीख: 19~6-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43). की धारा 269व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रंज लखनऊ

लखनङ, दिनांक 4 ग्रप्रैल, 1979

निर्देश सं० 82बी/एविव०--अतः मृझे अमर सिन्न बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 64/वा/3 है तथा जो भ्रलोप बाग, इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ ग्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिपारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन, तारीख 21-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उड्रेक्ट से उन्त अन्तरण निज्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रिष्ठीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कंमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या धन-कर ग्रीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विक्या जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, ग्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यातः—

- া श्रीमती शांति देवी पाण्डे (श्रन्तरक)
- 2 श्री वृज किशोर अग्रवाल व सूरजा देवी अग्रवाल (अन्तरिती)
- 3. श्रीमती गांति देशी पान्डेय (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हराज्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-5 में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 64-की/3 अलोपी बाग इलाहाबाद मय पट्टा हकूक प्लाट नम्बरी 173 अलोपीबाग आवास योजना इलाहाबाद व संपत्ति का वह सब विवरण जो कि फार्म 37-जी नं० 5072 में तथा सेलडीड विणित है। तथा जो सब रिस्ट्रार इलाहाबाद में दिनांक 21-11-78 को दर्ज है।

ग्रमर सिंह बिसेन मक्षम श्रधिकारी महायय श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रुक्त रेज, ल**ख**नऊ

तारीख: 4-4-1979

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मई 1979

निवेश सं० भ्रार०-133/म्रर्जन 79--भ्रतः सुझे, श्रमर सिंह विसेन

भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंगीत जिनका उचित वाजार मूख्य 25,000/- द के अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 72 का ग्राधा भाग है तथा जो मेजरगंज मुन्तानपुर में स्थित है (ग्रीर इसोर उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बाँगा है) रजिस्ट्रोक्ति अधिकारी के कार्यालय मुनतानपुर में रजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, नारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रश्नरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिन का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्तिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तरिक का ने कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में दुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधितियम के भवीन कर देंने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने म सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: धत्र, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- ा श्री मोहम्मद ग्रनःम (ग्रन्तरकः)
- श्री राधेश्याम (श्रन्तरिर्ता)

का थेर्र भुवती जारो करके द्वीक्त सम्पत्ति के भ्रावैन के जिए कार्यवाहियां भुष करता हूं।

उस्त नमानि के प्रजैन क सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इन सूबना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना को जामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इन सूबना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाउड़ो करण :--इननें प्रयुक्त अंग्दों भीर पदौं का, जो उक्त प्रिजित्ति के प्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो प्रश्रं होता जो उस अध्याय में विधा गथा है।

धनुसूची

श्राधा भाग मकात तं० 72 जो कि मोहल्ला मेजरगंज जिला सुल्तान पुर में स्थित है व सम्पत्ती का वह सब विवरण जो कि सेलडीड तथा फार्म 37-जी में विणित है तथा जो सब रिजस्ट्रार जिला सुलतान पुर के कार्यालय में दिनांक 20-11-78 की दर्ज है।

> श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षक) सर्जन रेज, लखनऊ

नारीख: 1-5-1979

प्रकृष भाई • टी • एम • एस०-

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **घारा** 29€-च (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मई 1979

निदेश सं० श्रो०-13श्रर्जन 79--श्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 268-६ के मिन्नी मझम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से मिन्न है

श्रीर जिसकी सं० 72 का श्राधा भाग है तथा जो मोहहला मेजरगंज मुलतानपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है),), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुलतानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त धन्तरण विखित में वास्तिक क्ष से कथित नहीं किया गया है:---

- (s) उन्तरण से हुई किसी घाय की वाबत 'उक्त धिक्षित्रमा' के झधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर घिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, 1927 वा धन-कर घिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ व तिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, रिज्याने में स्विधा के लिए;

धतः धवः चक्त श्रधिनियमः की घारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियमः की घारा 269-घ की उप-धारा (।) के ग्रधीन निरुत्तिका व्यक्तियों. अर्थीन !--

- 1. श्री मोहम्मद अलीम (ग्रन्तर्क)
- 2. श्री श्रीम प्रकाण (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, ओ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनब इ किसी प्रश्य क्यक्ति द्वारा, भिश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्राव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो सकत प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मर्च होगा, जो इस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ष्राधा भाग मकान नं० 72 जो कि मोहल्ला मेजरगंज जिला सुल्तानपुर में स्थित है व सम्पत्ति का बह सभी विवरण जो कि सेल डीड तथा फार्म नं० 37-जी० सं० 3120 में विणित है तथा जो सब रिजस्ट्रार जिला सुल्तानपुर के कार्यालय में दिनांक 20-11-78 को दर्ज है।

> ग्रमर सिंह बिसेन, मक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण). ग्रजैन रेजे, लखनऊ

नारीख : 1-5-1979

परुप भाई । टी० एन० एम०---

वाणकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घाण 269-ष (1) के **घधीन** सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण)

म्रर्जन रैन्न, बैगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 मई, 1979

निदेश सं० सी० भ्रार०-62/22023/78~79/एक्वि०/ बी०--यतः मुझे एच० है तिम्मय्या आयकर धिंतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान् 'उक्त भिंदियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख हे प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का धारा है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्थ 25,000/- क० ने प्रधिष्ठ हैं,

भौर जिसकी सं० 13 साइट आफिसर्स है, तथा जो साप-परस कालोती, इंडेगनटे जीवन्नाहल्ली, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बेंगलर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 4-10-1978 दस्तावेज सं० 1768/78-79

को पूर्वाक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार वृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से प्रधिक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरका के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वावत अवस्त अग्नितम के ग्रर्थन कर दने के श्रवसरक केदायित्य में कभी करने या असमे बचने में सुविधा केटिए; ग्रीर/या
- (ब) र्नो किनो प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रक्षिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं निया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के जिया;

भतः धव, उपत धिंगियम, की धारा 269-ग में अन् सरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयति :—

- श्री सारत चन्दर पुत्र के० बी० बान्जेद्वा पाल अगना पना "मान्ती तदन" रेड फील्डन कीयमबट्टर और नया पा है वेल्ली एस्टेट, एमारालड पी० थां० नीविंगिरीन रिप्रेजेन्टेड कर रहे हैं श्री श्रक ल सुन्दर राज। (श्रन्तरक)
- 2. मिसेंग पोत्तस्मा जािन, परित लेट कैप्टन केऽ मी० जान सं० 57, चालरम कैस्पबेल रोड, कोक्स टाउन बेंगलूर-560005।

को रर्पुतरा जारी हरड पूर्वाक्त सम्मति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं :

उक्त पराति हर्यात के उप्चन्त्र में हो? यो प्राक्षेर:---

- (क) इन पूजा। क राजान ने प्रकारन का नारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की सामिल से 30 दिन की शवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत वाक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखासे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबा किसी भ्रन्य स्थिति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्बोक्टरगः --इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदांका, जो उक्त धिनियम, के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं मर्बेहोगा जो उस भड़्याय में दिया गया है।

धनुसुबी

(दस्तावेज 1769/78-79 ता० 4-10-1978)
खाली जगह जिंमकी सं० 13 तथा जो सापरस आफीसर्स कालोनी बेंगलूर था पहले डुड्डींगुनटे जीवशाहल्ली विलेज के नाम से था (डिबीजन सं० 49)

चकबंदी: पूरब---माइट नं० 1 पं० ,, ,, 35 उ० ,, ,, 33 श्रोर द०---रोड़।

> एच० तिम्मय्या सक्षम प्राविकारी सहायक आयक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 15-5-1979

मोहरः

प्ररूप भाई • टो० एन० एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 14 मई, 1979

निर्देश सं० सी० श्रार०-62/22279/79-80/ए० सी० क्यू०/बी—यतः मुझे एच० तिम्मय्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— हपए से प्रधिक है

स्रौर जिसकी मं० 77/80 पुराना नया सं० 23 है, तथा जो रतना विलास रोड, बसायनगुडी, बेंगलूर-4 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है). रजिस्ट्रीकर्ग ग्रधिकारी के कार्यालय बसायनगुडी बेंगलूर-4 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 26-10-1978 को (दस्तावेज सं० 2482/78-79)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक ल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निशिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गश्निक कप में अधिक नहीं किया गया है!——

- क) श्रन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दासित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भीराया
- (ख) ऐसा किमी आप या किनो धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रिवितयम की धारा 269-ग के मनुसरम में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---5—166GI/79

- गः सर्वश्री (1) एन० मेलवाराज सुपुत्त श्री पी० एस० एन० नायडू, (2) श्रीमती एस० लिल्या पत्नी एन० मेलवाराज, नं० 523, रतन विलास रोड, बंग-लोर सिटी।
- (2) श्री ए० एन० पारथामाराथी सुपुन्न के० धानंता-नागाराज, 62/95, सरवेयर स्ट्रीट, बसावनागुडी, बगलूर-4।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के झर्जन क किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की प्रविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविद्य, जो भी प्रविद्य बाद में समाध्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित्तबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

रपच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त ज्ञान्दों श्रीर पदों का, जो उनत आधि-नियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विशा गया है।

धनुसूची

(दस्तावेज सं० 2382/78-79 ता० 26-10-78) घर सम्पत्ति सं० 77/80 पुराना ऋौर नया सं० 23 है, रतनिवलाम रोइ, बसावनगुडी, बेंगलूर-4।

एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर

नारीख : 14-5-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 मई, 1979

निर्देश सं० मी० ग्रार०-62/22326/78-79/ग्रर्जन/बी---यतः मुझे एच० तिम्मय्या आयकर झिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत भ्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने स्थावर सम्पत्ति, जिसका का कारण है कि से ग्रधिक है 25,000/-रुपये मृत्य न्नौर जिसकी मं० साइट 503/48 है, तथा जो 40वां कास, 8वां ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर-11 में स्थित है (भ्रीर इसभे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारीः के कार्यालय जयानगर, बेंगलूर (दस्तावेज सं० 2133/78-79) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-10-1978 को

का
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे अम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक का में किया
नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें, भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, ग्रब, उन्त भ्रधिनियम की बारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त भ्रधिनियम की बारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित धरिन्तयों, ग्रयीन्:--- (1) सर्वश्री 1. डी० एस० नागराज सुपुत्त लेट देवारूता श्रीरामय्या, चेट्टी 2. डी० एस० प्रादीप कुमार सुपुत्त ही० एस० नागाराज, 3. डी० एस० प्रावीस कुमार, माइनर जो उनके पिता नागाराज रिप्रेजेन्ट कर रहे हैं सब का पता है सं० 163, 37वां कास, 7वां मेन रोड, व्लाक, जयानगर, बेंगलूर-41।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बेलागोड़ा ट्रस्ट, सं० 313, 40वां कास, 8वां ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर-11 रेप्रेजेन्ट कर रहे हैं उनके मैंनेजिंग ट्रस्टी श्री बेलगोड़ा कृष्णस्या सेट्टी सं० 275/1, 9/2, ए० मेन रोड, II ब्लाक, जयानगर, वेंगलूर-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2133/78-79 तारीख 24~10-78) साइट सं० 503/48, 40वां कास, 8वां ब्लाक, जयानगर बेंगलूर-11।

चकबन्दी:---उत्तर---रोड। दक्षिण---साइट सं० 524 और 513। पूरब---माइट सं० 502 श्रीर पश्चिम---साइट सं० 504।

एच० तिम्मय्या मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 15-5-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 मई 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22741/78-79/एक्यू०/वी—-यतः मुझे एच० निम्मय्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पपचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द॰ से अधिक है और जिसकी सं० 144/1-वी (144/3) है, नथा जो मैसूर

ग्रौर जिसकी मं० 144/1-की (144/3) है, तथा जो मैसूर रोड, बेंगलूर (डिवीजन 24) में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबक श्रनुसूर्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिकारी के कार्यालय, बसावनगुड़ी, बेंगलूर (दस्तावेज मं० 2353/78-79) में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 16-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से ग्रिधक है ग्रौर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरितो (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन व प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ध्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भ्रतः भ्रम, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त भ्रिधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) श्रिधीन श्रर्थात्:---

- (1) श्रीमती कमला सेगाद्वी, पत्नी श्री के० श्रार० सेगाद्वी, सं० 71, पछीयणा सं० हासटल रोड, छेटपट, मद्रास-31। (अन्तरक) रेप्रसेन्ट कर रहे हैं श्री एन० केगावन।
- (2) श्री पी० विश्वानाथा पष्टी सुपृत्न लेट पी० एन० पष्टी, प्रोप० मैंसूर कार्साशयल कारपोरेशन सं० 23, जे० सी० रोड, बेगलूर-2। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही श्रथे होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2353/78-79 तारीख 16-10-78] कारनर खाली जगह सं० 144/1-बी (114/3) मैसूर रोड, बेंगलूर (डिवीजन-24) चकबन्दी--- पूरब---पम्पत्ति सं० 144/2 जयाराज की पश्चिम---पम्पत्ति सं० 144/2 भारत पेट्रोलियम कार-पोरेणन की। उत्तर---मैसूर रोड, और दक्षिण--पहली मेन रोड, चामराजपेट।

एच० तिम्मय्या मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारी**ख** : 14-5-1979

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर ग्रांजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के ग्रांजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 मई 1979

निर्देश सं० सी० श्रार०-62/22454/एक्यू/79-80/बी---यतः मुझे एच० तिम्मय्या

धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्रति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 107/1 (खाली जगह) है, तथा जो VIII मेन व मलेगवरम वेंगलूर-560003 में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, बेंगलूर दस्तावेंज सं 3307/78-79 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-11-1978 को

(1908 का 16) के अधीन तारीख 2-11-1978 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित को गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापृष्टिक सम्पत्ति का उक्ति बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर घन्तरक (धन्तरको) भौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ निक्निलिखित उद्देश्य के उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक मण के कियत नहीं किया गया है:---

- (क) पन्तरण स हुई किसो धाप की बाबत, ब्रह्न अधि-नियम के भ्रष्टोंन कर देने के घन्तरक के दायित्व में भ्रष्टी करने या उसमें बचने में शृविजा के लिए; ' विषय
- (भ) ऐसी किसी था। या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चलः धव उक्त प्रधिनियम की धारा 289-ग के मनुसरण में, में, एक्त चित्रितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:--- (1) मिम० एन० उथा देवी, मुपुत्ती डाक्टर एम० ग्रार० नरिसम्हन, 107, VIII मेन रोड, मलेपवरम, वेंगलूर-35

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नालिती श्रारं कामत, पत्नी एस० श्रारं कामत, सं० 51, VIII कास, 7वां मेत, मलेष- वरम, बेंगलूर-3।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीकत सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्यत्ति ह पर्जन के संबंध में कोई भी पालेंग : -

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में सभाष्त होती हो के भीतर पूर्वतित व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति दारा;
- (वा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन को तारों उस 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, ना उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित दें, वहीं प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 3307/78-79 तारीख 2-11-78) खाली जगह जिसकी सं० 107/1 तथा जो मेन रोड. मलेषवरम, बेंगलूर-560003 में है।

एव० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख: 16-5-1979

वक्ष प्राई० टी० एव० एव०---- --

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ध्रधीन भूचनः

भारत सरकार

हार्यालय, सहायक आयक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंग, बंगलर

बैगलूर, दिनांक 18 मई 1676

निर्देश सं० सी० आर० 72/22526/79-80/एक्यू० यतः मुझे एच० निम्मयया,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-**६० से ग्र**धिक है

श्रौर जिसकी सं० 294, $rac{1}{2}$ स्टेज है, तथा जो बिनमंगला ले म्राउट, इंदिरानगर बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण लय से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिव जी नगर, गंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन ता० 20-10-1978

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यकान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मझे य विश्वाम करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पन्ति कर उतित बाजार मृह्य, उसके बुग्यमान प्रतिफल में, एंड दुभ्यमान प्रतिफल का पन्द्रत् प्रतिशत सं प्रधिक है और यन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक्षा (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण र लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण लिखा में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🐎 --

- (क) अन्तरम से हुई । तमी अग्य का बाबा. अधिनियम, के ग्रधीन धर देन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या व्यवं बचा में सुदिशा के लिए। भीर/या
 - (ख) ऐसी किसा याय या किया घर या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भागोप गम-कर प्रधिनियम, 19:2 (1922 का 1!) वा उत्तन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था याकियाजाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भव, ३वः अधिनियम, को धारा 269-ए के अनुसरण में, मै, उक्त प्रधिनियम, को भारा 260-घ को उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रीमती बाजदा मह्बूब, पत्नी लेट शेख मह्बूब सं 13-8-932/1, मालकपेट, Repted. by P.A.H. थी म्मताज ग्रहमद तहेर, सुपुत्र गुलाम मोहम्मद तहेर, मं० 29 मरपेंटाइन स्ट्रीट, रिच-मंड टाउन, बेंगलुर 251

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती यरोजम्मा, पत्नी श्री एन० नारायन रेड्डी, सं० 481, बिन्नमंगला ले ग्राउट, 1 स्टेज, इंदिरा नगर, वेंगलूर 38।

(ग्रन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके र्वात समानि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पनि के प्रजैन के अम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी आप से 45 दिन की अवधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में भमाप्त होता हो, ह भीतर प्रशंकत ध्यक्तियों में से किया व्यक्ति द्वारा:
- (बा) इस मुजना के राजपन में प्रकाशन की वारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताअरी के पास निश्चित में किए जा गर्केंगे 🗄

स्वब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जो उचत अधिनियम, के भध्याय 20-क में अरिभाषित हैं बही धर्य समा का उन कच्याच व दिया गया है।

अनुसूचो

(दस्तावेज 1932/78-79 दिनांक 20-10-785) मारा खाली जगह का नं० 294, 1 स्टेंज, बिलमंगला ले-प्राउट, इंदिरानगर, बेंगलूर ।

चकबन्दी :

पूर्ब--रोड ।

पश्चिम--खाली जगह का नं० 288 और 289।

उत्तर--- ,, ,, ,, 295 l

दक्षिण--- ,, ,, ,, ,, 293 t

> ण्च (तिम्मय्या मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज बेंगल्र

तारीखा: 18-5-1979!

माहर:

पक्षा ब्राई॰ डी॰ एत॰ एउ०------

भायकर भिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कार्यालय बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 18 मई 1676

निर्देश सं० सी० भ्रार०-62/22575/79-80/भ्रजेन/ (बी)---यतः मुझे एच० तिस्मय्या

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूह्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 720, बिन्नर्भगलं है, तथा जो ले-औट, इंदिरानगर, 1 स्टेज, बेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, णिवाजीनगर, बेंगलूर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1608 (1908 का 16) के अधीन तगरीख 26-10-1978 की

पूर्वोक्त सम्पति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अभ्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: मब, उक्त मिधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिजिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निञ्निजित्ति व्यक्तियों, मधीन :--- (1) श्री बी० के० सुक्रमन्यम् सुपुत्र स्वर्गीय बी० टी० फेंजन्ना, सं० 32, 16वीं मेन रोड, IV 'टी' ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर-11

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बालंबा सुपुत्र स्वर्गीय डा० एस० श्रीकंट णास्त्री, स० 151/1, V मन रोड, चामराज-पेट, बेंगलूर-560018।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राञ्चेष :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो मी धविध
 बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इर सूत्रना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रीहस्ताअरी
 के पास जिखित में किए जा सकेंगे !

स्रावहीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं प्रयं होगा, जो उस जाव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2000/78-79 तारीख 26-10-78) मारा बाली जगह का नं० 720, बिन्नमंगलां ले-औट, इंदिरानगर, 1 स्टेज, बेंगलूर-38।

चकबन्दी:—पूर्व--खाली जगह का नं० 721,
पिचम--खाली जगह का नं० 719,
दक्षिण--खाली जगह का नं० 711 स्रीर
उत्तर--रोड।

एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तगरीख: 18-5-1979

प्रकप नाई • टी • एन • एस • ----

ग्रायंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज बंगलूर बंगलूर, दिनांक 21 मई 1979

निर्देश मं० मी० श्रार०-/22340/79 80/ग्रर्जन/बी---यतः मझे एच० तिम्मस्या

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूह्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 26 विवियानी रोड है तथा जो रिचारडम टाउन, बेंगलूर (इ० सं० 48) में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कम में वर्णित है), रिजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रीगांधीनगर, बेंगलूर में रिजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-10-1978 को

नुवेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्नह प्रतिशत धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मन, उक्त मधिनियम को भारा 269-ग के मनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपभारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयोत :~~ (1) मर्बश्री 1. विलफर्ड डि'सौना, एडवोकेट, मं० 37, कब्बन रोड, बेंगलूर, 2. टाम० डी० ग्रग-योड़र, विविधानी रोड, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) मर्बश्री (1) पी० जी० चन्दर 2. श्रीमती समन चन्दर, मं० 152, पालम रोड, फरेजर टाउन, बेंगलूर। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीर :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी नर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद किसी मन्य स्थित द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के गय निश्चित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बद्ध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं घर्य होगा, जा उस प्रध्याय में दिया गया वै।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 20006/78-79 तारीख 27-10-78)
घर सम्पत्ति सं० 26, तथा जो विविधानी रोड, बेंगलूर
में है और जिसकी चकबन्दी है:—
पूरब—प्राइवेट सम्पत्ति।
पश्चिम—जान ध्रारमस्टांग रोड
उत्तर—कनरवेन्सी रोड
दक्षिण—विविधानी रोड

एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, बेंगलुर ।

ता**रीख**ं: 21-5€1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1979

मं० गी० ग्रार०-658/ए० सी० क्यू०-23-1327/19-8/78-79—श्रतः मुझे एम० मी० पारीख ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/रुष्प् से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं नोंध सं 1068 वार्ड नं 11 है तथा जो लिमडी कुई, गोपीपुरा, सूरत में िथत है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 हा 16) के श्रिधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूरियमां प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त पन्तरण लिखित में वास्तिक का न कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राप की बाबन उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/पा
 - (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त, भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलेखिन व्यक्तियों अर्थात :~

- (1) श्रीमती कृमुद्देन ईश्वरलाल देमाई श्रुटीवार ग्राक्षम, तिलिया वार्ड, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हीरालाल नागरदास गांधी, हरीशकुमार नागरदास मोदी, मोटामिया, मांगोल, जिला सूरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उका सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षी---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है।
 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी
 पवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 श्विक्तयों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इन सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे।

भारती रंगा: --इन में प्रश्नुका मध्यां ग्रीर पदों का, जो उक्ता ग्रिधितयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुधो

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 10 नोंध नं० 10 लिमडी कुई, कनैया लाल देसाई रोड, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है तथा जिसका कुल माप 51.39 वर्ग मीटर है तथा जो रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी सूरत ढारा रजिस्ट्री किया गया है।

एस० मी० पारीख मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-3-1979

प्रकप बाई • ही • एन • एस •--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1979

निदेण नं० पी० आर 659/एसीक्यु० 23-1328/19-8/78-79—यत: मुझे एम० मी० परीख,

जायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/- व से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० नोंध नं० 318-319, 346-347 है तथा जो वार्ड नं० 5 वरानपुरा भागोल, न्यु वेजीटेबल मार्केट, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन नवम्बर 1978 को

पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए पन्तरित की गई है धोर मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि सवायूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के उन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घोर धन्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरितां (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकल, निम्निश्चित उद्देश्य से उन्द्र मन्तरण, जिखा में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आग की बाबस, उक्त श्रीध-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी झाप पा किसी घन या झम्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिशित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धास्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 289-ग के धनुक सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन, निक्निलिखा व्यक्तियों, अर्थात् :----6—166G1/79 (1) श्रीमती, मनसुखलाल ही रालाल की पत्नी, बार्डी फालिया, चकाबाला गेरी मृत्त ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रितलाल रिणछोड़लाल लपसीबाला लब्ल् भाई रेणछोडभाई लपसीबाला, नानपुरा, फालिया मोहलो, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के प्रकृत के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी पार्श्वप:→-

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भा) इस सूचता के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितकब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर तदीं का, जो उक्त अधि-तियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अयं होगा, जो उस भव्याय में सिमा गया है।

अनुसूची

जमीन श्रीर मकान जो नोंध मं० 318, 319, 346 श्रीर 347 वार्ड नं० 5 बरानपुरा भागोल, न्यू बेजिटेबल मार्केट, सूरत में स्थित है तथा जिसका कुल माप लगभग 64 वर्ग गज है तथा जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा रजिस्टर किया गया है।

> एम० मी० पारीख, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजंत रेंज-II, ग्रहमदाबाद

नारीख: 26-3-1979

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269 व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) $% \left(\frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right) + \frac{1}{2} \left(\frac$

निदेण नं० पी० आर० 661/एसीक्यू 23-1330/7-4/78-79—ऋतः म्झे, एस० सी० परीख,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के शधीन सवाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित वाजार मूस्य 25,000/-व ंसे प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० हाउम नं० 607 वार्ड नं० 6 मिटी मं० नं० टीका नं० 61 है तथा जो जैन सोमायटी, स्टेशन रोड, नवमारी में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफस के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निकालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की नावत उक्त श्रीचित्रम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/वा
- (क) ऐसी किसी आम या कियी धन या घन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रम, उन्त अधिनियम की चारा 269-ग के प्रनुसरण में, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री वनमालीमाई जगजीवनदास पटेल, जैन सोसा-यटी, नवसारी । (श्रन्तरक)
- (2) श्री भैरवभाई केणवभाई पटेल, रे० चिखली (डुगर), तहसील कामरोज, जिला नवसारी। (ग्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षीर ---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशा की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितवड़ किमी भग्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिश में किए जा सकोंगे।

स्पाधीकरण: --- इसमें प्रभुक्त शब्दों और पर्दों का, जी उन्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मर्च होगा जो उस अध्याय में दिए गया है।

मनुसूचो

जमीन श्रीर मकान जो जैन मोसाइटी स्टेशन रोड, नवसारी घर नं० 607 वार्ड नं० 6 सिटी सं० टीका नं० 61 में स्थित है जिसका कुल माप 74 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ना श्रिकारी नवसारी द्वारा नवम्बर 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख से प्रदर्शित है।

> एस० मी० परीखा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्गन रेंज-II, ग्रहसदाबाद

तारीख: 28-3-1979

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।-

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज I श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 श्रप्रैल, 1979

निदेश मं० ए० सी० क्यू०-23-1-1962 (807)/
1-6-6/78-79--श्रतः मुझे एम० मी० पारीख
आयकर भर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त भिर्मितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पए से भिषक है

श्रीर जिसकी सं० 299-4-0 वर्ग गज जमीन पर खड़ा दो मंजिल का मकान है तथा जो कोलेजवाडी, स्ट्रीट नं० 2/4 खा० राधाकृष्ण मेईन रोड के पास, राजकोट में स्थित है श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-11-1978

को पूर्वोक्त सम्मित्त के जिसत बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रति-फल लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का जिल्त बाजार मूल्य जसके वृष्यमान प्रतिकल से ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये सिखित में बास्तविक कप से किखत नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रग्तरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्त धाँच-नियम, के बधीन कर देने के घ्रग्तरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; घौर/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी घन या धन्य धारत्यां की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः ग्रयं, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के चनुसरण में, में, उस्त मित्रियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के समीन निम्नलिबित व्यक्तियों, प्रचीत् :--- (1) श्री यणवंत ताराचंद गाह नथा ग्रन्य, 195, भारती नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लामणंकर ब्रजजाल महेता तथा ग्रन्य 2/4 कोलेजवाडी, मेईन डा० राधाकृष्ण रोड के पास राजकोट। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूनना की तामीं से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा मर्कोंगे।

स्पत्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के सक्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस मक्याय में विया गया है।

अनुसूची

दो मजित का मकान जो 299-4-0 वर्गगज जमीन पर, कोलेजवाडी, स्ट्रीट नं० 2/4, डा० राधाकृष्ण मेईन रोड के पाम राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्णवर्णन राजिस्ट्रीकर्ना ग्राधिकारी राजकोट द्वारा राजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज मं० 4514/9-11-1978 में दिया गया है।

एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-1, म्रहमदाबाद

तारीख : 23-4-1979

प्रकप भाई। टी। एन। एन।----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

हार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाध, दिनांक 26 ग्रप्रैल 1979

निदंश म० पी० ग्रार०-663/ए० सी० क्यू०-23-1160/ 19-8/78-79---ग्रतः मुझे ए म० सी० पारीख पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे सममें ४ पके पक्षात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- ६० से धिक है श्रीर जिमकी स० नोध न० 65, 77 वार्ड नं० 9 है तथा जो कोट स्पेशल रोड, सूरन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के आर्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत नवस्वर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भौर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) ओंग् भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरक के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण

लिखित में बास्तविक कप से कवित नही किया गया है :---

- (क) भन्तरण से द्वाई किसी साथ की बाबत, उक्त भाध-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रन-कर भ्रिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बंदा भाषा या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुदिध के सिए;

श्रतः, धव दक्त प्रश्नित्यम की मारा 2694 के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269 म की उपधारा (1) के अधीम निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात्।——

(1) सर्वश्री 1. गटुभाई रंगीलदास (एच०सू०एफ०) मारफत जितेन्द्र गटुभाई शाह (कर्ता) ई-7, सिका नगर, बम्बई-11 2. इन्द्रा बेन, गटुभाई रंगील दास की पुत्री, एस०-48, सिका नगर, बम्बई-4, 3. इन्दु बेन, गटुभाई रंगीलदास की विक्षेत्रा, ई-7, सिका नगर, बम्बई-4, 4. सरोज बेन गटुभाई रंगीलदास की पुत्री, स्मृति किरोजगाह मेहता रोड, सांताकूज, बेस्ट, बम्बई 54, 5. दिनेश गटुभाई शाह, ई-7, सिका नगर, बम्बई-4, 6. प्रदीप गटुभाई शाह, ई-7, सिका नगर, बम्बई-4, 6. प्रदीप गटुभाई शाह, ई-7, सिकता नगर, बम्बई-4, 7. ज्योत्सना, गटुभाई रंगीलदास की पुत्री, ई-7, सिका नगर, बम्बई-4, 8. जोलीबेन गटुभाई रंगीलदास की पुत्री, प्रभुता,, कार्टर रोड, बान्त्रा-वेस्ट, बम्बई-50।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० मुरेशचन्द्र जे० उपाध्याय, मार्फत कुल मुख-तार, डा० रमेण चन्द्र जे० उपाध्याय, भ्रमलीरान, सुरत।

(ग्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत सम्यति के पर्वत के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की धविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविछ, बो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास मिकित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों धीर पश्चों का, जो उक्त ग्राधिनयम, के श्रम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रावं होगा जो उस श्रम्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन और मकान जिक्षका कुल माप 101-17-17 वर्ग मीटर है तथा जो वार्ड नं० 9 नोंघ नं० 65, 77 कोट सिफल रोड, सूरत में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सूरत द्वारा नवस्वर 1978 में रजिस्टर किया गया है

> एम० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज-¹¹, ग्रहमदाबाद

तारोचा : 26-4-1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

म्रायंकर म्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जंन रेंज-II ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 मई, 1979

निर्देश सं० पी० ग्रार०-673/ए सी क्यू-23-1230/ 6-1/78-79—श्रतः, मुझे, एम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से अधिक है

ब्रौर जिसकी सं० 5, इन्ह्रा नगर सोमायटी, फर्स्ट ह्लोर, सर्वे नं० 589 है तथा जो रेलवे स्टेणन के पाछे, बड़ौदा में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन 13-11-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निक्वित में वास्तविक कप से कवित महीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में क्यी करने या उससे बचने में सुविद्या के ग्रिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या भ्रम-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा में लिए;

मतः मय, जक्त मिनियम की बारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, जक्त मिनियम की बारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन निक्निविश्वल क्यक्तियों, प्रथात :--

- (1) श्री दिनेश चन्द्र जेठालाल भात्, इन्द्रानगर, फारमजी रोड, बड़ौदा। (ग्रन्तरक)
- (2) र्थामती प्रफुला बेन, इन्दुकुमार पटेल की धर्म-पत्नी, युनाइटेड कालोनी, सामा रोड, बड़ीदा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम, के भ्रष्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

जमीन ग्रीर महान जो सर्वे नं० 589 इन्द्रानगर सोसा-यटी प्लाट नं० 5 (पहली मंजिल) बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीहर्नी अधिहारी बड़ौदा द्वारा 13-11-1978 को दर्ज किये गर्वे रजिस्ट्रीहत बिलेख नं० 5970 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-5-1979

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1979

निर्देश सं ० नी ० ग्रार०-674/ए० सी० व्यू०-231229-ए/6-1/78-79—-प्रत मुझे, एस० मी० परीख, आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रथिक है

ग्रीर जिमकी सं० 5, इन्द्रानगर मोसायटी (ग्राउंड पक्षोर) सर्वे नं० 589 है तथा जो रेलवे स्टेशन के पीछे, बड़ीबा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्प से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 13-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीमित्यम के ग्रीमित कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिश्विनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिश्विनयम या धन-कर अभ्रितियम,1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिमाने में सुविधा के लिए।

धतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के धनसरण में, उक्त धिधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निक्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) श्री दिनेश चन्द्र जेठालाल माह, इन्द्रानगर, फार्मजी रोड, बड़ीदा। (श्रन्तर्रेक)
- (2) श्रीमती एम० एन० पटेल, 5, इन्द्रानगर सोमायटी, गैंस ग्राफिस के पीछे, बड़ींदा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त स्रिः नियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है ।

अनुसूची

जमीन श्रौर मकान जो सर्वे नं० 589 इन्द्रानगर सोसा-यटी प्लाट नं० 5 (ग्राउंड फ्लोर) बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी बड़ौदा द्वारा 13-11-1978 की दर्ज किये गये रजिस्ट्री विलेख नं० 5269 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-5-1979

प्ररूप भाई । टी । एन । एस । ---

भायकर ग्रिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के ग्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1979

निर्देण सं० ए सी क्यू-1-23-1-2041 (811)/ 10-1/78-79----- प्रतः, मुझे, एस० सी० परीख, मायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-वाजार मुल्य रुपये से मधिक है न्नौर जिसकी सं० सर्वे नं० 211 से 214 तथा 215/1 है $_{\parallel}$ तथा जो सरु सेक्शन रोड, जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृग्यमान प्रतिफल से ऐसे बृग्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रक्षि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रेन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भ्रमकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रगृ-सरण में, मैं, उक्त धिधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निश्चित स्थक्तियों, अर्थांत:--- (1) मैसर्स रेनिबो प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज, भागीदार श्री श्रमृतलाल पेथराज शाह के मारफत, 40. दिग्विजय प्लाट, जामनगर।

(भ्रन्तरकः)

(2) मैंसर्म श्राणा रबर इन्डस्ट्रीज, भागीदार श्री मोहनलाल पुंजोभाई णाह के मारफत बी/2 एम० पी० णाह उद्योगनगर, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों≉न सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राज्यत्व में प्रकाशन को नारो ब से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उन्त अधि-नियम के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्यं होगा जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन पर खड़ा महान, जिसका क्षेत्रफल 13500 वर्ग कुट है तथा सर्वे नं० 211 से 214 तथा 215/1 है जो वी-2 एम० पी० णाह उद्योगनगर, सह सेक्शन रोड, जामनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रेशन नं० 2168 तारीख 3-11-78 से रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज में दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राप्तिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 2-5-1979

प्ररूप आई• टी• एन• प्स•---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद दिनांक 7 मई, 1979

निर्देश सं० ए सी क्यू-23-I-2180 (814)/16-6/79-80----- प्रतः, मुझे, एम० सी० परीख भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवातु 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उत्रित बाजार मृत्य 25,000/- रूपये से मधिक है भ्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 330-221 प्लाट नं० 15-994-6-0 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन है तथा जो देवररोड (पूर्ब) की तरफ, प्रेमजी गोया विस्तार, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्री-करण श्रिशिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-11-1978 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिवन से प्रधिक है भौर मन्तरक (प्रन्तरकों) भौर मन्तरिता (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में

(क) अस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा के लिए; भौर/या

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~-

(क) ऐसी किसी आप या कियी घा या पन्य प्रास्तियों, की जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, दिवाने में सुविधा के लिए;

श्रत: अब, उक्त प्रधितियम की घारा 269-ए के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की घारा 269-ए की उपघारा (1) के मधीन, निम्निक्षिति व्यक्तियों अर्थात:——

- (1) मैंसर्म ईमाको इंजोनियरिंग कं भागीदार (1) श्रीसती ईम्बरी बेन एम० रीन्दानी तथा (2) श्रो कानीलाल देवजाभाई के मारफत दोनों मेहना पेट्रोल पम्म, ढेवररोड, राजकोट। (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्भ ब्ल्यु नाईल प्रीफाईल, भागीदार श्री रजनी कान्त चत्रभुज मोदी तथा श्रन्य के मारफत 'रजनी' विल्डिंग, भुषेन्द्र रोड, राजकीट। (अन्तरिती)

को यह पूचना त्रारी इटके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यति के प्रजैन के मंत्रंख में कोई भी प्रार्जेंप :--

- (क) इन मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 वित की मबधि या सर्सनंधी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की मबधि, जो भी भवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भोतर पूर्वी का व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६९ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित्बक्क किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मशोहस्तानरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धी करमः च-इसमें प्रयुक्त सम्बों भीर पदों का, जो उक्त स्रीक्ष-नियम के भड़्याय 20-क में परिशासित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रहताय में दिशा गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 994-6-0 वर्ग गज तथा सर्वे नं० 330-331 पैकी प्लाट नं० 15 जो ढेबर रोड (पूर्व) प्रेमजी गोया विस्तार में सि त है तथा बिकी दस्तावेज नं० 4684-23-11-78 में रिजस्द्रीकर्ता श्रिधकारी। राजकोट द्वारा रिजस्ट्रीकृत है तथा जिसमें प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एम० सी० परीख मक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, स्रहमदाबाद

तारीख: 7-5-1979

प्रसप ब्राई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I, श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 17 मई 1979

सं० ए सी क्यू-23-I-2215 (8177) 1-1/79-80---प्रतः, मुझे, एस० सी० परीख, आयकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य

25,000/- रुपए से अधिन है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 8, हिस्सा नं० 31, एस० नं० 1461 है तथा जो न्यू माधवपुरा, अहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीब ऐने प्रस्तरम के निए तथ पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रस्तरग निखित में नास्तिक कप से कथित नहीं निका गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राप की बाबत, उक्त अधि-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अ्यक्तियों. भवित:—— 7—166GI/79

- (1) श्री नन्दिकशोर गणेशीलाल, 3, कृष्ण सोसायटी, लो गार्डन के पास, एलीसक्रीज, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रमृतलाल जमनाधास गाह, 1354, नागर भगत की पोल, रायपुर, ग्रहमदाबाध। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्तंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपच्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिर्मियम के भध्याय 20क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुज्ञी

130 र्रे वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन तथा उस पर खड़ा मकान जिसका सर्वे नं० 8, हिस्सा नं० 31, एस० नं० 1461 जो न्यू माधवपुरा स्रहमदाबाद में स्थित है तथा रिजस्ट्रेगन नं० 10555 से तारीख 28-11-78 को रिजस्ट्री-कृत बिकी दस्तावेज में जिसका पूर्ण वर्णन किया गया है।

एस० सी० प**रीख** मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदा**बाद**

तारीख: 17-5-1979

प्रसप धाई०टी०एन०एस०--

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, महायक **घायकर घायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाध, दिनांक 17 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1961 (820)/
16-6/78-79--श्रतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्वात् 'उकत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/क्पए से ग्रधिक है

प्रौर जिसकी सं० जमीन का खुला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 548-3-0 वर्ग गज है तथा जो बारकाधीश फ्लार मिल के पाम, टागो रोड, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रभुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 18-11-78 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल तं, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्दरण लिखित में वास्तिक क्या से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त भिक्त नियम के अधीन कर देने के भ्रष्टारक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीष्ठनियम, या धन-कर श्रीष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उन्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुबर्य में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) श्री ललीतराय नवलचंद मरेना तथा श्रन्या 7, 7, प्रहलाद प्लाट, मंछाकुज, राजकोट। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हीमतलाल रणछोड़दास चोलेरा पटेल स्ट्रीट, जलाराम भुवन, जसदान, जिला राजकोट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी सम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पर्वो का, जो उक्त भाध-नियम, के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भूषे होगा जो उस भन्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 548-3-0 वर्ग गज है जो द्वारकाधीश फ्लोर मिल के पास टागोर रोड पर, टागोर रोड के पास राजकोट में स्थित है तथा बिकी दस्तावेज नं० 4635/18-11-78 से राजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी राजकोट द्वारा रिजस्ट्री किया गया है याने उसमें प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमधाबाद

तारीख: 17-5-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस •---

प्रायकर प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-आ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1979

निर्देश सं० पी० ग्रार०-683/ए० सी० क्यू० 23-1260/19-2/78-79--ग्रतः, मुझे, एस० मी० परीख, धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्यावर सम्पत्ति जिसका चित्त बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 679, कुल माप 87.5 वर्ग मीटर है तथा जो सेक्टर नं० 22, गांधीनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-10-78 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिगत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धम्दरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उन्तर धन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंवत नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत, प्रक्त भिन्नियम के भिन्नित, कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या माय मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1952 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के सिए;

चतः मन, उनत चिधिनियम की भारा 269-म के मनुसरण में, में, चनत चिधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के मगीन निम्निजिखित म्यन्तियों अर्थात्:—— (1) मैं ॰ मोदी श्रंबालाल सांकल अन्य भागीदार: श्रंबालाल मांकल चन्द तथा श्रन्य पेथापुर, तहसील गांधी-नगर।

(भ्रन्तरक)

(2) ठक्कर रमणलाल लालाजीभाई सेक्टर नं० 28, ब्लाक नं० 106/1 गांधी नगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामीज से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पर्दो का, जो उक्त श्रीध-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जो प्लाट नं० 679 सेक्टर नं० 22, गांधीनगर में स्थित हैं जैसा कि 9-10-1978 को रिजस्टर किये गये बिकी दस्तावेज नं० 1012 में प्रदेशित हैं।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्गन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-6-1979

प्ररूप भाई० टी • एत • एस • -- -

मायकर मिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के ममीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, महमधाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1979

निर्देश सं० पी० श्रार०-684/ए० सी० क्यू०-23-1233/19-5/78-79---श्रतः, मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त मधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

४० से अधिक है भौर जिसकी सं० मर्वे नं०. 647 श्रौर 661 कुल माप 13 एकड़ 9 गुंथा है तथा जीतरसाडी कीसंबा, सूरत जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मांग्रोल (सूरन जिला) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन 27-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, चसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भौर प्रन्तरक (पस्तरकों) और मन्तरिती (भन्तरितियों) के कीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है : ---

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने कें सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी िननो पाय या किसी धन या अन्य आसि।यों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत मिधनियम, या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

वतः वन, उन्त धिनियम को बारा 269-न के प्रमुसरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के बचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) लालेजार जाममजी केलावाला नवा बाजार, कोमंबा जिला गूरत। (ग्रन्सरक)
- (2) गुजरात ग्लास प्रा० लिमिटेड डायरेक्टर कर्नुभाई नटवरलाल परीख तथा ग्रन्य तरमाडी कोसंबा, सूरत। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्तों घीर पदों का, जो 'जक्त अधिनियम', के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस घड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिमका कुल माप 13 एकड़ 9 गुंथा है तथा जो मं० नं० 647 तथा 661 तरमाड़ी-कोमंबा, सूरत जिले में स्थित है जैमा कि 27-10-1978 को रजिस्टर किये गये बिकी दस्तावेज नं० 2855 में प्रदर्शित है।

एम० सी० परीख मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख : 1-6-1979

प्रक्ष आई॰ टी• एन• एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269~ष (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रह्मदावाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 3 जून 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1960 (821)/ 16-6/78-79---श्रतः मुझे, एस० सी० परीख,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विण्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भ्रीर जिसकी सं भर्वे नं 401 पैकी प्लाट नं 7, वामुन्डा फाउन्ड्री, 1422-2-0 वर्ग गज जमीन पर, जमीन उमाकान्त उद्योगनगर, मबडी प्लाट, राजकोट में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिन्ड्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ग्राजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) पौर भन्तरिती (अरिन्तियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वाबन उकन प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए: श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय न किसी धन या अथ्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

भता, भवा, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) मैं मर्स रायल फाउन्हीं भागीक्षार श्री कानजीभाई गामजीभाई पटेल तथा अन्य के मारफत, मवडी प्लाट, राजकोट। (अन्तरक)
- (2) श्री चामुन्डा फाउन्ड्री भागीदार श्री शैलेश एन० शाह् के मारफत उमाकान्त उद्योगनगर, मवडी प्लाट, राजकोट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की वारी का से 45 दिन की प्रविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पत्म लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फैक्टरी का मकान याने शेड, जो 1422-2-0 वर्गगज जमीन पर स्थित है जिसका सर्वे नं० 401 पैकी प्लाट नं० 7 है, "श्री चामुन्डा फाउन्ड्री" नाम से प्रख्यात शेड उमाकान्त उद्योगनगर, मवडी प्लाट, राजकोट में स्थित है तथा बिकी दस्तावेज नं० 4654/नवम्बर, 1978 से, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्री किया गया है याने प्रापर्टी पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एम० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 13-6-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

मामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 688/ए सी क्यू-23-1260/19-2/78-79—श्रतः मुझे, एस० सी० परीख श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-स्पार से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 679, सेक्टर नं० 22 है तथा जो गांधीनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन 9-10-1978 की
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, प्रशीतः --- (1) मोदी श्रंबालाल सांबलचन्द के भागीदार (1) श्रम्बालाल सांकलचन्द, (2) रजनीकान्त श्रम्बान्त लाल मोदी तथा वैध वारीस घाईबेन श्रम्बालाल गांव पेघापुर, जिला गांधीनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ठक्कर रमगलाल लालजीभाई, सेक्टर नं० 28, ब्लाक नं० 106/1, गांधीनगर । (श्रन्तरिती)

को यह सुबता जारी करके पूर्वीकत सम्पति के 'अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वब्दोक्तरण:---इयमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कन सेक्टर नं० 22 प्लाट नं० 679 का गांधोनगर टाउनिशय में स्थित है। प्रापर्टी में दुकान है जिसके तीन हिस्से हैं। 2 हिस्से ग्रागे ग्रीर एक पीछे, ग्रागे के हिस्से का क्षेत्र तिहाई भाग तथा पीछे का पूरा हिस्सा किराये पर_दिया गया था। यह ट्राप्जेक्शन सब रिजिस्ट्रार गांधीनगर द्वारा श्रक्तूबर, 1978 में नं० 1012/78 से रिजिस्ट्री किया गया है। जमीन का क्षेत्रफल 87.5 वर्ग मीटर है।

एस० सी० परीख मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 7 जुलाई 1979।

प्रकप माई० टी० एन० एस∙----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 म्रप्रैल 1979

मुझो, बी० एम० शेपाई।, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भाषीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मस्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० ध्वाट नं० 2 है तथा जो चेंबूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख 23-10-1978 कागजात नं० 5168/70-आर० को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) मीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भ्रम्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रम्लरण से हुई किसी भाग की बाबत उनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (च) ऐनी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत धाधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 क्यु 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किसी जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की घारा 289 प की उपवारा (1) के अधीन किम्मिकित व्यक्तिमों, धर्मात :----

(1) बझारगेट को-अप० हाऊ० सो० लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सोमराज हन्सराज बाहरी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तारीखंसे 30 विन की भविष्ठ, क्यों भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

श्रनसूची जैसाकि विलेख नं० 5168/70 ग्रार० बस्बई उप-रजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 23-10-78 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी० एस० शेषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 26-4-79

प्रकप बाई• टी• एन• एस -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के घंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० श्रार०-111/1673-4/78-79---श्रतः, मृझे, वी० एस० शेषाद्री, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर

सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिसका उचित बाजारमुख्य 25,000/- क्पमे से भन्निक है ग्नीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो चेंबूर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबढ़ अनुसूचो में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 23-10-1978 कागजात नं 5167/70-श्रार को मृस्य से **कम** पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार के बुख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों)भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

हल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक

इप से कवित नहीं किया गया है।---

- (क) घन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, बबत अधिक नियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी अन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या अनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना वाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अवः अवः, उत्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के प्रकीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात्ः →-

- (1) बझारगट को-आप० हाऊ० सो० लिमिटे**ड**्रे--(ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुरेश हंगराज बहारी (अन्तरिती)

को यह यूवना जारी करण वर्षोक्त सन्यति के प्रकृत के लिये कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी यन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे वा सकेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, जो उनत सिध-नियम के भव्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही भ्रभ होगा जो जम भव्याय में दिया बया है।

मनुसूची

श्रनुसूची जैमा कि विलेख नं० 5167/70 श्रार० उप-रजिस्ट्रार ग्रिधिकारो द्वारा दिनांक 23-10-1978 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० मोषाद्री सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, **बस्बई**

तारीख: 26-4-79

बक्प बाई • टी • एन • एस •-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रजन रेज-३, वश्वई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देण सं० ए० ग्राप्र $\Pi I / \frac{1670}{1} / 78 - 79$ —ग्रान: मुझे. की० एस० शेषाई),

धायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-४० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 192, 192/1, 194, 194/1, 194/2, 194/3 एस० नं० 49 हि० नं० 3 (श्रंश) हि० नं० 4 (श्रंश) है तथा जो मोगरा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत हैं), रजिस्ट्रोकिती श्रिश्वतारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रोकिरण श्रिश्वत्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिश्ति, दिनांक 30-10-1978 कार्यजात नं० एस०-468/73 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पछाई श्रीतात प्रक्षिक है भीर अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रचीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में क्मी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; चौर/या
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

सतः घर, उन्त शिक्षित्यम को बारा 269-ग के अनु-सरण में मैं, उन्त पश्चित्यम की धारा 269-ग को |उपबारा (1) के अधीन निश्निशिषित स्पनितर्वों, धर्वात्:---8--166GI/79 (1) श्री वसन्तराय भाईदास भूना

(ग्रन्धरकः)

- (2) न्यू हेबन इंजिनियरिंग कं० प्रा० लि**मिटेड** (श्रन्तरिती)
- (3) 2. मैसर्स बाम्बे बोक्स एण्ड कार्टन कं०. (2) मैसर्स भारत विजय हिन्दू होटेल. (3) रायल रबर वक्से (इंडिया) प्राइवेट इंडिया (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिंग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उपत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी ग्रम्य क्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त ग्रह्म नियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस०-468/73 उप-रजिस्ट्रार श्रिधिकारी द्वारा दिनांक 30-10-78 को रिज़स्टर्ड किया गया है।

> दी० एस० शेषाडी मक्षम प्राधिकारी महायक त्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-३, बम्बई

दिनांक: 30-4-1979

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 भ्रप्रैल 1979

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्रकात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाबार मूस्य 25,000/- वपए के प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० एस० नं० 11 हि० नं० 8 से 13 (स्रंण) स्रोर 15 एस० नं० 57 हि० नं० 9 स्रोर 11 एस० नं० 30 हि० नं० 1 (स्रंण) है तथा जो विलेज मोहीकी में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधान, तारीख 30-10-1978 कागजात नं० एस० 473/73 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से क्ष्म के वृष्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, असके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का प्रस्तह सतिवत्त से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) धौर प्रस्तरित (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण कि खित में बाक्तविक स्प से कवित नहीं किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी याय की वाबत, उक्त व्यक्तियम के प्रजीत कर देते के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में मुविधा के लिए। और/या
- (स.) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्क प्रमारिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः धव, उक्त समितियम की धारा 269-न के समुसरण में, में उक्त प्रक्षितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वाधीन निम्निविद्यत व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री रामप्रकाश मेहरा, कपाल मेहरा, जितेन्द्रलाल मेहरा। (श्रन्तरक)
- (2) ब्राए० के० सिल्क मिल्स प्राइवेट लिमिटेड (ब्रन्तरिती)

को यह मूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्मति के धर्जन के लिए कार्यशाहियां करना हूं।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घर्वाध यां तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वाध, जो भी घर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों सें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पंघोइस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्कों भीर पदों का, जो उन्त मिनियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित है. बड़ी मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 473/73 उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-78 को रजिस्टई किया गया है।

> वी० एस० शेषात्री सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज:३, बस्बई

तारीख : 30-4-1979

प्रकृप बाई • डी • एन • एस • ---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268≅ष (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1979

निर्देश मं० ए० श्रार०-III/1674/5/78-79--%प: मुझे, बी० एस० शेषाद्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त भिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के प्रशीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द॰ से भिन्न है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 खोती ए० एस० नं० 353 हि० नं० 3 (पा०) एस० नं० 359 हि० नं० 1 (प्रंश) 2 (ग्रंश) श्रीर 4 (ग्रंश) सी० टी० एस० नं० 4102 इ श्रीर 4192 इ (1 से 11) हैं तथा जो कोने कल्पाण में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची श्रीर में पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-10-1970 काणजात नं० एस० 2166/77)

को पूर्वोक्त सम्मिल के उचित बाबार मूल्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के लिए सम्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्मिल का उचित बाजार मूल्य, उसके बृक्यमान प्रतिफल से ऐसे बृक्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिज्ञत से प्रधिक है और सन्तरक (सम्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त सन्तरम लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसो प्राय की बाबत, उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दावित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; घीर/वा
- (ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रस्य धास्तियों की जिल्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया नवा वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः सब, उक्त समितियम की भारा 269ना के शनुसरण में, में जक्त श्रमितियम की भारा 269व की उपभारा (1) के अद्योगः निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्।—— (1) जगत फार्म, प्राइवेट लिमिटड

(ग्रन्सरक)

(2) निउ फार्मा प्राइवेट लिमिटेड

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, ओ भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभा-वित है, तही भर्य होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनु सूची

श्रनुसूची जसा कि विलेख नं एस०-2166/77 उप-रजिस्ट्रार श्रिधकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-78 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० पोषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, सम्बर्ध

तारी**ण** : 30-4-1979

त्रकप भाई • टी • एन • एस ∘ ----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्तय, सङ्गायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्तक) श्रजीन रेज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० भ्राच० 3/1675/6/78-79----- श्रतः मुक्को, व्ही० एम० शेषाद्री,

बायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व॰ से ग्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 144 सीटी एस० नं० 830 है तथा जो श्रंबिवली में स्थिन हैं (श्रीर इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय. यस्बई में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 25-10-1978 कागजात नं० पी० एस० 837/76 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के विजित बाजार मूल्य से क्रम के बुक्यमान प्रतिश्वल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का विज्ञत बाजार मूक्य, उसके बुक्यमान प्रतिफल का पर्वह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिये तय पाया गयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विज्ञित में वास्तिक अप से कचित नहीं किया गया है ।——

- (क) सम्तरण से हुई किसा थाय को बावत उनत बाजि-नियम के प्रकीन कर देने के प्रमारक के सामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या ब्रम्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर घष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घष्टिनियम, या ब्रम-कर ब्रिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व ब्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया ब्रामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

भतः श्रंब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रजूषरण में, में, कक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपचारा (1) के प्रजीत निवन मिकित काकित्वों, मंत्रीत !--

- (1) श्री श्रीधर ए० सालवी धौर एंकरे की प्रभु (ग्रन्तर्क)
- (2) मैसर्स विश्वकर्मा बिल्डर्स ग्रीर कम्बाइन के भागी-दार श्रायरीन गोग्स (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाश्चिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 48 दिन की भवीब मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवीब, बो भी भवीब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोइस्ताश्वरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

श्यक्की करन :---वसमें प्रपृक्त शन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त शिविनियम, के शब्याय 20-क में परिभावित है, वही शर्य होगा, जो उस ग्रब्याय में विया गया है।

भनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० पी० एम० 837/76 उपरजिस्ट्रार ग्रधिकारी द्वारा दिनांक 25-10-78 को रजिस्टई किया गया है।

> व्ही० एस० गेपादी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-3, बम्बर्द्स

नारीख : 30-4-1979

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेज 3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० श्रार० III/1680/10/78-89—श्रतः मुझे, व्ही० एस० शेषादी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 49, 50, 51 सं० नं० 14 ए० (ग्रंग) है तथा जो चेंबूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिकारी के कार्यात्र, बंबई में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 19-10-1978 कार्गजात नं० एस० 697/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से सक्त अन्तरण लिखित म बास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भीविनियम के भवीन कर देने के भश्वरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (अ) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम सा घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भक्त नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

मतः भव, उन्त भविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त भविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथानः—

- (1) श्री दि स्वस्तिक टेक्स्टाईल मिल्म लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्री वालक को० ऑप हाउ० मो० लिमिटेड (श्रन्तरिती)
- (3) श्री डा० भोला नाथ मसोधर घोष, (2) डा० सुम्रतकुमर म्रानिल राय, (3) श्रीमती नमीता नुषेद्र किशोर चौंधरी, (4) श्री प्रसन्त कुमार बालाख्लाल पाता, (5) श्री सुबीरमल मुरेण चंद्र वसु, (6)

डा० खगेंद्र गैलेंद्रनाथ राय, (7) श्री अरुण गंगा-दास भट्टाचारजी, (8) श्री बह्नी राम श्रगरलाल (9) श्रोमती नीता ग्रलोक कुमार कुलभी, (10) श्रीमती मेनसी जोगसदन वानरजी, (11) श्रीमती कमल यगत्रतराय देणगंडे, (12) श्रीमती नीना ग्ररविंद मावकर, (13) श्री नीरमल कुमार बेनांयक्रीक्ष्म पाल, (14) डा० सूनीती कूमार नरेंन्द्रनाथ मित्रा, (15) श्रीमती नीला के० एस० ग्रे॰ एस॰ मनी सुन्नमनीयम, (16) श्रीमती सृहासीनी प्रमाद भाठवले, (17) श्रीमती कुसुम बनबंत जोशी. (18) श्रीमती सूमत सूर्यकंत पग, (19) श्री पार्थभारथी मनींद्रलाल सेनगुप्ता, (20) श्रोमती ग्रमारानी श्रजीत कुमार मुखर्जी (21)श्रीम ती माया कल्यान कुमार चौधरी. (22) डा० वेली गर रामचंद्र मंजनाथ, (23)श्रीमती गैरचंद्र कार, (24) श्रीमती मंडीरणांती कुमार घोष, (25) श्री मुबीरक्मार ग्रजयश्री चटजौ, (26) श्री नीमाई चारन निरंजन मिन्हा, (27) श्रीमती रेखा ग्रजीत बेनर्जी (28) श्री सुनीलकुमार म्रजयश्री चटर्जी, (29) श्री पूर्ना चंद्र एस० दासगुप्ता, (30) श्रीमती म्रामीया भुमार चौधरी, (3Î) श्रीदिलीप ललीत मोहन घोष, (32) श्री प्रकाण प्राणकुमार भट्टाचार्य जी, (33) श्री सूजीत क्रमार समीर दत्त, (34) जयन्त बेनाय कुमार घोष। (वह व्यक्ति,जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकागन की तारीज से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोद्दताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो अनत भिधिनियम के अञ्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयें होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 697/78 उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 19-10-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> व्ही० एस० शेपादी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैनरेंज 3, वस्बई

ना**रीख**: 30-4-1979

प्रकप भाई०टी० एत• एस०—

मायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रजीतर्ज, 2 वंबई

बंबई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1979

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मंति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- द० से अधिक है

मीर जिसकी सं० श्रंतिम प्लाट नं० 76 टी० पी० एस० नं० 3 तथा जो मोरी रोड माहीम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-10-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है भीर सन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि कि किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उपत प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; ग्रीए/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी बन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उनत श्रधितियम, नी धारा 269-य के धनुसरण में, में, उनत श्रधितियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के सकीन, निम्मलिखित व्यक्तियों श्रयात्:—

- (1) श्री पुरुपोत्तमबाबानी श्रीमती पुष्पा इण्वरदास नुलसीयानी (श्रन्तरक)
- (2) श्री मरहीम पुष्प कुंज ग्रोनर्स को० ग्राप० हाऊ० सो० लिमिटेड (श्रन्तरिती)

- (3) (1) दिलिपकुमार के० भंडारकर, (2) किमीमती चित्रलेखा एस० खेतन ग्रंड श्री सीताराम एस० खेतन, (3) श्री बी० एन० मराठे, (4) श्रीमती निर्मलाबाई जी ग्रैलानी ग्रंड श्रीमती सावित्री टी० ग्रैलानी, (5) श्रीमती ग्रे० ई० ग्रल्फा, (6) श्री व्हीक्टर नरोन्हा, (7) श्री दौलतराम के० खुबानी, (8) श्रीमती फीलोमीना कारव्हेले, (9) श्रीमजी जमनादास खीलानदास नेम्स ग्रांफ गांप होल्डर्स:
 - (1) श्री एच० वी० डेदारकर, (2) डा० रेनोटोरीस फर्नानडिस श्रीमती मिलाांग्रीना इरान फर्नानडिस, (3) श्री मोहन तेजुमल ग्रसरानी, (4) श्री मोहम्मद धाण ग्रहमद हुसोनी, (5) श्रीमती एस० टी० डिकुस ग्रंड श्री जरी डिकुझ (6) श्री प्राणनाथ ग्रे० पांडे ग्रंड श्री वीश्वनाथ एन० दवे (वह व्यक्ति,जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-केब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धिधिनयम के घध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा की विलेख नं० 2481/71 बंबई उप-रिजस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 2-10-1978 को रिजस्टर किया गया है।

> व्ही० एस० शेषाद्री, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-2, बस्बई

सारी**ख**: 30-4-1979

प्रकृष भाई० टी० एत० एस०---

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, बस्बई वस्बई, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1979

भायकर धिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्जात् 'उम्त धिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से धिक है

स्रौर जिसकी सं० सब प्लाट नं० 2 श्रन्तिम प्लाट नं० 1216 टी० पी० एस० अंबई सिटी नं० 4 है तथा जो बीर साबरकर मार्ग (महीम) में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-10-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरिक (अन्तरिक) भौर अन्तरिती (अन्तरिक्ति) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रक्रिक नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

शतः श्रव, उनत श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-म की उपवारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :—

- (1) मॉर्डर्न सिक्नटीन सिने लैंबोरेटरी प्रा० लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- (2) ब्रिन्स्सर सिमिटेड । (% 2) श्राप्त (श्राप्त (रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजंत के सबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पवदीक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्टें होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

पनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1491/77 बम्बई उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 5-10-1978 को रजिस्टर किया गया है।

> व्ही० एस० शेषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज २, बम्बई

तारीख: 30-4-1979

प्रकृप भाई० टी० एत० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1979

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सिटी एस० नं० जी/31, प्लाट नं० 6 टीं० पी० एस० 2 है तथा जो व्हीलेज दान्डा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारींख 12-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रशिफल निम्नलिखित उद्देश्य से स्वत भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाध की बाबत, उक्त भिर्मित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भन, उनत ममिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उनत मधिनियम की भारा 269-भ की जनभारा (1) के मधीन निम्नलिखित न्यक्तियों, भर्णात्:—— (1) मधूसुदन वामन कोठारे गजानन वामन कोठारे। (ग्रन्नरक)

- (2) सान्ताकुझ गर्गण कृपा को० म्राप० हा० सो० लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रीमनी पी० टी० देसाई, श्रीमती कें बी० कापड़ीया, श्री कें एस० पहा, श्री डी० एस० पांचोलीर, श्रीमती एस० पी० खांडेकर, श्री एन० जी० डाक्टर, श्री बा० व्ही० तलबलकर, श्री प्रारंग एस० उक्कर, श्री ए० जी० पहा, श्रीमती एस० एस० कपसी, श्री ए० कें परफाटीया, श्री पी० एस० कोठारी, श्री सी० बी० खनपारा श्री एस० कोठारी, श्री सी० बी० खनपारा श्री एस० कीठ देसाई, श्रीमती ग्राय० बी० कापती, श्री बी० पी० देसाई, श्रीमती ग्राय० बी० कापती, श्री डी० बी० मोदी, श्री पी० ग्रारंग जेलारी, श्री पी० व्ही० पंडीत, श्री जे० बी० जरीवाला, श्री कें पी० पारीख, श्री एस० एस० डोशी, श्री व्ही० ए० शाहा।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रभिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मार्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 1251/74 उप-रिजिस्ट्रार श्रिधिकारी द्वारा दिनांक 12-10-78 को रिजिस्टर्ड किया है।

> व्ही० एस० घोषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 2, बस्बई

तारीखा: 30≝4-1979

प्रकप माई॰ डी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बम्बई बंबई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० म्रार० 1-4065/38/78---म्रातः मुझे, व्ही० एस० शेषाद्री,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास भारते का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एम० नं० 3/699 श्रीर 698 (पार्ट) है तथा जो मालाबार कंबाला हिल डिव्हीजन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्तर्श्व प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नशिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में बाक्तविक कप से किंबत नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन था धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाचं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जसः सब, उक्त सिवित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त सिवित्यम की बारा 269-व की उपचारा (1) अधीन निम्निवित्यवित्यों, अवीतः—- 9—166 GI/79

- (1) 1. बहुद्दीन स्थाबजी, 2. मलसीन स्थाबजी सरमायविंग इक्झीक्यूटर ग्राफ दि लेट श्री फैंज बहुद्दीन स्थाबजी। (ग्रन्सरक)
- (2) त्यावजी बाग को० श्राप० ही० सो० लि० (भ्रन्तरिती)
- (3) मोमायटी के मैंबर्स (बहु व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूजना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

इस्त सम्बत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की घषधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी खसे 30 दिन की घषधि, जो भी धषित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

ह्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के घड्याय 20-क में परिभावित हैं, बड़ी धर्ब होगा को उस घड्याय में दिया गया है।

घन्स्ची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1689/72/ब० उप-रजिस्ट्रार ग्रधिकारी द्वारा दिनोक 16-10-1978 रजिस्टर्ड किया गया है।

> न्ही० एस० शेषादी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 1, बम्बई

तारीख: 30-4-1979

प्रकृप साई • टी • एन • एस • -----

भायकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के घषीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहावक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जुन 1979

निर्वेश सं० 459-ए/पी० एन०/कानपुर---श्रतः मुझी, भ० च० चतुर्वेदी,

जायकर शिक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत श्रीधित्यम' कहा गया है), की बारा 269-का के श्रीम मकाम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 15/87-ए है तथा जो सिविल लाइन्स में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्सी श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-11-1978 को

पूर्वातः संपत्ति के विजित काजार मूल्य से कम के वृष्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्त, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्रिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रक्तरिती (प्रन्तरितिमों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रथ्य जास्तिओं को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त मधिनियम की शारा 269ग के मनुसरण में, में, उक्त पिधिनियम की घारा 269घ की उपवारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः →

- (1) श्री राम नारायण धवस्यी म श्री श्ररत नारायण श्रवस्थी 8/2, श्रार्य नगर, कानपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री राम रस्तोगी, महेश शुमार रस्तोगी, श्रवधेश श्रुमार रस्तोगी व दिनेश कुमार रस्तोगी, 15/87-ए, मिविल लाइन्म, कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त मन्यत्ति के सर्वेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सब्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की मवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मवधि, को भी मवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में द्वितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताकरी के पास मिचित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योक्तरण:---इसमें प्रमुक्त बन्दों भीर पदों का, को जक्त शिक्षितियम के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वहीं भर्च होगा, को जन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट संख्या 15/87-ए सिविल लाइन्स, कानपुर में 1,44,645/- रुपये में बेचा गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-6-1979

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ~~

भावकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रजँन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जून 1979

निर्वेश सं० 478-ए/पी० एन०/मेरठ—- प्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-चपए से मधिक है

धौर जिसकी सं० 32 से 36 है तथा जो न्यू० मार्किट बेगाम क्रिज रोड मेरठ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्यूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-11-1978 को

(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निवित्त में बास्तविक इप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आहि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने के लिए।

सतः सब, उक्त समिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उक्त समिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वीत् :---

- (1) श्री सोहन लाल व श्री रिखी केश पिता श्री रिलया राम साकिन नाहन जि० सिरमौर हि० प्र० (श्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण कुमार मित्तल पुत्र श्री मंगी लाल साकिन लक्ष्मी भवन छिपी टैंक (मेरठ) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उस सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्रमचर्ची

एक मकान नम्बर 32 से 36 हाल 8 बाके लाजपत मार्किट हाल न्यू मार्किट बेगम ब्रिज रोड मेरठ में 36,000/-रूपने का बेचा गया।

> भ० च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 12-6-1979

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आवकर भश्चित्रयमः, 1961 (1961 का 43) की जारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक भायकर भायकत (निरीकण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर,दिनांक 15 जून 1979

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 177, 178 है तथा जो मोहकम्पुर मेरठ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से हक्त धन्तरण निखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) घन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत प्रकत प्रक्रितियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रवः जनतं प्रविनियमं को धारा 269 ग के धनुसरण में, में, जनतं प्रविनियम को धारा 269 म की उपवारा (1) के प्रधीनः निकाशिया व्यक्तियों, धर्मायुक्त-

- (1) श्रीमती तारावती पत्नी मंगल राम निः प्रस्नेस्पद नगर (मेरठ) (अन्तरक)
- (2) श्री विद्यासागर पुत्र मक्खन लाल, ग्रमर सिंह पुत्र राम चन्द्रर व फकीरचन्द्र पुत्र साधू राम व ग्रमर नाथ पुत्र मेहरचब्रद्ध साकिनान मायापुरी देहली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की झवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी झवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिधिनियम के झड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस घड्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट जोकि 1672 मुरब्बा गज श्राराजी नं खसरा 177 व 178 बाके मौजा मोहकमपुर जिला मेरठ में स्थित हैं बह 33,440/- रुपये में बेचा गया।

> भ० च०**प**तुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज कानपुर

तारीज: 15-6-1979

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ------

श्रामकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 15 जून 1979

सायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से धिक है श्रीर जिसकी सं० 177 व 178 है तथा जो मोहकमपुर मेरठ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त समाति के उवित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिगत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाह्यविक इप से कावा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाक्त, उपत प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; घोर/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी वन या घन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के ध्रयोजनाचे धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए चा, फिपाने में सुविधा के किए;

नता घर, उक्त प्रवित्तियम की बादा 269का के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269का की उपभारत (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) श्रीमती धन देषी पत्नी लाल हरी चन्द्र किशन पुरा गन्दा नाला साहासपुर। (श्रान्तरक)
- (2) श्री विद्यासागर पुत्र मबखन लाल ग्रमर सिंह पुत्र राम चन्दर व फकीरचन्द्र पुत्र साधुराम व ग्रमर सिंह नाथ पुत्र मेहर जन्द्र माकिनान माया-पुरी देहली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त समाति के सर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की भविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभावित है, वहीं धर्म होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

सनुसूची

प्लाट जो कि 1672 मुख्ता गज ग्राराजी नं० 177 व 178 वाके मौजा मोदकमपुर जिला मेरठ में स्थित है। 33 440/- रुपये का वेचा गया।

> भ० च० वर्तुवेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रमुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-6-1979

प्रकृप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आय हर ग्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातव, सद्वायक भाषकर भाष्ट्रक (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 468-ए०/मेरठ--- प्रतः मुझे भ० च० चर्तुवेदी,

शायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 177 व 178 है तथा जो मोहकमपुर मेरठ में स्थित है (श्रीर इस: उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-11-1978

को पूर्वोस्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोस्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से भाषिक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) और प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भन्तरण किखात में वास्तिक रुप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरच से हुई किसी प्राय की बाबत इक्त प्रीवित्यम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/वा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के जिए;

धत: धव, उन्त प्रवितियम की धारा 269-ए के प्रमुसरस में, में, बक्त प्रवितियम की घारा 269-व की उपधारा (1) बडीन निन्नविश्वित न्वनितयों, धर्वात्:---

- (1) श्री राम प्रकाश पुत्र हरी चन्त्र निवासी रहिरपुर कुर्ती चतान देव (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विद्यासागर पुत्र मकखन लाख, धामर सिंह पुत्र रामचन्द्र, फकीरचन्द्र पुत्र साधु राम, धामर नाथ पुत्र मेहर चन्द्र साकिनान मायापुरी, देहली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसबढ़ किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रिप्टोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो जक्त धिवित्यम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गवा है।

अनसर्वो

प्लाट 836 वर्ग गज खसरा नम्बर 177, 178 स्थित मोहकमपुर जिला नेरठ में 16,770/- रुपये में वेचा गया।

> भ० चर्नुवेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहासक श्रासकर धामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 15-6-1979

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 469-ए०/मेरठ----ग्रतः मुझे, **भ० च०** चर्तवेबी.

मायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), भी घारा 269-ख के भिवास सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से भिवक है

स्रीर जिसकी सं० 177 व 178 है तथा जो देहली रोड मेरठ में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरफ, निश्वित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त धिवियम के घंधीन कर देने के घंन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों;
 को, जिन्हें मारतीय भ्रायकर ग्रीविनियम 1922
 (1922 का 11) या उन्त ग्रीविनियम या
 धन-कर ग्रीविनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

धत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धादा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्तिलिखित व्यक्तियों, प्रयति:--

- (1) श्री राम प्रकाश पुत्र दीषान चन्द्र निकासी बिलासपुर स्नमनाल (अन्तरक)
- (2) श्री विद्यासागर पुत्र मकखन लाल, श्रमर सिंह पुत्र राम चन्दर, फकीरचन्द्र पुत्र साधु राम य श्रमर नाथ पुत्र मेहरचन्द्र निवासी मायापुरी बेहली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के भ्रजेन के जिए कार्यवाधियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों भौर पदों का, जो उक्त भिक्षित्मम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट 836 वर्ग गज खसरा नम्बर 177, 178 स्थित देहली रोड मेरठ में 16,720/- रुपये में वेचा गया।

> भ०च० चर्तुवेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, कानपुर

: 15-6- 1979

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ग्रंथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून, 1979

निर्देश सं० 472 ए०-/मेरठ---श्रत मुझे, भ० च० चर्तवेदी,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 9 है तथा जो बागपत, रोड मेरठ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 29-111978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घष्टिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण किखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घरतरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्छ श्रिष्ठितयम के अधीन कर देने के घरतरक के श्रिष्ठित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/मा
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :—

- (1) श्री नरोतम कुमार सूरी पुत्र डा॰ शिवरांम सूरी निवासी डेम्पियर पार्क मधुरा व श्रीमती पुष्पा श्रानन्द धर्मपत्नी श्री बलराज श्रानन्द साकिन 30 सन्केत शहर, भेरठ (श्रन्तरक)
- (2) नेल्को इन्डिया लिमिटेड एण्ड नं० 8 बागपत रोड, द्वारा श्री ग्रादेश कुमार पुत्र श्री बलराज ग्रानन्द माकिन 30 साकेत, शहर, मेरठ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस स्वता के राजणत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविश्व, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलधीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिमावित हैं, बही ग्रार्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

नेस्को इडिया प्राईवेट लिमिटेड न॰ 9 विक वागपत रोड शहर मेरठ जिसकी भाराजी तहती 2090 वर्ग गज है 90,000/- रुपये में वेचा गया।

> भ**० च० चर्तुवेदी** सक्षम प्राधिकारी[,] सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-6-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस•---

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 15 जून 1979

निर्देश मं० 480-ए०/जी० बोड——श्रतः मुझे, भ० च० वर्तवेदी,

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु० से प्रक्षिक है

स्रोर जिसकी सं० 235, 236 है तथा जो गढ़मुकतेणवर में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय गढ़मुकते- गवर में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 6-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रशीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य मुस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा, 269 ग के प्रनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1); प्रधीन निम्नलिखित व्यक्त्यों, प्रधीन — 10—166GI/79

- (1) श्री कृत्रग वीरेन्द्र सिंह पुत्र श्री रघुत्ररशखन सिंह् निवासी ग्राम ढ़ाना पर: व तहः गढ़मुकतेशवर जिला गाजियाबाद, श्रीमती विजय धर्मपत्नी श्री तपेन्द्र सिंह, श्रीमती ग्रर्चना धर्मपत्नी कुवंर वीरेन्द्र सिंह, श्रीमती कृष्णा कुमारी धर्मपत्नी रघुवर तारा सिंह ग्राम ढ़ाना पर: व तहः गढ़मुक्तेणवर जिला गाजियाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दया किशन जैन पुत्र छंगापाल जैन, ग्रानिल कुमार जैन पुत्र दया किशन जैन श्रीमती माला देवी धर्मपत्नी श्री किशन जैन निवासी मुरादाबाद लाइनपार चिडियातेला जिला मुरादाबाद व श्री ग्ररूण कुमार जैन पुत्र श्री महावीर प्रसाद जैन निवासी 1729 दरी वाक्ला देहली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि कोल्ड स्टोरेज व वर्षेषाना स्थित सिम्मावली परः व तहः गढ़मुकतेशवर जिला गाजियाबाद जिसका खसरा नम्बर 235 व 236 है तथा चौ० पूरव में दरवाजा बादइ सड़क पी० डब्ल्यू० डी० (देहली गेत रोड), पश्चिम खेत वताली व उत्तर में खेत श्री ह्रीराम शर्मा दक्षिण में रास्ता मिडिल स्कूल स्थित सिम्मावली पर व तहः गढ़ जिला गाजियाबाद में 1,71,000/- क्पये में वेचा गया।

> भ० च० चर्तुवेदी, सक्षम प्राप्धिकारो [सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

सारीख: 15-6-1679

प्ररूप धाई० टी • एन० एस०--

भायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांकः 15 जून 1979

निर्देण सं० 596/ए० सी॰ वय्०/कालपी/ 78-79—म्प्रतः मुझे, भ० घ० चर्नुवेदी,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

परचात् 'उक्त भिवनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-**४० से अधिक है** और जिसकी सं० है तथा जो मदटेखी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कालपी पलौन में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का ● 16) के प्रधीन तारीख 27-11-1978 को सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित भीर यह विश्वास करने का कारण मुझ ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक **घ**न्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भ्रम्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखत में वास्तविक अप से भिषत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों का, फान्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव्र, उक्त भविनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त श्रिशिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के भभीन निम्निखित व्यक्तियों ग्रथीत :---

- (1) श्री राम श्रामेर पुत्र जगत नारायन व राध श्याम व नीत राम व हर नारायन गुप्त पुत्रगण जगन्नाक निवासी मौजा दोररात परः भोगनीपुर जिला कानपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती भरती पती वकील हिदय छोटे लाल व शमनी र सिंह रमश सिंह की वीरेन्द्र सिंह पुत गण मौजा सिंह सा नूरपुर पा० कालबी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविश्व, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दें किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभावित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृष्वि भूमि कुल 12 किता स्कवा 18-84 मौजा मदरोनी परः कालपी में 6,0,000/- की वेची गयी।

> भ०च० चर्तुबेदी, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-6-1979

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देण सं० 654/ए० सी० क्यू०/78-79—- ग्रतः मूझे, भ० च० चर्तवेदी,

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से अधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो न्यू० भ्रागरा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्च रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 10-11-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त भिक्षित्यम के भिर्मीत कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या घन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर पधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भात: भव, उक्त भिवित्यम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिवित्यम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री नुगुल किशोर श्ररोरा पुत्न श्री नानक चन्द नि० विजय नगर कालोनी श्रागरा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बद्री प्रसाद श्रग्रवाल व श्री फूल चन्द्रा अग्रवाल व राजिन्द्र कुमार गोयल पुत्र गण श्री नेमीचन्द श्रग्रवाल विजय 933 सरोलिया विल्डिंग सिले-गंज ग्रागरा (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्न स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जन्त श्रिष्ठिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 166 खतई 564 वर्ग गज पाजि 461-52 वर्ग मीटर न्यू ग्रागरा में 60,000/- कानेचा माफ।

> भ० च० चर्तुवेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-6-1679

प्ररूप भाई। टी० एन। एस।-

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन पुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश सं० 408/ए/कानपुर—श्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी धायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घिन सक्तम श्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7/199, स्वरूप नगर, कानपुर है तथा जो कानपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 17-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— श्री ग्रानन्द प्रकाश गुप्ता, पुत्र स्व० वानु राम् क्रुपुप्ता, र/198, स्वरुप नगर, कानपुर

(म्रन्तरक)

2. श्री मैंसर्स कानपुर नर्सिंग होम प्रा० लि० 113/74, स्वरूप नगर, कानपुर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ●

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त मिधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर, 90-H क्षेत्रफल, 302 क्वायर वर्ग गज स्थित 7/199 स्वरूप नगर, कानपुर में 45,300/- रुपये का बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रावकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, कानपुर

तारीख 16-6-79 मोहर:

प्रकृप धाई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून, 1979

निदेश नं० 413-ए/कानपुर—ग्रतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त घिषिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खके प्रधीन सक्षम प्राधिकाशी की, यह शिष्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मूक्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं 136 है, तथा जो श्रो० स्कीम किदबई नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-11-78

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्त्रिक छा में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों,
 को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या
 धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनायं भन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया
 नया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में
 स्विधा के सिए;

अतः ग्रम, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाबीन, निम्मलिबित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री टी० एन० गर्ग (ज्ञिलोकी नाथ गर्ग) सुपुत्न बल्देय राम गर्ग निवासी रिजर्व बैंक ग्राफ इंडिया गान्धी मार्ग, कानपुर । (ग्रान्तरक)
- 2. श्री जमीपाल यादव पुन्न श्री बाबूलाल यादव निवासी मौजा, (वैसर) तह० व जिला कानपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह **सूचना जारी कर**के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मित के प्रजीत के सम्मन्त्र में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की नारीच से 45 दिन की धवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता क राजपान में प्रकाशत की तारी खं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रस्य क्या कित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे

स्वव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदां का, जा उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिचाधित है, वही मयं होता जो उस मध्याय में दिना गया है।

अनुसुची

प्लाट नम्बर. 311 स्क्ष्वायर वर्ग गज, ब्लाक के स्कीम नं० 2 किदवई नगर,कानपुरमें 25,813/- रु० को बेचा गया।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज,कानपुर

तारीख 16-6-79 मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश मं० 432-ए/गाजियाबाद—स्प्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी भायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 679 है, तथा जो चपरोती में स्थित है (भीर इसमें उपाबद अनुसूची में जो पूर्ण कर से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ना प्रधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मिस-नियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः मत्र, उक्त मिविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपन्नारा(1) अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री रवीन्द्र गर्मा सुपुत्र बुलाकी राम निवासी 3ए, माङल टाउन, गाजियाबाद

(भ्रन्तरक)

 श्री एन० के० गुप्ता सुपुत्र स्व०श्री लाला मदन लाल निवासी ए-373, डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वौक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रागन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षो :--

- (क) इस सूजना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ऋधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर, 679,5041 वर्ग गज म स्थित घपरौली में 40,000/- रुपये काबेचा गया।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-6-1979

त्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

श्रीर जिसकी सं० 174 श्रब नं० 144 है, तथा जो थापर नगर, मेरठ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मेरठ में रिजिस्ट्रकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन तारीख 29-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरितों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के भ्रिष्ठीन कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर√या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रवं, उक्त अधिनियमं की घारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीन्:—— श्री अर्थाक कुमार व श्री श्रिनल कुमार पिसरन,
 श्री नत्थूमल कुलकरणी, निवासी मोहल्ला थापर नगर,
 मेरठ।

(ग्रन्तरक)

2. सरदार सन्तोक सिंह पुत्र सरदार श्रमर सिंह व श्रीमती कुलजीत कौर धर्मपत्नी सरदार मोहन सिंह साकिन मोहल्ला थापर नगर, शहर मेरठ।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

क्वडदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति का एक पर्सनल मकान नम्बर, 174 दस्तावेज नं 144 बॉके मोहल्ला थापर नगर, शहर मेरठ में 2,15,000/-रुपये का बेचा गया।

> भ० च० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

नारीख 16-6-1979 मोहर: प्रकप भाई • टी • एन • एम •----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के घंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश सं० 475 ए/एफ०एन०/गाजियाबाद--श्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिर्धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिर्धान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- श्वए से भिर्धक है

स्रोर जिसकी सं० के-5/7 है, तथा जो कविनगर, गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इसथे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्याक्षय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 18-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तबिक कप से कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रस्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रीधिनियम, या धन-कर भ्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त भविनियम की बारा 269 के अनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम, की धारा 269 म की उपवारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- श्री हिरिकिणत लाल पुत्र श्री परमराम चावला, ग्राम रथवाल, मेरठ गंगूवाल, त० ग्रानन्दपुर सहित जिला रोपड़, पंजाब

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० एल० शर्मा, (मुनिलाल शर्मा) पुत्र स्व० राधा किशन व श्रीमती जुगिन्दर वती शर्मा पत्नी एम० एल० शर्मा, निवासी गण गींकिंड-बी, 55 नेहरू-ग्राउन्ड गाजियाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्वत के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्बन्धि के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (वा) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीमियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

यह मर्किल नं० के-5/7, स्थित नया कि नगर, गाजियाबाद क्षेत्रफल 750 वर्ग गज, 60,000/- रुपये में बेचा गया।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रंज, कानपुर

ता**रीख** 16-6-79 मोहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्क)

भ्रजीन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश मं० 516/ए०सी०क्यू०/खेरागढ़/78-79—म्रतः मृहो भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भीर जिसकी मं० है तथा जो खेरागढ़ कान्धी में स्थित है (भीर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय खेरागढ़, भ्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 20-11-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रद्व प्रतिशत्त से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उनते अन्तरण शिखिन में बाह्मविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण स द्वाई किसी ध्राय को बाबत उक्त ध्रिष्ठ-नियम के घ्रधीन कर देने के घ्रन्तरक के दायित्व में कमी करणे या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (च) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भण्य भास्तियों को, जिस्हें भारतीय भाषकर मित्रिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्स भिक्षित्यम, या भन-कर भिक्षितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए।

ंग्रेत: अब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269 ग ने सन्-सरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269 ग की उपजारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयांत ।—— 11—166G1/79 श्री श्यामलाल पुत्र श्री ख्याली राम निवामी प्राप्त व पोस्ट मरोंधी, तहसील खेरागढ़, जिला श्रागरा।

(भ्रन्तरक)

 श्री नदेशिया व शंकर पुत्र गण हुवामा निवास) ग्राम व पोस्ट मारेन्धा तहसील खेरागढ़, जिला ग्रागरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह म्बना आरो कर हर्गाक्त मधाल के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उन्त संपत्ति के भजेन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की प्रविध या तस्मबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

कृषि भूमि खाता नं० 1920/1/12/1, 1915/2/10 -II के मौजा सोन्धी जि० आगरा में 40,000/- की बैची गयी।

भ० च० चतुर्वेदे। सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख** 16-6-79 मोहर

प्रकप नाई• टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज, कानरपुर कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निवेश सं० 543/ए०सी०क्यू०/एटा/78-79—श्रतः मुझे भागच ० चयर्वेदी,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-स्र के स्रधीन महाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित बाबार मूह्य 25,000/- ६० से ध्रिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो बांके सिरसा टीपू माहरा वणतं में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, मैनपुरी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तृह प्रतिशत से प्रधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) भीर अस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण जिखित में बास्तविक कप से क्वित नहीं कर गर्या है।

- िक्ष) अन्तरण प दुई किसी याय की बाबत, उन्त अधि-नियम के यधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर शिव्यनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रविनियम, या धनकर ग्रवि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए

अतः प्रव, उक्त पश्चिमियम की धारा 269ग के प्रमुसरण में, में, उक्त पश्चिमियम की खारा 269ण की उपग्रारा (1)के प्रशीम, निम्निश्चित म्यक्तियों अर्थात :--- श्री रामपाल सिंह व नत्यू सिंह सुपुत्र श्री रोशन तिह नि॰ नवला उद्यम, सिकआ टीपू, पीर खास पर माहरा जिला मैनपुरी, एटा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मेवती पत्नी श्री बलबीर सिंह व रनवीर सिंह व ग्रीमवीर सिंह, व जय प्रकाश सिंह सुपुत्र मेघा सिंह लोधाभाई पर्ग माहरा, जिला एटा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

 •वस्तीकरणः---इसमें प्रयुक्त कर्यों भीर पदों का, जो उत्तत प्रधि नियम के प्रव्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, वो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची}

कृषि भूमि शिरसा टिप्पू पर मरहरा बगर्त 1383/0/76 व 1370ग्र/361, पर 57,000/- रुपये की बेची गयी।

> भा० च० चयर्वेदी मक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर **धायुक्**त (निरीक्षण), घर्जन रेंज, कामपुर

तारीख 16≇6-79 मोहर प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस०---ग्रायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की
ग्रारा 269न(1) के अधीन सूचना
गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेण सं० 552/ए०सी०क्यू०/मथुरा/78-79---यतः मुझे भ० च० चयर्वेदी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्न मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-क्पए से भिषक है

श्रीर जिसकी मं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो मथुरा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मथुरा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 13-11-78 को

पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्रयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत प्रधिनियम के भ्रषीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें ग्रन्तिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः धन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्निखिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रो बनारसोदास, विश्व प्रकाश सुपुत्र श्री कासीनाथ व अशोक कुमारसुपुत्र बनारसी, निवासी मथुरा। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शकुन्तला देवी धर्मपत्नी श्री रमेश चन्द्रा, महेश चन्द्रा श्रग्रजाल, सुपुत्र श्री दाउदयाल, निवासी चौक, मथुरा।

(प्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

हमब्दोकरण:--इनमें प्रयुक्त शक्दो और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रद्धाय 20-क में परिमाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

2512 बांके रानी की मंडी, मथुरामें 4365 वर्ग फीट प्लाट 185.669—55 में बेचा गया।

> भा० च० चयर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, कानपुर

तारीख 16-6-1979 मोहर

प्रकृष आई० टी० एन० एस०--

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० 553/ए०सी०क्यू०/मथुरा/78-79--ग्नतः सुझै, भ० च०चतर्वेदीः,

भाय गर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो मथुरा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय मथुरा में रिजस्ट्रीकरण भिधनियम 1908 (1908 का 16) के भिधीन 13-11-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से प्रधिक है प्रोर भन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निकित में
वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- क). अस्तरण से हुई किसी पाय का शबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के धस्तरक के वायित्व म कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में. में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) अधीन, विक्निकारिकत अवस्थियों, सर्वात् 1--- 1 सर्वेश्री बनारसी वास, विष्णु प्रकाश सुपुत्र काशी नाथ जिला मथुरा ।

(भ्रन्तरकः)

 श्री दाऊदयाल सुपुत्र श्री होती लाल व रमेश चन्द सुपुत्र दाऊदयाल मलिक चौक मथुरा।

(ग्रन्तरिती)

की महं सूवना जारी करकं पूर्वीका सम्पति के प्रज्ञांन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी
 धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य स्थित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसम प्रमुक्त कब्दों भीर पदों का, - जो उक्त प्रैष्ठितियम के प्रष्ठयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस धक्ष्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

दो किला प्लाटनं० 7 व 8 जोकि राजे की मंडी, तथा मि०नं० 2518 क्षेत्र फल 1427-54 वर्ग मील 123908/-रु०में बेचा गया।

> भ० च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-6-79।

मोहरः

प्रकप साई • टी • एन • एस •----

खायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269ध(1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निवेश सं० 582/ए० सी० क्यू०/78-79----ग्रतः मूझे भा० च०चतुर्येदी

पायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के मधील सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उवित वाजार मूस्य, 25,000/- ६० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो ग्राम मथरा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यावय हाथरस रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है पौर मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिश्वत से अधिक है योग प्रन्तरक (प्रत्तरकों) भौर प्रत्तरिती (प्रन्तरितियों) के बोच ऐसे प्रन्तरण है लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्तरण लिखित में पास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण मे हुई किसी साथ की बावत अवत बाह्य-ंतियम के प्रधीन कर देते के प्रश्तरक के वायित्व मंकमी करने या उससे बचने में सुविधा के किये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या धण्य धारितयों की, जिम्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विवे;

धतः श्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के शनुतरण मं, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-म की उपसारा (1) के श्रमीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रशीत :---

- 1. श्री फूल चन्द्र पुत्र तुलसी राम भूमिधर, सदाचन (भ्रन्तरक)
- 2. श्री रामदयाल, पुल लीला धर, ग्रीम प्रकाश व चन्द्र शेखर पुल गण राम दयाल निवासी सयादन, पोस्ट सायदन ता० हाथरस, जिला श्रकीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर मूचन। की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि काद में समान्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नाराज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य क्यकित द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों की, आयकर श्रिविनयम 1961 (1961 का 43) के श्रह्माय 20-क में परिभावित है, वही शब्दे होगा, जो उस श्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम सवानमठ 25 300 की बेकी गयी।
भा० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 16-6-79

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जुन 1979

निदेण सं० 610/एसीक्यू०/78-79—-ग्रतः मुझे म० च० चतुर्वेदी

धायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ६० से ग्राधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो बांक ग्राम खरगाहेडी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूस्वी में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्री ति श्रीधकारी के कार्याक्य सहारनपुर में रिजस्ट्री तरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 13-11-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बाह्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिविनयम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या धन कर ग्रीविनयम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भत: ग्रन, उक्त भश्चितियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में उक्त भश्चितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्गीत् :---- शी पुन्ना पुत्र बादाम रतीराम मुपुत्र भ्रमर सिह्केराम सिंह, रामचन्द, सुपुत्र बख्तावर सिंह जाति नि० खरकाहेडी, पो० रामपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कृष्ण पाल, प्रेम पुलगण जय सिंह व माम चन्द पुल धीरज सिंह व रकम सिंह पुल भारत सिंह राफत सिंह व रतन सिंह, व सत्यपारा सिंह पुलगण सिताब सिंह नि० ग्राम माकला, प० रामपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति म हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

म्पच्छीकरण :—इसमें अयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं बही भर्थ होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

बांक ग्राम खरकाहेडी, प० रामपुर, कुल 11 किले का 3/4 भाग ऋषि भृमि 55868/- को बेची गयी।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-6-76

प्रक्षि माडें • दी • एन • एस • ---

आयक्तर तथि तथन, 1981 (19**61 का 43) की घारा** 369-**घ (1) के घधीन सूचना** भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भ्रायकंर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1679

निदेण सं० 652/ए० सी० वयू०/78-79—स्प्रतः मुझे भ० चा० चतुर्वेदी भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी हो यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित आजार मृह्म 25,000/- ६०

मं भ्रधिक है।

श्रोर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो रूई की मंडी, आगरा में स्थित है (श्रीर इसमे उराबद्ध अनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-10-78

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास कर में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बंति का उचित बाजार मृत्य उ के दृश्यकान के कि यथापूर्वोक्त सम्बंति का उचित बाजार मृत्य उ के दृश्यकान के किन के पंच्यह प्रतिश्वत अधिक है सौर प्रत्नरक (अन्तरको) भीर प्रत्नरिति (अम्तरितियों) के बीय एसे अन्तर्य के निये का पंच्य प्रवक्ति (अम्तरितियों) के बीय एसे अन्तर्य के निये का पंच्य प्रवक्ति के सित्र के किन के अन्तर्य कि नित्न में वास्त्रिक क्या का कार्य ने सित्र किया गया है क्या

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय ो का दन उपल अधि-ियम क भीन कर देने के भन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी अन या मन्य पास्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) आउन्त धिवियम, या अन-कर अधिनिअप, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनायं उन्तरिका द्वारा प्रकट नहीं किया गया या; मा

धतः भव, उक्त प्रधितियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त पश्चितियम की घारा 269-म की सपनारा (1) के अम्रीत निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वातः--- 1. श्री राम कुमार जैन, ग्रात्मज मोहन लाल जन, निवासी रूई की मंडी, शाहर, ग्रागरा, हाल निवासी जयपुर हाउस, लोहा मंडी, ग्रागरा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शिवकान्त, मुन्नालाल, ग्राहमज श्री बाबू लाल निवासी ग्रा० कैथरी धीलपुर, जिला भरतपुर, राजस्तान (अन्तरिनी)

का यह मूचना जारी करके पूर्वीकर सम्पनि के अर्जन के लिए नार्पवाहियां करता हूं।

उदा सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्। में बाह भा मासप : -

- (क) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 व्यन की श्रविति, जो भी श्रविध यद में समाप्त होती हा, के भीतर व्यक्तित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीआ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पात निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्थार्को करण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों हो, को उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यहां अर्थ तीना, का उस पहताय ने देखा गया है।

धनसभी

House property double storeyed, land measuring 235 Sq. meter and open space about 207 Sq. meter No. 3/221A Rui ki Mandi, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 82,000/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 138,000/-.

भा० चं० चतुर्वेदी सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज, कानपुर

ता**रीख**: 16-6-79

शाक्षय भारि टी । एन । एस -----

अ। यकर बाधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारतं सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो ईदगाह कालोनी, श्रागरा में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनूसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-11-78 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुक्के यह विक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति कर उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में कास्तिक कृत में कायित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण स हुई किसी भायको बाबत उक्त प्रक्रिक नियम के मधीन कर देने के बन्तरक के दापित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के निष्; मौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ पास्तियों को, जिन्हें जारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में नृशिका के लिए;

अतः ग्रब, उन्त मधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में मै, उक्त मधिनियम की धारां 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत् —— 1. ज्ञान सिंह पुन्न स्व० दयाल सिंह व श्रीमती रामरखी विधवा, सरूप सिंह व कुंवर बीर सिंह पुन्न सरवार स्वरूप सिंह, व राजेन्द्र सिंह पुन्न स्व० सरदार कृपाल सिंह व बखतार, जसवंत कौर विधवा सरदार किरपाल सिंह, श्रीमती परमजीत कौर, श्रीमती गुरमीत कौर पुन्नियां स्वर्गीय सरदार किरपाल सिंह हारा मुहेत्तर नामा ईदगाह निवासी ईदगाह कालोनी, श्रागरा।

(ग्रन्तरक)

 श्री सतीश श्रोवराय पुत्र श्री श्रीराम श्रोवराय निवास ईदगाह, कालोनी, श्रागरा।

(ब्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अबं होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक मकान नं० 66 ईदगाह कालोनी, श्रागरा में 6,0000/-रु० में बेचा है।

> भा घ० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-6-76

प्ररूप माई० टी० एन• एस०----

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जून 1979

निदेश सं० 674/ए० सी० क्यू०/78-79—म्ब्रतः मू**से** भ० च० चतुर्वेदी

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं अन्सूची के अनुसार है तथा वि खरसल तह नकूर, सहारनपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाब अनूसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप ने विणित हैं) रिजस्ट्रीमर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहारनपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षण के लिए प्रस्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का बजह प्रतिक्रत प्रधिक है, भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रस्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रत, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्तित में बास्तिक क्ष्य के क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उच्च प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, शिपाने में सुविधा के लिए;

अत: श्रव; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के बधीन, निम्मिलिका व्यक्तियों, अवीत:-- शि रहम् पुत्र दलमीर व साहबू पुत्र इमामश्रली निवासी निवासी खैरसाल, डा० जारखेडा, प० गगोह त० नक्र, जिला महारनपुर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गरीफ ग्रहमद और जरीफ ग्रहमद पुत्रगण ग्रब्दुला गफ्रेर निवासी गमीटे, डा० खास, त० नक्र्र, जिला सहारनपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (बा) इस मूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीबा 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताकारी के पास सिबित में किए जा सकेंगे।

स्ववदीकरवः --इसमें प्रयुक्त गश्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के श्रीस्थाय 20-क में परिभाषित हैं कही धर्य होगा, जो उस शस्याय में विधा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम खैरसल पर० गगोह, तह्० नक्रूर, जिला सहारतपुर में 7,000/- में बेच गयी । जिसका बिकी मूल्य र० 57000/- आंका गया है।

> भा० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 16-6-79 मोहर:

12-166GI/79

प्ररूप घाई • टी० एन • एस • ——— बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 16 जून, 1676

निदेण सं० 678/एसी क्यू०/रुङ्की/78-79—प्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-आ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो रूड़की में स्थित है (ग्रीर इससे उपीबद्ध प्रनूस्ची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय रूड़की सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-11-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है घौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिन कियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) | ऐसी किसी पाय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमु-सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्बात्:---

- श्रो क्निवेक्कुमार पुत्र श्री प्यारे लाल निवासी माम भगें डी, महावतपुर, परगना व तहु० रूड़की, जिला सहारनपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बाबू राम शर्मा, पुत्र श्री बदन सिंह निवासी ग्राम रोह्ना कलां, सुरेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र बाबू राम शर्मा निवासी ग्राम शेमपुरी, रूड़की, जिला सहारनपुर।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी अपन्तियों पर सूचना
 की नामील में 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
 बाद में समाध्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपन्तियों
 में से किसी अपनित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पड्टोक्तरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त प्रधितियम के ग्रष्ट्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वड़ी ग्रथं होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

एंक किता मकान सं० 501 (3-4) उत्तर दक्षिण में 40 सिविल लाइन्स, रूड़की सहारनपुर में 68,000: र वेचा गया। भ० च० चतुर्वेदी सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 16-6-79 मोहर: प्रारूप आई० टी० एन० एस •---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जून 1979

निदेण सं० 491/ए० सी०क्यू०/78-79---ग्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र• से श्रिधिक है

श्रोरज जिसकी सं० अनुभूची के अनुसार है तथा जो 360, मैयद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुभूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधि-नियम के ग्रग्रीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के , अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री शारदकुमार गुप्ता, पुत्र चन्द्र प्रकाश गुप्ता, निवासी मौहल्ला ईशशी, ग्राम नजीमाबाद, जिला० बिजनोर बरिमयत मुखतार खास श्रीमती प्राण कुमारी स्व० लाला गोपी नाथ पत्नी चन्द्र प्रकाश गुप्ता निवासी मोहल्ला कल, बिजनौर

(श्रन्तरक)

2. श्री कलाश चन्द्र गुप्ता, पुत्र श्री मिठनलाल नि० नोदा वाया प्रागरा व श्री राधेश्यामप्रसाद शर्मा पुत्र दीनानाथ णीतला गली, ग्रागरा, व रामकुमार गुप्ता पुत्र श्रीराम गुप्ता निवासी कई की मन्डी ग्रागरा व उमिल। देवी पत्नी रमेण चन्द्र जैन, निवासी लाल दरवाजा, मोती बाग ग्रागरा व श्री कुमार पत्नी जगहप जैन, णीतला गली आगरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, उक्त ग्रिक्षि-नियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं ग्रामें होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

भनुसूची

एक जमीन 1016 वर्ग गज बुठान से स्रोमद नागमा शहर ऋागरा में 48,000/- रु०में बेची गयी।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, कानपुर

तारी**ख** 18-6-79 मोहर:

प्रकप आई० टी• एन• एस•---

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण),

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18जून 1979

निर्दोण नं ० 593/ए० सी० क्यू०/ सहारनपुर/ 78-79—-प्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये मे अधिक है

स्रोर जिसकी सं० ध्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो चन्द्र नगर, सहारनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहारानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-11-78

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक हा ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, खकत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना च हिए था जियाने में सुविधा के शिए;

श्रक: मन, एक्ट भीवितियम, की बारा 26कना के जनुसरण में; मैं, उक्त मिनियम, की बारा 26कन की उपवारा (1) के बधीन निम्नतिबित स्पनितयों अर्थात्:—— श्री भारतेश्वर नाथ जैन एडीशनल रिक्ट्रिंगर हाई कोर्ट, इलाहाबाद व बाबू चकेण्वर नाथ जैन एडवोकेट (SDGC), क्रिमनल, सहारनपुर सुपुत लाला तिलोकी नाथ जैन, निवासीगण चन्द्रानगर, सिविल लाइन्स, सहारनपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रसनचन्द कपूर, पुत्रगण स्व० लाला गौरी मंकर कपूर, विजय कमार कपूर, देनेण कुमार कपूर निवासी बीर नगर चिलकाग रोड, सहारानपुर ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी अपने पृत्रीकत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उकत संपत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी माक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की दारीचा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविष्ठ, जो मी अविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबड़ किसी भ्रम्थ स्थिवत द्वारा, भ्रधोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों घीर पर्वो का को उक्त ग्राधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्च होगा जो उस सम्माय में दिया नया है।

अनुसूची

चन्द्र नगर, सिविल लाईन्स, सहारनपुर में प्लाट 64,000/- रुपये का बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारी**ख : 18-**6-79 मोहर: भाग 🔟 — चण्ड 1ो

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ---

धावकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जून 1979

निर्वेश सं० 733/ए० सी० क्यू०/फरूखाबाद/ 78-79--प्रतः मझे, भ० च० चतुर्वेदी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-बपय से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० ग्रनुसूची के ग्रनुमार है तथा जो गत जंग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फल्खाबाद में रजिस्ट्रीकरण

प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-11-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान
प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिगत भिधक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) धौर
धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
जिविद्यत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रोर/या
- (भा) ऐसी किसी भाग या जिसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, वा धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने मैं सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ए के धनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- श्री गोपाल पुत्र लाला प्यारे लाल निवासी घुमनी मोहाल पेथावाली गली, शहर कानपुर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती चिरंजी देवी जोजा पं किशान गोपाल व श्रीमती मधुलता देवी जोजा राकेश कुमार स फरूखाबाद,

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पब्ढीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा जो उस भव्याय में दिया गया दै।

अनुसूची

एक किला मकान दो मंजिला मु० खतराम फर्रखाबाद में 45,000/- रुपये में बेचा गया।

> भ० च० चतुर्वेवी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 18-6-79

प्रारूव माई० टी० एन० एस●----

ज्ञागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 18 जून 1979

निदेश सं० 857/ए० सीं० न्यू०/देहरा०/ 78-79—-ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्मचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द॰ से भिष्कि है

स्रोर जिसकी सं० हैं तथा जो खेरी खुर्द में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहराहून में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-11-78 की

पूर्वोशन संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धनारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखत में बास्तविक कप से काबित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उबत प्रधि-नियम, के प्रधीन कर बेने के ग्रन्तरक के शामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी शस्य या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः सब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त मिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) वे मनीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री कुन्दन लाल छाबड़ा पुत्र श्री जीवनदाम श्रीखड़ा नि० ऋषिकेश परगना जिला० देहरादून।

(अन्तरक)

2. मै० खैराना आदर्स रिजस्टर्ड हैड श्राफिम होशियारपुर, पतेरा ब्रांच श्राफिम मुर्तजी मार्ग गोपाल मंदिर ऋषिकेश जिला देहरादून, ब्रारा मन मोहन खुराना मै० उपरोक्त फर्म।

(अन्तरिती)

को यह मूबना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इ.स. सूतरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिधिनियम के शब्माय 20-क में परिभाषित है, वही भयं होगा, जो उस भन्याय में दिया नया है।

धनुधूची

खुर्द परगना जिला देहरादून, में भूमि तापमी डैसिमल 0.95 एकड़ नं० खसरा 45,900/- २० में बेची गयी।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 18-6-79

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्मन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जून 1979

निदेश सं० 701/ग्रर्जन/कानपुर/78-79——ग्रत: मुझे भ०च०चतुर्वेदी

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है

ग्रीर जिसकी स०..... है तथा जो...... में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय कानपुर; रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 5-3-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिंधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्टिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सावधा के लिए;

भत: भव, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त मिधिनयम की धारा 269-म की उपमारा (1) केअधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात्।---

- श्रीमती मासूद फातमा व श्रामीप फातमा
 15/202, दूधवाला, बंगला, सिविल लाइन्स, कानपुर (श्रान्तरक)
- मै० रईस पुत्र हाजी श्रब्दुल रसीद
 92/223, बेकागज, कानपुर।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रवल सम्पत्ति भकान नं० 98/32, बेकागंज, कानपुर 48,000/ रुपये में बेची गयी जिसका कि श्रनुमानित उचित बाजारी मूल्य 8,0000/-रु० है।

> भ० च० चयर्वेदी, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख 8-6-79 मोहर: प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

भायकर समितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1979

निदेश सं० 51/नव०/78-79---यतः मुझे, श्रो० ग्रानन्द्राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त पश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- र• से प्रविक है श्रीर जिसकी सं० कोट्टमेट्टपट्टी गांव है, जो श्रोमलूर तालूक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रोमल्र (डाकु० नं० 1896/78) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम को 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवस्बर, 1978। की पूर्वोदत सम्पत्तिके उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रइ प्रतिशत समिक है और सन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलि शित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निश्चित्र में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; सीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय मायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (३) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्वातः--- 1. श्रीमती एम० नूरजहान

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० सिवसुब्रमिनयम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जुन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त भिवित्यम के प्रध्याय 20-क में परिचाषित हैं, बही अर्च होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

डाकुमेन्ट नं० 1896/78 एस० श्रार० श्रो० श्रोमलूर एग्रीकल्चरल भूमि 19.70 एकड़ को हुमेहुपट्टी गांव पर, ओमलूर तालूक, (सर्वे नं० 165/2, 165/3, 156/3, 151/2, 151/6, 165/5, 165/4, 166, 155 श्रंर 156/5) है।

ग्रो० ग्रानन्द्राम

सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 2-7-79 मोहर। प्ररूप धाई • टी • एन • एस •----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन मूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज I; मद्रास

मब्रास, विनांक 2 जुलाई 1979

निवेश सं० 52/नव०/78-79 म्झतः मूखे। घो० मानन्त्राम भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से धिषक है

श्रीर जिसकी संव सर्वे नंव 110 है, चेल्लप्पामपाड़ी गांव में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबढ़ झनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता श्रिधकारी के कार्य लिय मेक डोनालड चौलड़ी (डाकुव नंव 1215/78) में रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवस्वर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के इश्यपात प्रतिकल के लिए प्रत्तिति का गई है और मुझै यह विश्वा । वर्ति का का गई है और मुझै यह विश्वा । वर्ति का का गई है और मुझै यह विश्वा । वर्ति का का गई का बाजात पुरुष जम है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजात पुरुष जम है कि दिस्ता प्रतिकात तो पन्त्रह प्रतिकात प्रशिक है और भन्तरक (प्रश्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरणिलिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रश्नीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीविनियम, या धन-कर श्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती राजेख्वरी, 2. श्री नितिलन ।

(अन्सरक)

2. श्री रामसामि, गन्तुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्वति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की प्रवधि, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रषें होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अन्सूची

डाकमेन्ट नं० 1215/78 एम० आर० ओ० मेक डोनालड चौलद्वी एमीकटचरलभूमि 3 एकड़, सर्वे नं० 110, चेल्लप्राम्पट्टी गांव, संकरी तालुका

> भ्रो० भ्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज I, मद्रास

तारीख: 2-7-79

प्रसप माई०टी० एन • एस •---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, मद्राम

मद्राम, दिनाक 2 जुलाई 1979

निदेश सं० 53/नवस्वर/78-79—स्तः मुझे; श्रो० श्रानन्द्राम धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिसको सं० सर्वे नं० 110, बेल्लाप्पमणही गांव, है जो संकरी ताल्क में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेक डोनालड चौलदी (डाकु० नं० 1214/78) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख नवस्वर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है: —

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी घन या प्रम्य धास्तिथीं को, जिन्हें घारतीय भागकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

पतः, भव, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के भृषुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिति व्यक्तियों,ग्रेषीतृ:---

1. श्रीमती राजभ्वरी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पावामी

(भ्रान्तरिती)

का यह भूत्रता जारी केरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेत के लिये एतक्द्वारा कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संस्वति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में
 हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के
 नाम निश्चित में किए जासकोंगे।

स्पढडीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टाय में दिया गया है।

डाकुमेंट नं० 1214/78 एम० ग्रार० श्रो० मेक डोनालड चौलद्रो एग्रीकल्चरल भूमि-3एकड, सर्वे नं० 110 चेल्लप्पस्पट्टी गांव संकरी तालुक ।

> भ्रो० भ्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज ^{र्}, मद्रास

तारीख : 2-7-1979

प्रदेष शाई० टी॰ एन॰ एस॰ ---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन धूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज [, मद्राम

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1979

निवेश नं रु 54/नवस्वर/78-79—स्वतः मृझे; श्रो०श्रानन्द्राम प्रायकर प्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उना अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० सं प्रधिक है

श्रीर जिसकी संवस्विंव नंव 110, चेल्लाष्यमपार्ट्टा गांव है, जो संकरी तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मेक डोनालड, चौलद्री (डाकुव नंव 1213/78) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्वर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के भन्नीन कर देने के अन्तरक के वायरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, तक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत:— श्रीमती राजेश्वरी

(अन्तरकः)

2. श्री केलासम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति, द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रार्थ होगा, जो उम ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 1213/78 एस० आए० ओ० मेक डोनाल**ड** चौलद्री, एग्रीकन्चरल भूमि 3 एकड़, सर्वे० नं० 110 चेल्लाप्पमपा**ट्टी** गांव, संकरी साल्का

> श्रो० श्रानन्द्राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 2-7-79

प्रस्प प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 1921—यत मुझे, बी० एस० दहिया

भायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिश्रितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से भिष्ठक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उराबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप पें वर्णित है), रजिस्ट्रेक्ति ग्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख नवस्वर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का प्रक्षह प्रतिणत से भिक्षक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाशित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृषिक्षा के लिए;

अतः प्रय उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्रामिती देवकी देवी पत्नी लभू राम 4/1 सैटैरेल टाउन, जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रो सुखदेव कुमार ग्रौर नारेण कुमार पृत्र बीर भान मेट्रो फैजल गंज, जालन्धर। (श्रन्तरिता)
- 3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके स्रिधिभोग में संपत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की प्रत्रित्र या तत्मम्बंबी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-्समें प्रयुक्त शब्दों और पत्नें कः, जो उस्त भिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

जैसा कि विलेख नं० 5414 नवस्त्रर 1978 को रजिस्ट्री-कर्ना अधिक(री जालन्वर में लिखा है।

> बं ि एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज, जालन्धर

तारी**ख:** 6-7-1979

मोहर

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 4th July 1979

No. F.6.779-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri H. S. Munjral, Ollgassistant Registrar as Officiating Deputy Registrar, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 2nd July 1979, until further orders.

The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed S/Shri R. N. Joshi, Court Master and S. S. Srivastava, Private Secretary to the Hon'ble Judge, as Officiating Assistant Registrar, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 2nd July 1979, until further orders.

The Hon'ble the Chief Justice of India has further promoted and appointed S/Shri A. M. Srivastava, Assistant and R. C. Jain. Assistant as Officiating Section Officer, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of 2nd July 1979, until further orders.

R. SUBBA RAO Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd July 1979

No. P/1867-Admn.1.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby accepts the resignation of Dr. P. N. Kapoor from the post of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from 2nd July 1979 (FN).

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 23rd June 1979

No. A.32013/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of Section Officer's Grade of the CSS cadre in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on ad hoc basis in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier:

S. No. Name and Period
1. Shri P. C. Mathur—21-5-79 to 19-7-79.

2. Shri J. P. Goel-21-5-79 to 30-6-79.

S. BALACHANDRAN Under Secy. Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 26th June 1979

No. A. 32014/1/79 Admn. I.—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants (Grade C)/Personal Assistants (Grade C of the CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Senior Personal Assistants (Grade B of the CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and *ud hoc* capacity with effect from the dates mentioned below:

S. No.	Name						,		Regular post held	Post to which ad hoc appointment made	Period for which ad hoc appointment made
1	2								3	4	5
	S/Shri										
1.	S.P. Mehra	•	•	•		•	٠	•	Officiating Selection Grade for Grade C	Senior P.A. (Grade B of the CSSS)	1-7-79 to 31-8-79 or until further orders
2.	O.P. Deora	•	ě	٠	•	•	•	•	Stenographers and permanent P.As (Grade C of the CSSS).		which ever is ealier.
3.	Hukam Chand		•	•		•		٠	Officiating Selection Grade for Grade C	Senior P.A. (Grade B of the CSSS)	60 days w.c.f 20-6-79 to 18-8-79 or until fur-
4.	H.C. Katoch		٠	•		•	•		Stenographers and Permanent P.As (Grade C of the CSSS)		ther orders which-ever is earlier.
	T.R. Sharma K.S. Bhutani	}							Permanent P.As (Grade C of the CSSS)	Sr. P.A. (Grade B of the CSSS)	60 days w.e.f. 20-6-79 to 18-8-79 or un- til further orders which ever is earlier.

^{2.} The above-mentioned persons should note that their appointment as Senior P.A. (Grade B of the CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. The ad hoc appointments of S/Shri S.P. Mehra and O.P. Deora to Grade B of the CSSS for the period mentioned against their names is subject to the approval of the Department of Personnel & ARs.

S. BALACHANDRAN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 4th July 1979

No. O.II-992/72-Estt.—The services of Shri Kuldip Singh, Dy. S. P., CRPF are placed at the disposal of National Police Commission (MHA) w.c.f. 4-10-78 for appointment as Dy. S. P. on deputation basis.

2. Prior to his deputation to National Police Commission, (MHA) the headquarters of Shri Kuldip Singh, Dy. S. P. was Imphal (Manipur).

3. This Die, General notification No. O.IJ-992/72-Estt., dated 8-12-78 is hereby cancelled.

The 10th July 1979

1

No. O.II-67/72-Estt.—On his retirement from Government service. Lt. Col. V. K. Sahni, an officer of the Indian Army on deputation to the CRPF relinquished charge of the post of Principal, CTC-I, CRPF, Neemuch on the afternoon of 31st July 1976.

П

On his re-employment in the CRPF, Lt. Col. V. K. Sahni (Retd.) took over charge of the post of Principal, CTC-1, CRPF, Neemuch on the forenoon of 1st August 1976.

CORRIGENDUM

Reference this Directorate General Notification No. P.VII-4/73-Estt., dated 17-7-1973.

No. P.VII-4/73-Estt.—The name of Shri Bhup Singh at serial number 33 of the above mentioned notification may please be amended to read as 'Bhup Singh Yadav'.

No. D.I-13/78-Estt.—On their services having been replaced at the disporal of the CRPF by the Cabinet Secretariat, Government of India, the undermentioned officers are appointed as Dy. S. P. (Coy. Comdt/Quarter Master) in the units of this Force with effect from the dates mentioned against their names:—

S. No.	Name of the Officer	Unit	Date
1.	Shri S. C. Chawla	53 Bn	11-6-79 (FN)
2.	Shri H.S. Arneja	30 Bn	15-6-79 (AN)

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 30th June 1979

No. 10/35/78-Ad.I-11926.—The President is pleased to appoint Dr. B. K. Roy, Map Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Assis-

tant Registrar General (Map) on ad hoc basis in the same office, as Assistant Registrar General (Map) on regular basis, in a temporary capacity, in the same office with effect from the forenoon of 4th June 1979, until further orders.

The 5th July 1979

No. 11/78-79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Jaya Rao, an officer belonging to the Andhra Pradesh Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, with effect from the afternoon of 22nd June 1979 until further orders.

2. The headquarters of Shri Jaya Rao will be at Hydera-bad.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INSURANCE WING

New Delhi, the 5th May 1979

No. 51(12) Ins.I/76.—WHEREAS I, R. K. Mahajan, Controller of Insurance, am satisfied that the affairs of the Society known as Pen Friends Provident Insurance Company Limited, have been fully wound up;

NOW, THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub-section (5) of section 93 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), I hereby declare the said Society dissolved.

R. K. MAHAJAN Controller of Insurance

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 23rd June 1979

No. 4011(1)/79/AN-II.—(1) The undermentioned Accounts Officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation:—

Sl. No	Name with R	oster.	No.					Grade	Date from which trans- ferred to Pension Establish- ment	Organisation.
1	2							3	4	5
1.	S/Shri B.S. Malhotra (P/168)					,		Permanent Accounts Officer	31-8-78	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu,
2.	Takhat Singh . (P/612)							Do.	31-8-78	Do.
3.	R.L. Chibber (O/NYA)	•		•	•	•	•	Officiating Accounts Officer	31-10-78	Controller of Defence Accounts, (Air Force), Dehradun.
4.	R.R. Jolly (P/5)	•	•	•	٠			Permanent Accounts Officer.	31-3-79	Joint Controller of Defence Accounts (Funds), Meerut.
	K.K. Adkar . (O/138)	•	•	•	•	•	•	Officiating Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), Sonth Madras.
6.	S. Gopal krishnan (P/28)		•	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona
7.	S.R. Verma . (O/142)				•	•	•	Officiating Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
8.	Madan Lal Kapur (O/192)		•	ē	•	•	•	[Do.	31-3-79	Do.
9,	R. Jayaraman . (P/91)	•		•	•			Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.

1 -	- 12		-					3	4	5
_	S/Shri									
10. R	. Dovarajan . P/540)			•		•	٠	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.
	.L. Sharma P/597)		•	•				Permanent Accounts Officer	31-3-79	Do.
12. C	I.L. Makashir							Officiating Accounts Officer	31-3-79	Do.
13. F	O/25) Ram Chandra Guglani P/68)	i		•		•		Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts (AIR FORCE), Dehradum.
	P.R. Gopaladesikan P/214)		•	٠	-			Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
15. J	agadishwar Mukherjo O/NYA)	e						Officiating Accounts Officer	31-3-79	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.
16. I	O/NYA) O, Ramaswamy O/250)			٠	٠		•	Officiating Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
	R. Krishnamurthy P/347)				٠		•	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Joint Controller of Defence Accounts (Funds), Mecrut.
	Himat Rai Kapoor (O/245)				•			Officiating Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.
	B.S. Thapar							. Permanent Accounts Officer	31-3-79	Do.
20.]	(P/444) H.R. Şehgal				-	•		Permanent Accounts.Officer	31-3-79	Do.
21.]	(P/197) Baldev Mitra					•	-	Do.	30-4-79	Do.
22.	(P/22) K.L. Kapoor			•				Do.	30-4-79	Do.
23.	(P/256) M.G. Joshi - • (P/271)		•			,	•	Do.	30-4-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
	Ajit Kumar Basu . (P/504)				•			Permanent Acounts Officer	30-4-79	Controller of Accounts (Fys.) Calcutta.
	Om Prakash Ghai . (P/525)	•	•			٠		Permanent Accounts Officer	30-4-79	Controller of defence Accounts (Air Force), Dehradun.
26.	K. Venkatachalam (P/61)				٠	•		Permanent Account Officer	30-4-79	Controller of Defence Account Southern Command, Poona.
27.	K. Gopalakrishnan (P/370)			•	•	•		Officiating Accounts Officer	30-4-79	Controller of Defence Account (Air Force), Dehra Dun.
28.	H.K. Gupta (P/339)		•				•	Permanent Accounts Officer	30-4-79	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
29.	K. Krishnan . (P/23)		•	•	•	٠	•	Do.	30-4-97	Controller of Defence Account Southern Command, Poona.
30.	P.L. Syal (P/452)	•	•		•	•	-	Do.	30-4-79	Controller of Defence Account Southern Command, Poona.
31.	R. Srinivasan (P/66)			•		•	,	Do.	30-4-79	Do.
32.	M. Damodaran (P/159)			•				Do.	30-4-79	Do.
33.	H.L. Kharbanda							. Officiating Accounts Officer	30-4-79	Do.
34.	(O/272) K. Bhaktavatsal Rac (P/56))		-		•		. Permanent Accounts Officer	30-4-79	Controller of Defence Account (Other Ranks), South, Madras.
35	. N. Krishnamurthy (P/319)	٠	-					. Do.	30-4-79	•

1	l 2							3	4	5	
	S/Shri						_			,,,,,,,,	
	6. T. Abraham, (O/118)		•	•	•	•		Officiating Accounts Officer	30-4-79	A	ofence Ranks
	V. K. Visveswaran (NYA)	•	•	•	٠	•		Do.	28-2-79	Do.	
	S. S.S. Shenitkar . (NYA)	٠		•	•			\mathbf{D}_0 .	30- 1-79		once licer),
39.	v. Y.W. Tare, . (O/394)	•	•	٠	•	٠		Do.	31-5-79	Do.	
	. M.V. Mandavgane, (P/528)		ı		•	•		Permanent Accounts Officer	31-5-79	Controller of D Accounts Southern Con Poona.	efence mman
41.	. S. Ramasubramania (NYA)	m,		٠				Officiating Accounts Officer	31-5-79	Do.	
12.	J. Ramanand (P/320)	•	i	•	٠			Permanent Accounts Officer	31-5-79	Do.	
13.	A.S. Venkatasubram (P/113)	aniam						Do.	31-5-79	Do.	
14.	C. Bapiraju, . (P/136)			•				Do.	31-5-79	Do.	
15.	Hari Ram Batra, (P/124)	•		•			-	Do.	31-5-79	Controller of Defence Acc (Air Force), Dehradun,	ounts
ļ6.	Ramapada Roy, (P/191)		•		٠	٠		Do.	31-5-79	Controller of Defence Acc Patna.	ounts
7.	S.N. Phathak, (O/242)				-	•		Officiating Accounts Officer	31-5-79	Controller of Defence Acc	ounts
8.	K. Padmanabhan, (P/74)	,				٠		Permanent Accounts Officer	31-5-79	Poona-1. Do.	
9.	V.R. Seshadri . (P/245)	•				•		. Do	31-5-79	Do.	
	G.S. Kulkarni, (O/13)	•			٠	•		Officiating Accounts Officer	3-5-179	Controller of Defence Acc (Other Ranks),	coun 1
	M.V. Ramamurthy, (P/4)	,		•		•		Permanent Accounts Officer	31-5-79	south Madras. Do.	
2 1	D.N. Venkataraman, (P/142)			•	•			Permanent Accounts Officer,	31-5-79	Do.	
3.	S. Ramanathan, (P/393)							Permanent Accounts Officer	31-5-79	Do.	
1,	O.P. Vaish, (P/I)						•	Permanent Accounts Officer	31-5-79	Controller of Defend Accounts (Pensions) Allahabad.	e:

(1) The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts officers.

SI. Name Grado & R No.	oster N	lo,						Date of death	Struck of Organisation strength of the Deptt.
S/Shri									
1. R.C. Aggarwal, Pt. AO (P/487)	٠	•	•	٠	•	•	٠	10-12-78	11-12-78 CDA NC Jammu. (FN)
2. I.S. Sarna, Pt. AO (P/234)	•			•		•	•	18-1-79	19-1-79 Jt. CDA (Funds) Meerut. (FN)
3. P.N. Malhotra, Pt. AO (P/363)					•	ė		6-2-79	7-2-79 CDA (Ors) North Mecrut.
 Gokul Chandra Das (Offg, AO O/388) 	•	•		,	•			22-3-79	23-3-79 CDA CC Meerut. (FN)

Delete Sl. No. 34 of this office No. 40011 (2)/78/AN-A dated 5-8-1978 pertaing to Shri Joga Singh Pt. AO (P/446).

^{2.} Having given notice of voluntary retirement from service on 12-10-78 under the provisions of Article 459(1) CSR Vol-I (corresponding Rule 56 (k FR) and the same having been noted Shri T.V. Srinivasan Pt. AO (P/55) transferred to and half Pay Leave for 121 days from 18-12-178 to 17-4-1979 preparatory to his retirement.

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD DGOF HQRS. CIVIL SERVICE SCHEME

Calcutta, the 2nd July 1979

No. 9/79/A/E-1(NG)—The DGOF/Chairman is pleased to promote the following individuals in offg. capacity without effect on seniority in grades and on dates shown against each :-

Shri Sudarsan Barua, . Permt. Asstt.			•	•		Offg,. Assistant Staff Officer, (Group 'B' Gazetted)	4-5-79
 Shri Sati Nath Mukherjee, Permt. Asstt. 			•	,		Do.	Do.
3. Shri Sakti Ram Mukherjee, . Permt. Asstt.			•			Do.	Do.
4. Shri Sunity Kr. Bhattacharjee, Permt. Asstt.	•	•	٠			Do.	Do.
 Shri Durgapada Mandal, Permt. Asstt. 	٠		ď			Do.	Do.
6. Shri Manindra Nath Gupta, Permt. Asstt.	•		,			Do.	Do.
7. Shri Santosh Ch. Sarkar, Offg. Assit.		•	•	•	•	Do.	Do.

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/ADMIN for ORDNANCE FACTORY BOARD

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTE

Bombay-400022, the 25th June 1979

No. 15'10/79-Estt.-The Director General, Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri T. C. Saha, as a Research Officer (Chemical) in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15th June 1979, until further orders.

> A. K. CHAKRABARTY Director General

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 27th June 1979

No. EST.I-2(575)/3057.—The Textile Commissioner 18 pleased to appoint Shri S. D. Kamble, Assistant Director, Grade I (Non-Technical) on regular basis with effect from 4-3-1979, and until further orders in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

> J. C. HANSDAK Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF FXPLOSIVES

Nagpur, the 29th June 1979

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7) dated the 11th July, 1969, add the following under Class 3-Division 1, namely:

- (i) add "DENESPEX—U.K. make provisionally 8th May, 1980, for use in underground Coal Gassi Mines" after the entry "CORDITE WM",
- (ii) add "DYNAMITE III—Belgium make" before the entry "GELAMEX-B-U.K. make".

I. N. MURTY

Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th June 1979

No. A.19012(91)/77-Estt, A.—Shri R. N. Koshta, nent Senior Technical Assistant is promoted to officiate as Assistant Research Officer (O.D.) in this department on regular basis with effect from 14th June 1979 (AN) until further orders.

No. A.19012(100)/77-Estt.A.—Shri V. K. Tarsekar, permanent Senior Technical Assistant (Chemistry) is promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in this department on regular basis with effect from 14th June 1979 (F/N) until further orders.

> S. BALAGOPAL Head of Office

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 3rd July 1979

No. F1-5520/579-Scl.74(Cl.II).—In continuation of this office Notification No. F1-5371/579-Scl.74(Cl.II), dated 30th May 1978 the ad-hoc appointment of Shri J. M. Sharma, Officer Surveyor in Group 'B' Service is further extended for a further period of six months w.c.f. 31-3-1979 or till the nost is filled on a regular basis whichever is carlier. post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

> K. L. KHOSLA Major-General Surveyor General of India

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA New Delhi-1, the 5th July 1979

No. F.20(C-15)5/61-A,1(Vol. 11).—Shri D. K. Chaudhari, Microphotographist expired on 16-6-1979.

> B. S. KALRA Administrative Officer National Archives of India for Director of Archives

14-166GI/79

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY BOTANICAL SURVEY OF INDIA

OFFICE OF THE DIRECTOR

Howrah-711103, the 22nd June 1979

No. BSI-66/123/79-Estt.—The Director, Botanical Survey of India hereby appoints Shri Debdatta Basu, Section Officer in the Office of the Accountant General, I, West Bengal, Calcutta as Accounts Officer, Central Office, Botanical Survey of India, Shibpore, Howrah in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in an officiating capacity on deputation for a period of one year in first instance with effect from the forenoon of 7th June 1979 until further orders.

B. N. SEN GUPTA Sr. Administrative Officer

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 5th June 1979

No. F.93-152/79-Estt./12006.—Shri K. N. Bhattacharya, Office Superintendent, Headquarters Office, Zoological Survey of India, Calcutta, is hereby appointed to the post of Junior Administrative Officer (Group-B) in the scale of Rs. 650—1200 in the same Department at the Headquarters Office, Calcutta in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from 8-6-79 (forenoon), until further orders.

Dr. T. N. ANANTHAKRISHNAN
Director
, Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 30th June 1979

No. 3/96/60-SII.—Shri Ershad Ali, Administrative Officer, AIR, Imphal expired on 12-4-1979.

Y. VARMA
Section Officer
for Director General

New Delhi, the 30th June 1979

No. 10/1/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Mohinder Singh Badhan, Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Leh with effect from the forenoon of 30th May 1979, until further orders.

The 4th July 1979

No. 10/4/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. William Carey, Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at Doordarshan Kendra, Srinagar with effect from the forenoon of 7th May 1979 until further orders.

The 6th July 1979

No. 10/2/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. Krishnan, Senior Engineering Assistant All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Kurseong with effect from the forenoon of 30th April 1979, until further orders.

O. B. SHARMA
Dy. Director of Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 4th July 1979

No. 5/3/62-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri R. B. L. Moria, a permanent Technical Assistant and Offg. Superintendent, Films Division, New Delhi, as Asstt. Administrative Officer in a temporary capacity with effect from the 1st June 1979 (FN) until further orders.

No. 5/19/65-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri K. Sellan, a permanent Junior Booker and Officiating Salesman in the Films Division, Bangalore, to officiate as Branch Manager, Films Division, Trivandrum, with effect from the 8th June 1979 (AN) vice Shri V. K. Nair, Officiating Branch Manager, transferred to Bangalore.

M. CHANDRAN NAIR Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (DRUGS SECTION)

New Delhi, the 17th July 1979

No. A.12025/5/78-D.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Sangeet Kumar Sinha to the post of Drugs Inspector in the office of the Deputy Drugs Controller (India), Central Drugs Standards Control Organisation, North Zone, Ghaziabad, on a purely temporary basis, with effect from the forenoon of the 14th June 1979 and until further orders.

R. BALASUBRAMANYAN

Dy. Drugs Controller (India)

for Director General of Health Services

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 18th May 1979

No. PA/81(1)/78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned permanent Foreman of Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB with effect from the forenoon of February 1, 1979, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders:

S. No. and Name

- 1. Shri Mahadeo Ambaji Julkar,
- 2. Shri George Lobo.

V. R. PATGAONKAR Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 21st June 1979

No. DPS/2/1(1)/77-Adm./16638.—In continuation of this Directorate Notification of even numbers dated July 10, 1978 and July 29, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepers of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officers in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad hoc basis in the same Directorate for the periods mentioned against each:—

- (1) Shri V. V. Nair-1-8-1978 to 5-2-1979 (FN).
- (2) Shri M. R. Menon-1-8-1978 to 31-1-1979 (FN).
- (3) Shri Wazirchand (CSK)--1-10-1978 to 28-2-1979 (FN).

C. V. GOPALAKRISHNAN
Assistant Personnel Officer

Bombay 400001, the 30th June 1979

No. DPS:23/8/77-Estt/17037—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Assistant Accountants to officiate as Assistant Accounts Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate for the periods indicated against each:

Sl. Name No.	From	То
1 2	3	. 4
1. Shri J.G. Sathe	29-3-79 (FN) 21-5-79 (FN)	2-5-79 (AN) & 30-6-79 (AN)
2. Shri A.M. Parulkar	9-5-79 (FN) 14-5-79 (FN)	8-6-79 (AN) 13-6-79 (AN)

B.G. KULKARNI Asstt. Personnel Officer

Bombay-400001, the 30th June 1979

No. DPS:A:11013:45:76:Est/17077.—On transfer from Nuclear Fuel Complex, Liaison Cell, Bombay, Shri Chalakudy Venkitachalam Gopalakrishnan, a temporary Assistant Personnel Officer has been appointed in the Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy in the same capacity with effect from the forenoon of June 7, 1979 and until further orders.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 3rd July 1979

No. AMD-1/7/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shu V. V. Ramachandra Rao, Auditor, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, as officiating Assistant Accounts Officer on deputation in the Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of June 8, 1979 unul further orders.

No. AMD-1/7/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. K. Das, Section Officer, Office of the Accountant General, Assam, Meghalaya, Afunachal Pradesh and Mizoram, Shillong, as Assistant Accounts Officer on deputation in Atomic Minerals Division with effect from 1-1-1979 (FN) until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 27th June 1979

No. $\Lambda.32023/1/77/R-16055.$ —S/Shri R. Rajamani and K. Narayanamurthy who were promoted to officiate on an ad hechasis from the forenoon of May 21, 1979 vide this Centre's Notification of even number dated June 2. 1979 have relinquished charges of the said posts with effect from the alternoon of June 20, 1979.

CORRIGENDUM

The 30th June 1979

The words "Feb 1, 1979" appearing in this Centre's Notification No. A.32013/7/79/R/18566, dated May 30, 1979 may please be corrected to read as "March 1, 1979".

T. S. V. AIYAR Administrative Officer for Project Director

Kalpakkam, the 21st June 1979

No. A.32023/1/77/R-9672.—In continuation of this Centre's Notification of even number dated June 2, 1979, the Project Director, Reactor Research Centre is pleased to extend the appointment of Shri M. Krishnamoorthy, a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Stenographer of this Centre as Assistant Administrative Officer in the Reactor Research Centre on an ad hoc basis, for a further period from the forenoon of May 27, 1979 to the afternoon of June 2, 1979.

T. S. V. AIYAR
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th June 1979

No. A 32013/4/78-EC—In continuation of this Deptt. Notifications No. A. 32013/4/78-EC dated 20-11-78 and dated 6-2-79, the President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of the following two Senior Communication Officers for a further period indicated against each or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier:—

S. No. Name			_	Station of posting	Period of ad-hoc sanction.
1. Shri R.C. Chitkara		•	•	Regional Director, CAD Bombay Airport, Bombay.	Beyond 29-3-79 and upto 30-6-79.
2. Shri N.B. Mathur				Regional Controller of Communication, Calcutta.	Beyond 26-4-1979 and upto 26-7-1979

S.D. SHARMA Deputy Director of Administration.

New Delhi, the 22nd June 1979

No. A-32014/1/78-EA—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers upto he date mentioned against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

S. No.	Name											Date	Station of posting
1	2							<i>,</i>	•		 	3	4
S/S	Shrl										 	-	-
1. H.S.	Sandhu											5-11-79	Amritsar
2. K.C.	. Jharia		•									6-11-79	Jabalpur
3. C.V.	. Joseph											5-11-79	Madurai
4. H.D	. Ghosal		-						-			5-11-79	Belgaum
5. P. R	Laghvan				-							5-11-79	Madurai
6. P.K	. Dey											5-11-79	Begumpet
7. M.R	t. Naidu									25		5-11-79	Trivendrum
8. Han	s Raj							•				30-6-79	R.D. Office, New Delhi.
9. M.K	C. Roy Chov	vdby	ry			,	,					5-11-79	Dum Dum
10. J.R.	Soni											5-11-79	Varanasi
11. P.N.	. Dhar											5-11-79	Palam
12. M.S	. Sharma				,							30-6-79	Jaipur
13. R.D	. Bajpai											5-11-79	Dum Dum
14. J.L.	Kapoor											5-11 - 79	Bhuj
15. M.C	3. Thorat											5-11-79	Nagpur
16 Pren	n Kumar											5-11-79	
17. V.S.	.R. Rao			•								5-11-79	Vijayawada
18. L.C	. Chandwan	i										5-11-79	Bombay (Juhu)
19. K.R	. Pandulai											5-11-79	Trivandrum

V.V. JOHRI Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE VANA ANUSANDHAN SANS

Bombay, the 5th July 1979

No. 1/37/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. Venkateswara Reddy, as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in D.T.S., Poona, with effect from the forenoon of the 28th April 1979 and until further orders.

No. 1/482/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri T. Ramamurthy, Supervisor, Madras Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, on ad-hoc basis, in the same Branch, for the following periods:—

- (1) from 1-11-78 to 23-12-78.
- (2) from 30-1-79 to 27-2-79.

The 7th July 1979

No. 1/51/79-Est.—Shri Uday Kumar Sinha, Temporary Assistant Engineer, D.T.S., Poona was permitted to resign his appointment with effect from the afternoon of the 16th May 1979.

No. 1/84/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Tirkey, Supervisor, Calcutta Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, on ad-hoc basis, in the same Branch, for the periods from (1) 26-12-1978 to 13-1-1979 and (2) 27-1-1979 to 17-2-1979.

No. 1/455/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. D. Garg, Technical Assistant, Dehradun, as Assistant Engineer in an officiating capacity, in the same Branch on ad hoc basis, with effect from the forenoon of the 5th September 1978 to the 13th October 1978.

H. L. MALHOTRA

Dy. Director (Admn.)

for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 4th July 1979

No. 16/321/79-Ests-L.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Anoop Kumar Rai as Research Officer at the Forest Research Institute and College, Dehra Dun with effect from the foremoon of 25th June 1979 until further orders.

GURDIAL MOHAN

Kul Sachiv

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 6th July 1979

No. 7/79.—Shri R. K. Kohli, Inspector (SG) of Central Excise of Delhi Collectorate, presently on deputation to the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, on his promotion as Supdt. Central Excise, Group 'B' Vide Central Excise Collectorate Delhi Estt. Order No. 183/1979, dated 11-6-79, is appointed as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' in the Headquartets office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at New Delhi with effect from 16th June 1979 (FN).

DAYA SAGAR Director of Inspection

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 9th July 1979

No. II(7)2-ET/79/9769.—Sri K. P. Sinha, officiating Assistant Collector of Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 30th June 1979 (A.N.).

D. K. SARKAR Collector

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior, the 5th June, 1979

No. 2—The following officers are hereby appointed in sustantive capacity to the grade of District Opium Officer/Supdt. (Executive) Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-11000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against each:

S. No. Name and designation					-	Date from which Con- firmed.	Post against which confirmed.
S/Shri 1. A. K. Das, District Opium Officer, Mandsaur-II			,			1-10-73	Post sanctioned vide Ministry of Finance, (Deptt. of Rovenue & Insurance), New Delhi F. No. 11012/7/73-Ad IV. dat.d
2. K.P.N. Rai, Supdt, (Executive), Kota.						27-1-75	7-5-74.
3. Santokh Singh, District Opium Officer, Jhalawar						27-1-75	
4. J. Maganji, Distt. Opium Officer, Bhawanimandi						27-1-75	Do.
5. S.P. Srivastava Distt. Opium Officer, Barabanki-Il						1-2-75	Do.
6. D.B. Sharma, Distt. Opium Officer, Burdwan .						9-2-76	Do.
7. B.L. Bhandari, Distt. Opium Officer, Chittorgarh-I	i					12-2-76	Do.
8. R.P. Nirmal, Distt. Opium Officer, Mandsaur-I		•	•	•	-	12-2-76	Post sanctioned vide Ministry of Finance, (Deptt. of Revenue & Insuance), New Delhi F. No. 11012/5/74-Ad. IV dated 5-4-75.

M. L. WADHAWAN Narcotics Commissioner of India

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 29th June 1979

No. A-19012/745 78-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri A. K. Giri, Supervisor (Electrical) under the Government of Sikkim, as Assistant Engineer (Flectrical) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on ad hoc basis for a period of one year w.c.f. 1-10-1978 to 30-9-79.

Shri A. K. Giri assumed charge of the post of Assistant Engineer in the office of Lower Lagyap Hydel Project Circle with effect from 30-9-78 (AN).

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 3rd July 1979

No. 27-S/G(4)/70-EC.II.—The President of India has been pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shu R. B. Gupta, Superintending Engineer (Civil), C.P.W.D., to retire from Government service. Accordingly Shri Gupta retired from Government service in the afternoon of 21st June 1979.

B. R. RATTU Dy. Director of Admn. for Director-General (Works)

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION DEPARTMENT OF REHABILITATION

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Mona Camp, the 3rd July 1979

No. P.2/58/19935-P.—In continuation of this office Notification No. P.3/1/78-3014P dtd. 4th September 1978 the officiating appointment of Shri A. Gopala Rao, on ad hoc busis in the post of Assistant Engineer (Group B) in the scale of

Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB -40—1200 in the Rehabilitation Reclamation Organisation posted in FMU-7(B) Jagdalpur, Dist. Bustar (MP) is extended for a further period of 3 months with effect from 1-4-79 to 30-6-79.

2. Shri A. Gopala Rao, officiated as Assistant Engineer on ad how basis is reverted to his original post of Supervisor with effect from the AN of 30-6-79 and posted in FMU-7 (B), RRO, Jagdalpur, Dist-Bastar (MP).

O. S. GUPTA Chief Mechanical Engineer

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Patna, the 27th June 1979

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kwality Ice Creams (Jamshedpur) Private Limited

No. (1311) 78-79/1199.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kwality Ice Creams (Jamshedpur) Private 1 imited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE Registrar of Companies, Bihar, Patna

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Keselec Railway Supply Company Private Limited

Srinagar, the 30th June 1979

No. PC/379/2596.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Keselec Railway Supply Company Private

Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

M. M. SINGH

Registrar of Companies

Pondicherry-1, the 7th July 1979

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Balamurugan Chit Fund (Pondicherry) Private Limited

No. 93/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company 'Balamurugan Chit Fund (Pondicherry) Private Limited', unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA

Registrar of Companies, Pondicherry

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M. P. Nihalani and Co. Private Limited

Cuttack, the 21st June 1979

No. S.O. 722/304.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of Companies Act, 1956 that the name of M/s N. P. Nihalani & Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL Registrar of Companies, Orissa

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Jyoti Silk Mills Private Limited

Bombay, the 5th July 1979

No. 583/8400/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the lyoti Silk Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

SHRI RAM

Asstt. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

(CADRE CONTROL AUTHORITY)

Kanpur, the 28th June 1979

ORDER

No. 18—The following Inspectors of Income-tax are appointed to officiate as Income-tax Officers (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with immediate effect and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available. On promotion, their services are placed at the disposal of the Commissioners of Income Tax indicated against each:—

St. Name of the official	 				 	Services placed at the disposal of.
1. Sri R.P. Agarwal, Meerut .	٠.					C.I.T., Agra.
2. Sri Suresh Chandra (SC), Kanpur						Cl.T. Kanpur,
3. Sri Patirakhan Lal (SC), Kanpur		•	•	•		C.I.T., Agra.

No. 19—Shri Suresh Chandra (SC) whose services are placed at the disposal of C.I.T., Kanpur is hereby posted as tax Recovery Officer, 'A', Kanpur.

No. 20—Shri R.R. Hemrajani, Tax Recovery Officer 'A', Kanpur is hereby transferred and his services are placed at the disposal of C.J.T., Mecrut.

B. GUPTA
Commissioner of Income-tax
(Cadre Control Authority)
Kanpur

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1921.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Devki Devi W/o Shri Labhu Ram 4/1, Central Town Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Sukhdev Kumar and Naresh Kumar Ss/o Shri Bir Bhan Mandi Fenton Ganj, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration sule deed No. 5414 of November, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 6-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1922.—Whereas, J. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable' property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur Cantt. on November, 1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 268C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following Persons; namely :-

(1) Shri Telu Ram Jain S/o Shri Dhanna Ram Jain R/o 34 Haqiqat Rd. Jullundur Cantt, (Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh Sandhu S/o Shri Sulakhan Singh Sandhu R/o Kothi No. 35 Haqiqat Rd. Jullundur.

(Transferce)

(PART III -SEC. 1

(3) As per schedule.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5672 of November, 1978 of the Registering Authority, Juliun-

> B. S. DEHIYA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Dute: 6-7-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 6th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1923.—Whereas, I, B. S DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

15-166GI/79

Shri Sanmukh Singh
 S/o Shri Ram Singh
 R/o Sodal Rd. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Wanti W/o Sh. Chaman Lal R·o H. No. 177 Sodal Rd. Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2

[Person in occupationof the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 5965 of November, 1978 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA, Competent Authority, Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 6-7-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULI.UNDUR

Jullundur, the 6th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1924.—Whereas, J. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Anokh Singh Advocate R/o Basti Danishmandan, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Mahanbir Singh Minhas
 S/o Shri Jarnail Singh
 R o 168-New Jawahar Nagar, Jullundur,
 (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale deed No. 6499 of December, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 6-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1925.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Jullundur on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- S/Shri Kundan Lal. Chanan Singh Ss/o Shri Rur Singh R/o Sanghwal.
- (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh So Shri Ujagar Singh S/o Shri Jagat Singh R/o 32-Gian Nagar Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2
 [Person in occupation of the property]

 (4) Any other person interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows

to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

I XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5715 November, 1978 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1979

Ref. No. A.P. No. 1926.-Whereas, I, B. S. DEHIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at

Juliundur on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the vaid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 S/Shri Krishan Lal, Kharaiti Lal and Romesh Chander and Jugal Kishore Ss/o Shri Sant Lal Kapoor R/o 4-Shiv Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur W/o Shri Avtar Singh C/o A. S. Machine Tools, Preet Nagar, Sodal Rd. Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 5596 of November, 1978 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date: 7-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amiitsar, the 24th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/51.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land measuring 245.5 sq. mtrs situated at gali No. 3, Daya Nand Nagar, Duni Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in October, 1978

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Madan Lal s/o Shri Kundan Lal, Calcutta through Sh. Tara Chand s/o Shri Hari Chand, R/o 76, Keneddy Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Miri Mal s/o Sh. Gehna Mal & Shri Hans Raj s/o Shri Miri Mal, R/o Ktr. Moti Ram Gali Bagh Wali. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the understand kn

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 245.5 sq. mtrs. Khasra No. 18 situated in Daya Nand Nagar, Duni Chand Road, Amritsar as mentioned in regd. deed No. 2531/1 dated 10-10-78 of the registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-5-1979 -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsor, the 24th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/50.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One 4 building No. 1860 situated in Ktr. Sher Singh situated at (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Sheela Anand alias Sheela Wati wd/o Sri Ram Anand r/o Katra Sher Singh, House No. 1860, Amritsar,

(Transferor)

(2) Srnt. Veena Mahajan w/o Sh. Sat Pal Mahajan, r/o Katra Sher Singh House No. 1860, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One three storeyed building 4 share, No. 1860 situated in Katra Sher Singh, Amritsar as mentioned in regd. deed No. 2633, dated 20-10-78 of the registering authority, Amritsar.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/49.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One single Storey house situated in Railway Colony No. 4 Kot Khalsa, Amritsar, situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Harjinder Kuur w/o S. Malkiat Singh, H. No. 236. Railway Colony No. 4, Kot Khalsa Amritsar.

(Transferor)

 Sh. Avtar Singh Gill Institute of Textile Technology, P.O. R.S.M. Amritsar.

(Transferce)

(3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storey house with No. 236 with plot of land measuring 333 1/3 sq. mtrs. situated opposite Railway Colony No. 4, Kot Khalsa, Amritsar as mentioned in registered deed No. 2055/1 dated 12-10-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-5-1979

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/46.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One building of single storey situated in Chatiwind, Amritsar situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Amritsar in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Manohar Singh s/o S. Gurmakh Singh, r/o Gali Kandharian, Nimak Mandi, Amritsar (House No. 1062/8)

(Transferor)

(2) M/s. Guru Ram Das Ice Factory, 62-Sant Nagar, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building single storey with land area 225.76 sq. mtrs. bearing plot No. 143, Khasra No. 249, Khana Sumari No. 7675/16-25, Municipal Committee, situated in Chatiwind, Kot Mahan Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2450 dated 5-10-178 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 19-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/47.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 106 sq. mtrs situated in Cheel Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16-166GI/79

 S. Kirpal Singh s/o S. Arjan Singh r/o Village Pind Nawan, Tehsil & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur Khurana w/o S. Tarlochan Singh, r/o Bajar Cheel Mandi, Katra Mhan Singh, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 106 sq. mtrs. situated in Cheel Mandi Katra Mahan Singh, Kita No. 2670-2671, 2440 & 2087/1-23 as mentioned in sale deed No. 2632 dated 20-10-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 19-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/48.—Whereas, I. M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land measurign 106 sq. mtrs situated in Bazar Cheel Mandi situated at Amritsai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Amritsar in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S. Kirpal Singh s/o S. Arjan Singh r/o Village Nawan Pind, Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Khurana Timber Store, Cheel Mandi Bajar, Amritsar,

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 106 sq. mtrs. situated in Bajar Cheel Mandi, Amritsar, Khola No. 2670-71, 2443/1-28 and 2087/1-22 as mentioned in registered deed No. 2878/1 dated 8-11-78 of the registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 19-5-1979

SeaI:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE 691/1/10 PUNE SATARA ROAD, PUNE-9

Pune-9, the 13th June 1979

Ref. No. CA.5/Igatpuri 'Feb.79/449/79-80.-Whereas, I. SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 563A & 563B situated at Igatpuri, Dist. Nasik (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Igatouri on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Kekobad Peshoton Ghandy, J.J. Building, 1st Floor, 277 Tardeo Road, Bombay-400 007.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Chandrakant Anandrao Bhojane,

 - Shri Chandrakani Anandrao Bhojane, Vijay Nivas, Gok-hale Road, Thane.
 Shri Vasant R. Pradhan, Shivaji Path, Thane.
 Smt. Vidya G. Deshpande, 11 Vilasani, Shivaji Path. Thane.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing CTS No. 563A admeasuring 16091-13 Sq. Meters & CTS No. 563B admeasuring 1513-66 Sq. Meters with a building bearing House No. 78 situated at Igatpuri Dist. Nasik.

> SMT. P. LALWANI. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 13-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE 691/1/10 PUNE SATARA ROAD, PUNE-9

Poona-411004, the 18th June 1979

Ref. No. CA5/SR Haveli II/Dcc 78/451.—Whereas, I. SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS No. 768 Sadashiv Peth, Pune 30 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II on 14-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

believe that the fair maraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) The Pune Municipal Corporation Servant Corporation Servant Co-op. Bank Ltd., Chairman, K. P. Unavane 768, Sadashiv Peth Poona-30,

(Transferor)

(2) Shripad Shivallabh Sahakari Griha Rachana Sanstha 768 Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

CTS No. 768 Sadashiv Peth Pune-30 Area 373.10 sq mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2167 dated 14-12-78 in the office of the Sub-Registrar. Haveli-II).

> SMT. P. I.ALWANI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 18-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, POONA-411004.

Poona-411004, the 18th June 1979

Ref. No. CA.5/SR.Haveli II/Dec 78/452.—Whereas, I, SMT. P. I.ALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 57/2 Sub Plot No. 3, F. plot No. 86/3 situated at Erandawana, Pune-4,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haveli, II, Pune on 5-12-78

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri S. B. Kelkar & 5 others M.T.G. Block D/50 Block No: 469, Gandhi Nagar Bandra (East). Bombay-400051
 - 2. Shri D. B. Kelkar "Madhu Malati" 13th Lanc Prabhat Road, Pune-411004.
 - Shri V. B. Kelkar,
 4-A, Suresh Colony, S.V. Road,
 Vile Parc. Bombay-400056.
 - 4. Smt. Padma R. Kalekar
 - 5. Shri Vasudeo R. Kelkar
 - Master Vidyadhar R. Kelkar (Minor) Kashi Niketan, Chembur-Govandi Road, Chembur, Bombay-400071.

(Transferor)

(2) Kanchan Gauri Co-operative Housing Society, 86/3 Kanchan Galli Erandawana, Pune-411004.

(Transferee)

(3) Members of the society.

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building situated Survey No. 57/2, Sub-Plot No. 3 Final Plot No. 86/3 Kachari Galli, Erandawana, Pune-4. (Property as described in the sale deed registered under No. 2056 dated 5-12-78 in the office of the Sub-registrar, Haveli-II).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 18-6-1979

Scal:

FORM ITNS ---

 Kirloskar Tractors Limited, Nasik Road-422101.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Cromption Greaves Limited, Kanjur Bhandup, Bombay.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, POONA-9

Poona-9, the 19th June 1979

Ref. No. CA.5/SR.Nasik/Dec 78/450.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 58, in Nasik, Industrial Area situated at Satpur Taluka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nouce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 58, in Nasik Industrial Area, Satpur Taluka, Dist. Nasik, admeasuring 12936 sq. mts with buildings structures installation thereon.

(Property as described in the sale deed registered under No. 334 dated 13-12-78, in the office of the Spb-Registrar, Bombay.

Smt. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 19-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57-RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th April 1979

Ref. No. 82-B/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable proverty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing,

No. 64-B/3 situated at Alopi Bagh, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 21-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi Pandey

(Transferor)

(2) Shri Brij Kishore Agarwal & Smt. Surja Devi Agarwal.

(Transferee)

(3) Smt. Shanti Devi Pandcy.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 64-B/3 Alopi Bagh Allahabad alongwith lease plot No. 173, Alopi Bagh Avas Yojna Allahabad and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 5072 and sale-deed duly registered at office of the Sub-Registrar Allahabad on 21-11-1978.

AMAR SING BISEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 4-4-1979

(1) Shri Mohammad Alim

(Temsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Radhey Shyam

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57-RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 1st May 1979

Ref. No. R-133/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Hal portion of house No. 72 situated at Major Ganj, Distt. Sultanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sultanpur on 20-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of house Number 72 situated at Mohalla Major Ganj, Distt. Sultanpur and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 3121 and; sale-deed duly registered at Office of the Sub-Registrar Sultanpur on 20-11-1978.

AMAR SING BISEN.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 1-5-1979

(1) Shri Mohammad Alim

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57-RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 1st May 1979

Ref. No. O-13/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Half portion of house No. 72 situated at Major Ganj, Distt, Sultanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Sultanpur on 20-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17--166 GT/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of house Number 72 situated at Mohalla Major Ganj, Distt. Sultanpur and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 3120 and sale-deed duly registered at Office of the Sub-Registrar Sultanpur on 20-11-1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 1-5-1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th May 1979

C.R. No. 62/22023/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant site bearing No. 13 situated at Sapper Officer's Colony, Bangalore, in the lay-out formed by the Madras Sapper Officer's House Building Co-operative Society Ltd., sin S. Nos. 97, 98/2, 98/3, 98/5, 99/1, 99/2 and 100 in Doddigunta Jeevanahalli Village, Bangalore. (Division No. 49).

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 1769/78-79 on 4-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acfresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Sarat Chander, S/o Sri K. V. Banuchandia Pal, residing formerly at "Shanti Sadan", Red Fields, Coimbatore and presently at Emerald Valley Estate Emerald P.O. Nilgiris represented by Sri Akul Sunder Rai (Col. Retd.).

(Transferor)

(2) Mrs. Ponnamma John, W/o (Late) Capt. K. C. John, No. 57, Charles Campbell Road, Cox Town. Bangalore-560005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1769/78-79, dated 4-10-1978) Vacant site bearing No. 13, Sapper Officer's Colony, Bangalore, in the lay-out formed by the Madras Sapper Officer's House Building Co-operative Society Ltd., in Survey Nos. 97, 98/2, 98/3, 98/5, 99/1, 99/2 and 100 in Doddigunta Jeevanahalli Village, Bangalore. (Division No. 49).

Boundaries :-

East: Site No. 14. West: Site No. 35. North: Site No. 33 and South: Road.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 14th May 1979

C.R. No. 62/22279/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 77/80 (old), New No. 23, situated at Ratnavilas Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 2382/78-79 on 26-10-1978 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly transfer as agreed to between the parties has not been truly of i---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri N. Selvaraj, S/o Sri P. S. N. Naidu, and Smt. S. Lalitha, W/o N. Selvaraj, No. 523, Rathnavilas Road, Bangalore City.

(Transferors)

(2) Shri A. N. Parthasarathy, S/o K. Ananthanagara, 62/95, Surveyor Street, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2382/78-79, dated 26-10-1978) House Building bearing No. 77/80 (old) and New No. 23, Ratnavilas Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

H. THIMMAIAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-5-79.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th May 1979

C.R. No. 62/22326/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Site No. 503/48, situated at 40th Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar, Bangalore Doc. No. 2133/78-79 on 24-10-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri D. S. Nagaraj, S/o Late Devatha Sreeramaiah Chetty.
 - 2. Shri D. N. Pradeep Kumar, S/o D. S. Nagaraj.
 - 3. Shri D. N. Praveen Kumar (minor) rep. by his father and natural guardian Shri D. S. Nagaraj all are residing at No. 163, 37th Cross, 7th Main Road, V. Block, Jayanagar, Bangalore-41.

(Transferors)

(2) Belagodu Trust, No. 313, 40th cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11, represented by its Managing Trustee Sri Belagodu Krishnaiah setty No. 275/ 1, 9/2 A main Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2133/78-79, dated 24-10-1978) Site No. 503/48, 40th Cross, 8th Block, Jayanagar, Baugalore-11.

Boundaries:

North: Road,

South: Site Nos. 514 and 513, East: Site No. 502 and

West: Site No. 504.

H. THIMMAIAH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 14th May 1979

C.R. No. 62/22741/78-79/ACQ/B.-Whereas, I, H. THIMMAIAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Corner vacant site bearing No. 144/1-B (144/3) situated at Mysore Road, Bangalore (Divn. No. 24),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagud Bangalore, Doc. No. 2353/78-79, on 16-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons. namely :---

Shrimati Kamala Seshadri, W/o Sri R. K. Seshadri No. 71, Pachalappa's Hostel Road, Chetpet, Madras-31, Rept. by her G.P.A. holder Sri U. Keshavan.

(2) Shri P. Viswanatha Shetty, S/o- Late P. N. Shetty, Prop. Mysore Commercial Corporation, No. 23, J. C. Road, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2353/78-79, dated 16-10-1978) Corner vacant site bearing No. 144/1-B (144/3), Mysore Road, Bangalore (Divn. No. 24).

East: Property No. 144/2 belonging to Sri Jayaraj. West: Property No. 144/1, belonging to the Vendor leased to Bharat Petroleum Corporation and

Mysore Road. North: Mysore Road and

South: 1st Main Road, Chamrajpet.

H. THIMMAIAH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 16th May 1979

C.R. No. 62/22454/79-80/ACQ/B.—Whereas, 1, H. THIMMAIAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 107/1 (Vacant site), situated at VIII Main, Malleswaram, Bangalore-560003,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Rajajinagar, Bangalore. Document No. 3307/78-79 on 2-17-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Kamala Seshadri, W/o Sri R. K. Seshadri, 107, VIII Main Road, Malleswaram, Bangalore-51.

 (Transferor)
- (2) Shrimati Nelini R. Kamath, W/o S. R. Kamath, No. 51, VIII Cross, 7th Main, Malleswaram, Bangalore-560003.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3307/78-79, dated 2-11-1978) Vacant site bearing No. 107/1, VIII Main Road, Malleswaram, Bangalore-560 003.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-5-1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 18th May 1979

C.R. No. 62/22526/79-80/ACQ/B.-Whereas, I, H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Site bearing No. 294, situated at 1st Stage, Binnamangala, Indirangar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098), in the office of the Registering Officer at

Shivajingar, Bangalore, Doc. No. 1932/78-79 on 20-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Wajida Mahaboob, W/o Shaik Mahaboob, House No. 16.8.932/1, Malakpet, Repid. by her P. A. H. Sri Mumtaz Ahmed, 1aher, 8/0 Gulam Mohamed Taher, No. 29, Surpintine St., Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Shrimati Sarojamma, W/o Sri N. Narayana Reddy, No. 481, Binnamangal a Layout 1st Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1932/78-79, dated 20-10-78) Site bearing No. 294, 1st Stage, Binnamangala, Indiranagar, Bangalore.

Boundaries:

East: Road, West: Site Nos. 288 and 289, North: Site No. 295 and South: Site No. 293,

H THIMMAIAH Comptent Authority. Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 18-5-1979.

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 18th May 1979

C.R. No. 62/22575/79-80/ACQ/B.—Whereas, J. H. THIMMAIAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Vacant site bearing No. 720, situated at Bhinnamangala Layout, Indiranagar, 1st Stage, Bangalore-38.

(and more fully described in the Sschedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 2000/78-79 on 26-10-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri B. K. Subramanyam, S/o Late B. T. Rempanna, No. 32, 16th Main Road, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shrimati Ealamba, D/o Late Dr. Srikanta Sastry, No. 151/1, V. Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2000/78-79, dated 26-10-1978) Vacant site bearing No. 720, Bhinnamangala Layout, Indiranagar, 1st Stage, Bangalore-38.

Boundarles:

East: Site No. 721. West: Site No. 719. South: Site No. 711, and North: Road.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 18-5-1979.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 21st May 1979

C.R. No. 62/22340/79-80/ACQ/B.—Whereas, I. H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26, Viviyani Road, situated at Richards Town, Bangalore (Divn. No. 48),

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 2006/78-79, on 27-10-1978 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18-166GI/79

 Wilfred D'Souza, Advocate, No. 37, Cubbon Road, Bangalore.
 Tom D'Aguir, Viviani Road,

Bangalore.

(Transferors)

Shri 1. P. G. Chander,
 Smt. Susan Chander,
 No. 152, Palm Road, Frazer Town,
 Bangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2006/78-79, dated 27-10-1978) Residential premises No. 26, Viviyani Road, Bangalore.

Boundaries:

East: Private property. West: John Armstrong Road, North: Conservency Road, South: Viviyani Road.

H. THIMMAIAH

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-5-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 26th March 1979

Ref. No. P. R. No. 658 Acq. 23-1327/19-8/78-79.— Whereas, J. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Nondh No. 1068, Word No. 11, situated at Limdi Kui, Gopipura, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any in: one arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kumudben Ishvarlal Desai; Patidar Asaram, Timaliayad, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Hiralal Nagardas Gandhi; Shri Harishkumar Nagardas Modi; Resi. Motamiya, Mangrol, Dist. Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Limdi Kui, Kanaiyald Desai Road, Gopipura, Surat, Nondh No. 1068, Ward No. 10, admeasuring 51.39 sq. mts. duly registered with the Registering authority at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-3-1979.

Scal:

PART III—Sec. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Virmati W/o Mansukhlal Hiralal; Wadi Falia, Chakawala Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ratilal Ranchhodlal Lapsiwala; Shri Lullubhai Ranchhodbhai Lapsiwala; Nanpura, Palia Mahollo, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR.
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ref. No. P.R. No. 659 Acq. 23-1328/19-8/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 318-319, 346 & 347 situated at Ward No. 5, Baranpuri Bhagol, New Vegetable Market, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in November 1978.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring about 64 sq. yds. situated at Nondh No. 318, 319, 346 & 347, Ward No. 5, Baranpuri Bhagal, New Vegetable Market, Surat duly registered with registering authority at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1979

Ref. No. P.R. No. 661 Acq. 23-1330/7-4/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatfer referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 607, Ward No. 6, City S. No. Tika No. 61 situated at Jain Society, Station Road, Navsuri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vanmalibhai Jagjiyandas Patel; Jain Society, Naysari.

(Transferor)

(2) Shri Bhikhabhai Keshavbhai Patel; Resi, Chikhalt (Dungar), Tal, Kamrej, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 74 sq. mts. situated at Jain Society, Station Road, Navsari, bearing H. No. 607, Ward No. 6, City S. No. & Tiku No. 61, duly registered with the registering authority at Navsari in the month of November 1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Yashvant Tarachand Shah & others, 195, Bharati Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Labhshanker Vrajlal Mehta & Others, 2/4, Collegewadi, Near Main Dr. Radhakrishan Road, Rajkot.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1979

No. Acq. 23-I-1962(807)/16-6/78-79.—Whereas, 1 S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Two storeyed building standing on land 299-4-0 Sq. yds-situated at Collegewadi, Street No. 2/4 Near Dr. Radha-krishan Main Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 9-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afiresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building standing on land 299-4-0 sq. yds. situated at Collegewadi, Street No. 2/4, Near Dr. Radha-krishan Main Road, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 4514/9-11-1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th April 1979

Ref. No. P.R. No. 663 Acg. 23-1160/19-8/78-79.— Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nordh No. 65, 77 Ward No. 9, situated at Kotsafil Road. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) S/Shri

- through Karta Rangildas (HUF) Gatubhai Jitendra Gatubhai Shah E-7, Sikka Nagar, Bombay-4.
- Induben Wd. /of Gatubbai Rangildas —do—

Indiraben daughter of Gatubhai Rangildas, S-48, Sikka Nagar, Bombay-4.

- Sarojben daughter of Gatubhai Rangildas, S-48, Firozsha Mehta Road, Shanta Cruz, West Bombay-54.
- 5. Dinesh Gatubhai Shah, 7-Sikka Nagar, Bombay-

6. Pradip Gatubhai Shah -do-

Jvotsana daughter of Gatubhai Rangildes -do-

8. Naresh Gatubhai —do—
9. Doliben daughter of Gatubhai Rangildas, Resi. Prabhuta, Carter Road, Bandara, West Bombay-

(Transferors)

(2) Dt. Sureshchandra J. Upadhaya; through; P. A. Holder: Dr. Rumeshchandra J. Upadhaya, Amliran, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 101-17-17 sq. mts. at Ward No. 9, Nondh No. 65, 77 Kot Salil Road, Surat duly registered with Registering Authority at Surat in the month of November 1978.

> S. C. PARIKH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-4-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1979

Ref. No. P.R. No. 673 Acq. 23-1230 6-1/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. 5, Indranagar Society, First Floor, Survey No. 589 silunted at Behind railway Stotico, Baroda

(and more mully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 13-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dineshchandra Jethalal Shah; Indiranngar, Faramji Road, Baroda.
 (Transferor)

(2) Smt. Prafullaben W. of Indukumar Patel; United Colony, Sama Road, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Society Plot No. 5 (First Floor) Baroda and fully described as per sale-deed No. 5970 registered on 13-11-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-5-1979.

(1) Shri Dineshchandra Jethalal Shah; Indianagar, Faramii Road, Baroda. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. N. Patel; 5, Indranagar Society, Behind Gas Office, Baroda.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380009, the 5th May 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 674 Acq. 23-1229-A/6-1/78-79.---Whereas, I, S. C. PARIKH.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing

No. 5, Indranagar Society (Ground Floor) Survey No. 589 situated at Behind Railway Station, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 13-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Survey No. 589 in Indranagar Society, Plot No. 5 (Ground Floor), Baroda and fully described as per sale-deed No. 5269 registered on 13-11-1978.

S. C. PARIKH Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 5-5-1979.

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd May 1979

No. Acq. 23-I-2041(811)/10-1/78-79.—Whereas, I. S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 211 to 214 & 215/1 situated at Saru Section Road. Jampagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jammagar on 3-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19 -166 G1/79

(1) M/s Rainbow Plastic Industries; through partner: Shri Amritlol Pethraj Shah; 40, Digvijaya Plot, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s Asha Rubber Industries; through partner; Shri Mohanlal Punjabhai Shah; B/2, M.P. Shah Udyognagar, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The building standing on land admeasuring 13500 sq. ft. bearing S. No. 211 to 214 and 215/1, situated at B-2, M. P. Shah Udyognagar, Saru Section Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2168 dated 3-11-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 2-5-1979,

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th May 1979

No. Acq. 23-I-2180(814)/16-6/79-80,—Whereas, I. S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 330-331—Plot No. 15—Land admeasuring 994-6-0 sq. yds. situated at towards Dhebhar Road (East), Premji Gopa area, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raikot on 23-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Ishaco Engineering Company, through partners:

 Smt. Ishwariben M. Rindani and
 Shri Kantilal Devshibhai; both of Near Mehta Petrol Pump, Dhebar Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s Blue Nile Profile, through partner Shri Rajnikant Chatrabhuj Modi; and others, 'Rajni' Building, Bhupendra Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 994-6-0 sq. yds. bearing S. No. 330-331-paiki Plot No. 15, situated at Dhebhar Road (East)—Premji Gopa area—duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 4684/23-11-78 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7-5-1979.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th May 1979

No. Acq. 23-I-2215(817)/1-1/79-80.--Whereus, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 8, Hissa No. 31, S. No. 1461, situated at New-Madhavpura, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-11-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nandkishore Ganeshilal 3, Krishna society, Near Law Garden, Ellishridge, Ahmedabad, (Transferor)
- (2) Shri Amratlal Jamnadas Shah, 1354, Nagar Bhagat ni pole, Raipur, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 130 1/2 sq. yds. bearing S. No. 8, Hissa No. 31, S. No. 1461, situated at New Madhavpura, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 10555 dtd. 28-11-78.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 17-5-1979

FORM IT N S .---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1979

No. Acq. 23-I-1961 (820)16-6/78-79.—Whereas, I. S. C. PARIKH.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot of land adm. 548-3-0 Sq. Yrds. situated at Near Dwarkadish Floor Mill at Tagore road, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 18-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per control such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lalitrai Navalchand Mehta and others. 7, Prahlad Plot, Mancha Kunj, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Himatlal Ranchhoddas Cholera, Patel Street, Jalaram Bhavan, JASDAN (Dist. Rajkot).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEHDULE

Open plot of land adm. 548-3-0 Sq. Sds. situated rear Dwarkadish floor Mill on Tagore road abutting Tagore road, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide Sale deed No. 4635/dtd. 18-11-78 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Comptent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 17-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASIIRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1979

Ref. No. P.R. No. 683 Acq. 23-1260/19-2/78-79,—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot $\overline{N}o.$ 679 admeasuring 87.5 Sq. metres situated at Sector No. 22, Gandhinagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 9-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Modi Ambalal Sankalchand, Partners: Ambalal Sankalchand and others. Pethapur, Gandhinagar (Tal.).

(Transferor)

(2) Thakkar Ramanlal Laljibhai, Sector No. 28, Block No. 106/1 Gandhinagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 679 situated in sector No. 22 of Gandhinagar and fully described in sale deed No. 1012 registered on 9-10-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 1-6-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Lalejar Jamasji Kellawala, Nava Bazar, Kusamba, Dist-Surat.

('Transferor)

(2) Gujarat Glass Pvt. Ltd. Director Kanubhai Natvarlal Parikh and others. Tarsadi-Kosamba, Surat.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1979

Ref. No. P.R. No. 684 Acq. 23-1233/19-5-78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 647 and 661 Admeasuring 13 Acres and 9 Gunthas situated at Tarsadi—Kosamba, Surat District,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangrol (Surat Dist.) on 27-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 13 Acres and 9 Gunthas at S. No. 647 and 661—Tarsadi—Kosamba, Surat District, and fully described in sale deed No. 2855 registered on 27-10-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 1-6-1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 13th June 1979

Ref. No. Acq. 23-I-1960(821)/16-6/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta (Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 401 paiki Plot No. 7—Chamunda Foundry on land 1422-2-0 sq. yds situated at Umakant Udhyognagar, Mavdi Plot, Rajkot,

(and more fully described in the Schedulcd annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Royal Foundry through partners: Shri Kanjibhai Shamjibhai Patel and others, Mavdi Plot, Raikot.

(Transfero:)

(2) Shri Chamunda Foundry, through partner Shri Sailesh N. Shah Umakant Udhyognagar, Mavdi Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building i.e. shed onland admeasuring 1422-2-0 sq. yds. bearing S. No. 40.1 paiki Plot No. 7 shed known as "Shri Chumunda Foundry" situated at Umakani Udhyognagar, Mavdi Plot, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 4654 November 1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-6-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th July 1979

Ref. No. P.R. No. 688 Acq. 23-1260/19-2/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 679, Sector No. 22, situated at Gandhinagar, (and more fully described in the Scheduled annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 9-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Partners of Modi Ambalal Sankalchand;
 Ambalal Sankalchand;

 Rajnikant Ambalol Modi; and Legal Heir: Dahiben Ambalal Village: Pethapur, Dist. Gandhinagar.

(Transferor)

 Thakkar Ramanlal Laljibhai; Sector No. 28, Block 106/1, Gandhinagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated in Sector No. 22 of Plot No. 679 at Gandhinagar Township. The property consists of a shop consisting of 3 parts 2 in front and one back 1/3 portion in front side and full portion of back side was rented. The transaction is duly registered at S. No. 1012/78 in the month of October 1978 with Sub-Registrar, Gandhinagar admeasuring 87.5 sq. mts. of land,

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-7-1979

1. Bazargate Coop: Hsg. Soc.: Itd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 2 Samraj Hansraj Bahri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 26th April 1979

Ref. No. AR-III/1672-3/78-79.—Whereas, I. V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (thereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Bombay 23-10-1978 Doc. No. 5168/70R

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the air market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

20-166GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No: 5168 R and Registered on 23-10-1978 with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax.
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 26-4-1979

Scal ;

FORM ITNS----

I. Bazargate Coop. Hsg. Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

2. Suresh Hansraj Bahri.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX.

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 26th April 1979

Ref. AR-III/1673-4/778-79,---Whereas, 1. V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No · 2 situated Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-10-78 Doc. No. 5167/70R

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sai dAct, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule mentioned in the Registered Deed No. 5167/70-R and registered on 23-10-1978 with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI,

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 26-4-79

J. Vasantrai Bhaidas Bhatia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR.III/1670/1/78-79.—Whereas, I. V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. C.T.S. No. 192, 192/1 194 & 194/3 S. No. 49 H. No. 3(pt) H. No. 4(pt) situated at Mogra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-10-1978

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income airising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said. Act to the following persons, namely

2. New Haven Engineering Co: Pvt: Ltd. (Transferee)

(1) M/s Bombay Box & Cortoon Co. (2) M/s. Bharat Vijay Hindu Hotel (3) Raval Rubber Works (India) Pls. India (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- th) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule mentioned in the Registered Deed No : S-46F-73 and registered on 23-10-1978 with the Sub-Registrar Bombay.

> V. S. SHESHADRI, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 30-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR-III/1671/2/78-79.—Whereas, I, V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No: 11 H. No: 8 to 13(pt) & 15 No: 57 H. No: 9 & 11, S. No.: 30 H. No.: (pt) situated at village Mohili (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 30-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Ramprakash Mehra, Rapal Mehra, Jitanderlat Mehra. (Transferor)
- 2. Crkay Silk Mills Pvt : Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.473/73 and registered as 30-10-1978, with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 30-4-1979

Seal

1. Juggat Pharma Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Neo Pharma Pvt : Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Rcf. No. AR-HI/1674/5/78-79.—Whereas, 1, V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. : 4 Khoti S. No. : 353 H. No. : 3 (pt) S. No. : 359 H. No. : 1 (pt), 2 (pt) & 4 (pt) CTS. No. : 4102-E & 4102 E (1 to 11) situated at Kole Kalyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 27-10-1978 Doc. No. S-2166/77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned on the Registered Deed No: S-2166/77 & registered on 27-10-1978 with the Sub-Registerar of Bombay.

V. S. SHESHADRI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 30-4-1979

Seal;

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

2. Irene Comes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR.JII/1675/6/78-79.--Whereas, 1, V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

S. No: 144 City S. No: 830 situated at Amboli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

W/s Vishwakarma Builders & Combine

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, , whichever period expires later;

Shreedhar A. Salvi & Shankar G. Prabhu Partners of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No: PS-837/76 Registered Deed No: PS-837/76 and registered on 25-10-1978 with the Sub-Registrar Bombay.

> V. S. SHESHADRI, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 30-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR.III/1680/10/78-79.--Whereas, I, V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

'exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Plot No : 49,50,51, S. No . 14A (pt) situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 19-10-1978 Doc. No. S-697/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- 1. The Swastik Textile Mills Ltd.
- (Transferor)
- 2 Balaka Coop . H Soc : Itd.

(Transferee)

- S. No. Name
- 1. Dr. Bholanath Sasodhar Ghosh. 2. Dr. Subratakumar Anil Roy.
- 3. Smt. Namita Nripendra Kishore Choudhary.
- 4. Shri Prasanta Kumar Balailal Patra.
- 5. Shri Subirnal Suresh Chandra Basu.
- 6. Dr. Khagendra Sailendra Nath Roy. 7. Shri Arun Gangadas Bhattachariee. 7. Shri Arun Gangadas Bhattacharjee. 8. Shri Baini Ram Aggarwal.
- Smt. Nita Alok Kumar Kulabhai.
- 10. Smt. Menashi Jog Sadhan Banerjee, Smt. Kamal Yeshwanttrao Deshpande.
- 12. Smt. Nina Arvind Sawkar.
- 13. Shri Nirmal Kumar Benoy Krishna Pal.
- 14. Dr. Sunita Kumar Narendra Nath Mitra.
- Smt. Neela K. A. S. Mani Subramanium.
 Smt. Suhasini Pramod Athavale.
- 17. Smt. Kusum Balwant Joshi.
- Smt. Suman Suryakant Page.
 Shri Parshasarathi Maninuralal Sengupta.
 Smt. Abharani Ajit Kumar Mukherjee.
 Smt. Maya Kalyan Kumar Choudhary
- Dr. Beligere Ramchandra Manjunath.
- Smt. Mili Gour chandra Kar.
- Smt Mandi Santi Kumar Ghosh. Shri Subir Kumar Ajayshree Chatterjee.
- Shri Nimaj Charan Niranjan Kumar Sinha,
- Smt. Rekha Ajit Banerjec.
- Shri Sunil Kumar Ajayshree Chatterijee.
- Smt. Rekha Ajit Banerjee
- Shri Sunil umar Ajayshree Chatterijee, Shri Purna Chandra S. Das Gupta, Smt. Bhakti Amiya Mumar Choudhery

- 31. Shri Dilip falit Mohan Ghosh.
- Shri Prakash Pran Kumar Bhattacharjee,
- Shri Sujit Kumar Samir Datta.
- 34. Shii Jayanta Benoy Kumar Gohosh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPIANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No: 697/78 and Registered as 19-10-1978 with the Sub Registrar, Bombay.

> V. S. SHESHADRI. Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 30-4-1979

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR-IL/2696-1/Oct-78 --- Whereas, I, V. S. SHESHADRI,

being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

final plot No. 768 TPS No. : III situated at Mori Rd., Mohim,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

t. Shri Parshottam Babani & Smt. Pushpa Ishwardas Tulsiani,

(Transferor)

2. Mahim Pushpa Kunj Flat Owners Coop; H. S. Ltd. (Transferee)

S. No : , Name of Flat Holders.

1. Shri Dilip Kumar K. Bhandarkar,

2. Smt. Chifralekha S. Khetan and Shri Sitaram S. Khetan,

3.. Shri B. N. Marathe.

Smt. Nirmalabai G. Ailani & Smt. Savitri T. Ailani.

5.. Smt. A. E. Alpha.6. Shri Victor Noronha

- 7. 8. Shri Daulatram K. Khubani.

Smt. Filomina Carvelle.

Smt. Jamnadas Khilandas. Names of Shop Holders

Shri H. B. Dedarkar.

2. Dr. Renotoreis Fernandes Mrs. Milagrina Irene Fernandes.

3. Shri Mohan Tejumal Asrani, 4. Shri Mohamed Ghash Ahmed Husani.

Smt. M. T. D. Cruz and Shri Jerry D' Cruz.

6. Shri Paranath A. Pande, & Shri Vishvanath N. Dave.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No : 2481/71 (bom) and registered on 2-10-1978 with the Sub Registrar Bombay.

> V. S. SHESHADRI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II. Bombay

Date: 30-4-1979

FORM ITNS----

1 Modern Sixteen One Laboratory Pvt. Ltd.

(Transferor)

2. Blue Star Limited.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Rcf. No. A.R/2700-5, Oct-78.—Whereas, 1, V. S. SHFSHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have veason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Sub Plot No. 2 final Plot No. 1216 '1.P.S. Sombay City No. IV si'uated at Veer Savarkar Marg Mohien

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Englaration: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No.: 1491/77/ Born and registered on 5-10-1978 with the Sub Registrar Combay.

> V. S. SHESHADRI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AIR-II/2702-7/Oct-78.—Whereas, J, V. S. SHESHADRI.

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No.

City S. No.; G/31-Plot No. 6 of TPS II situated at Village Danda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- & Gajanan . Wam 1, Madhusudan Waman Kothare Kothari.
 - (Transferor)
- 2. Santacruz Ganesh Kripa Coop: Hsg Soc. Ltd. (Transferee)
- 3. As per Annexure 'A'

ANEVURE 'A'

- Sr. No. & Name of Present owner

 - Smt. P. T. Desai.
 Smt. K. B. Kapadia.
 Shri K. M. Shah.

 - 4. Shri D. M. Pancholi. 5. Smi, S. P. Khandekar.
 - 6. Shri N. G. Doctor.
 - Shri B. L. Talwalkar.
 - Shri R. L. Thakkar.
 - Shri A. G. Shah.

 - 10. Smt. M. S. Kapasi.
 - Shri A. K. Marfatia.
 Shri P. S. Kothari.
 - 13. Shri C. B. Khanpara. 14. Shri C. Desai. 15. Shri V. M. Gandhi. 16. Shri B. P. Desai.

 - 17. Smt. I. B. Kapasi. 18. Shri D. B. Modi.

 - 19. Shri P. R. Jalares. 20. Shri P. V. Pandit.
 - 21. Shri J. B. Jariwala.
 - 22. Shri K. P. Parikh.
 - 23. Shri S. S. Doshi.
 - 24. V. A. Shah.

[Person(s) in occupation of the peroperty]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. : S-1251/74 and registered on 12-10-1978 with the Sub-Registrar Bombay

V. S. SHESHADRI,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-4-1979

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref. No. AR-I/4065-38/Oct. 78.—Whereas, I, V. S. SHESHADRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. S. No. 3/699, 698 (Pt) of Malabar Cumballa Hill Division (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Badruddin Tyabjii (2) Mohsin Tyabji services executives of the late-Faiz Badrauddin Tyabji.

(Transferor)

2. Tyabji Bagh Co-op. Housing Society Ltd.

(Traneferee)

3. Members of the Society.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shedule as mentioned in the registered Deed No. 1689/72/Bom and registered on 16-10-1978 with the Sub. Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 30-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1979

Re. No. RAC. No. 71/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

8-3-933, situated at Srinagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Narayana Rao, H. No. 8-3-933 Plot No. 7 at-Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. Raghavan,
Behind Amrit Nivas Building,
Bank Street,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 8-3-933, Plot No. 7, situated at Srinagar Colony Hyderabad, registered vide Doc. No. 2809/78 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-6-1979

FORM IDNS-

 Shri Sohan Lal, Sri Rikhikesh s/o Sri Ralia Ram r/o Nahan Distt, Sirmaur Himachal Pradesh.

Transferor)

(2) Shri Kvichua Kumar Mittel s/o Sri Munshi Lal r/o Laxmi Bhawan, Chippi Tank (Mecrut).

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanur, the 12th June 1979

Ref. No. 478-A/PN/Mrt.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value excluding Rt. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meetut on 6-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House property No. 32 to 36 Present No. 8 near Lajpat Market near New Market Begam Bridge Road, Mecrut sald for an apparent consideration of Rs. 36,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 82,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-6-1979

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM ITNS ----

(1) Smt. Taravati w/o Mangal Ram r/o Prahlad Nagar, Mit.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

s/o Ram Chander, Faqir Chand s/o Sadhu Ram, Amarnath s/o Mahesh Chandra r/o Mayapuri, Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No. 466-A/PN/Mrt,-Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilic of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(2) S/Shri Vidyasagar s/o Makhan Lal, Amar Singh

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1672 sq. yd. No. 177 & 178 situated at village Mohkampur Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 33,440/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 66,880/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Knnpur

Date: 15-6-79

(1) Smt. Dhan Devi w/o Lala Hari Chand Kishanpura, Gandanala, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Vidyasagar s/o Makhan Lal, Amar Singh S/o Ram Chandra, Faqir Chand s/o Sadhu Ram, Amarnath s/o Mehar Chandra, r/o Mayapuri, Delhi.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No. 467-A/PN/Mrt.—Whereas, f, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of teh aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this nodice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1672 sq. yd. No. 177 & 178 situated at village Mokhampur, Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 33,440/- the fair market value of which has been determined at Rs. 66,880/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kampur

Date: 15-6-79

Scal;

FORM ITNS------

(1) Shrt Ram Prakash s/o Hari Chandra r/o Haridwar Kutti Chatan Dev.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No.468-A PN/Mcerut.-Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Meerut on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(2) S/Shri Vidyasagar s. o Makhan Lal. Amar Singh s/o Ram Chandra, Faqir Chand s/o Sadhu Ram, Aniarnath s/o Mehar chand, r/o Mayapuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Measuring 836 sq. yds. No. 177 & 178 situated at vill. Mohkampur, Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 16,770/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 33,540/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-6-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No. 469-A/PN/Mrt.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 20-11-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent sonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22-166 GI/79

 Sh. Ram Prakash s/o Deewan Chandra r/o Bilaspur, Ambala.

(Transferor)

(2) S/Shri Vidyasagar s.o Makhan Lal, Amar Singh s/o Ram Chandra, Faqir Chand s.o Sadhu Ram, Amarnath s/o Mehar Chand, r/o Mayapuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 836 sq. yds. No. 177 & 178 situated at Delhi Road, Meerut sold at an apparent consideration of Rs. 16,720'-, the fair market value of which has been determined at Rs. 33,440/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-6-79

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No. 472-A/PN/Mccrut.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 29-11-78

for an apparent consideration which less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narottam Kumar Suri s/o Dr. Shivram Suri r/o Dampiar Park Mathura, Smt. Pushpa Anand w/o Sri Balraj Anand r/o 30 Saket, Meerut.

(Transferor)

(2) M/s. Nelco India Ltd. No. 8 Baghpat Road through Sri Adesh Kumar s/o Sri Balraj Anand r/o 30 Saket, Mecrut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory—Nelco India Private Ltd. No. 9, Baghpat Road, Meerut the land measuring 1060 Sq. yd. sold for an apparent consideration of Rs. 90,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 108,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-6-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No.480-A/PN/G. Bad.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Garh Muketshwar on 6-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kunwar Virendra Singh s/o Sri Raghubaruaran Singh r/o vill. Dhana Parg. & Teh. Garh Mukeshwar Distt. Gaziabad, Smt. Vijay w/o Sri Tapendra Singh, Smt. Archana w/o Kunwar Virendra Singh, Smt. Krishna Kumari w/o Raghubarsaran Singh Vill. Dhana Parg. & Teh. Garhmukteshwar,

Distt. Gaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Daya Kishan Jain s/o Changa Mal Jain r/o Moradabad Linepar Chiria Tola Distt. Moradabad, Sri Arun Kumar Jain s/o Sri Mahabir Pd. Jain r/o 1729 Dari Vakala, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are denfied in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture cold storage, Baraskhana situated at Simmavali Parg. & Teh. Garhmukteshwar Distt. Gaziabad No. 235, 236 in south Darwaza Badhu Sarak P.W.D., Delhi Gate road in west Field Batali, in North Field Sri Hariram Sharma and in South—there is a way for Middle School situated at Simmavali Parg. & Tch. Garh Distt. Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 171,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-6-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref No. 596/Acq./Kalpi/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalpi, Jallaun on 27-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sakl Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Ram Asrey s/o Jagat Narain, Radhey Shyam, Sita Ram Har Narain Guppe sons of Jagannath r/o Mauja Devrahat Bhognipur. (Transferor)
- (2) Smt. Ghasani w/o Vakil Singh, Chotey Babu, Ramvali Singh, Ramesh Singh, Virendra Singh sons of Bhikeey Singh r/o Bhurpur, Kalpi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 Kita/18 Bigha 84 Biswa situated at Bhadreshi Pargana Kalpi sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 97.500/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-6-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th June 1979

Ref. No. 654/Acq./Agra/78-79.--Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 19-11-78

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Jugal Kishore Arora s/o Nanak Chand r o Vijainagar Colony, Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Badri Pd. Agarwal, Sri Phool Chandra Agarwal, and Rajendra Kumar Goel s/o Sri Nemi Chand Agarwal r o 933 Boraulia building. Belanganj, Agra-4. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 163 measuring 564 sq. yd. ment 471.58 sq. meter situated at New Agra sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined of Rs. 87,300/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-6-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref No. 408-A/Kanpur.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anand Prakash Gupta 5/0 Late Babu Ram Gupta 7/198 Swaroopnagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) M/s. Kanpur Nursing Home Pvt. Ltd., 113/74 Swaroopnagar, Kanpur.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 90-H measuring 302 sq. yd. situated at 7/199 Swaroopnagar, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 45,300/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60.400/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 413-A/Kanpur.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at O. Scheme, Kidwainagar on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri T. N. Garg (Trilokinath Garg) s/o Baldev Ram Garg t/o Reserve Bank of India Mahatma Gandhi Marg, Kanpur.

 (Transferor)
- (2) Shri Jami Pal Yaday s/o Sri Babu Lal Yaday r/o Mauja (Bausar) Tah, & Distt. Kanpur. (Transferee)

Obejetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 137 measuring 311 sq. yd. Block O Scheme No. 2 Kidwainagar, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 25,813/- the fair market value of which has been determined at Rs. 62,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

Scal:

(1) Shri Ravindra Sharma s/o Bulaki Ram r/o 3A Model Town, Ghaziabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 4M.A/G. Bad.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jadri on 25-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Shri N. K. Gupta s/o Late Lala Madan Lal r/o A-373 Defence Colony (New Delhi)

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 679 measuring 5041 sq. yd. situated at Chaprauli sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 473-A/PN/Meerut.--Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 29-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23-166GI/78

 Shri Ashok Kumar, Sri Anil Kumar Pisran Sri Nathumal Kulkurni r/o Mohalla Thaparnagar, Meerut.

(Transferors)

(2) Sardar Santokh Singh s/o Sardar Amar Singh, Smt. Kuljit Kaur w/o Sardar Mohan Singh r/o Mohalla Thaparnagar, Mecrut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property, one part of House No. 174, Present No. 144 near Mohalla Thaparnagar, Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 215,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 277,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 475-A/PN/G. Bad.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 18-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harikishan Lal s/o Sri Pacasram Dazmahir r/o vill. Ruthval post Gaguval Teh. Anandpur Sahib Distt. Ropar, Punjab.

(Transferor)

(2) Shri M. L. Sharma (Munni Lal Sharma) s/o Late Radha Kishan, Smt. Jogendra Sharma w/o M. L. Sharma r/o Second B 55, Nehrunagar, Gaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. K-5/7 situated at Kavinagar, Gaziabad measuring 750 sq. yd. sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 1.39,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 516/Acq./Kharagarh/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kheragarh, Agra on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and, that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shyam, Lal s/o Sri Khyaliram r/o vill. & Post. Sarendhi Tah, Kheragarh Distt, Agra.

(Transferor)

 Shri Bedaria, Shankar s/o Sri Hogama r/o Laley vill. & Post Sarendhi Tah. Kheragarh Distt. Agra, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Khandhi Distt. Agra sold an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 90,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

 S/Shri Rampal, Nathu Singh s/o Roshan Singh r/o Dudia, Lodhamia Parg. Marhara Distin Etah. Marhara Distt. Etah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Omvati w/o Balbir Singh, Ranvir Singh, Omvir Singh, Jaya Prakash Singh s/o Magh Singh, r/o Dudia, Lodhamai Parg. Marhara Distt. Etah, (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 543/Acq./Ftah/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHFDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mainpuri on 25-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concedement of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sirsatippu Parg. Marhara, Etah sold for an apparent consideration of Rs. 57,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 94,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

(1) S/Shri Banaisi Das, Vishuu Prakash s/o Kashinath, Ashok Kumar s/o Banarsidas r/o Mathura.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Devi w/o Sri Ramesh Chandra, Mahesh Chandra Agarwal s/o Sri Dau Dayal r/o Chowk, Mathura.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. F. No. 552/Acq. Mathura/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mathura on 13-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, 2 & 3 No. 2518 situated at Ranj Ki Mandi, Mathura measuring 4365 sq. meter sold for an apparent consideration of Rs. 185,669.55 P the fair market value of which has been determined at Rs. 436,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INNCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 553/Acq./Mathura/78-79.—Whereas I. B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULF (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mathura on 13-11-78

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely !—

(1) Shri Banarsidas, Vishnu Prakash s/o Kathi Nath, Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Dau Dayal s/o Sri Hoti Lal, Ramesh Chand s/o Sri Dau Dayal, Chowk, Mathura

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Kita plots No. 7 & 8 situated at Rani Ki Mandi, Mathura No. 2518 measuring 1427.54 sq. meter sold for an apparent consideration of Rs. 123,908/- the fair market value of which has been determined at Rs. 171,305/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 582/Acq./Hathras/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hathras on 26-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Phool Chand s/o Tursiram r/o vill. Sadachan Post Adayan, Hathras. (Transferor)
- (2) Shri Ram Dayal s/o Liladhar, Om Prakash Chandra Shekhar s/o Ram Dayal r/o vill. Sadeyan Post Sadayan, Hathras.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated village Sadayan, Hathras sold for an apparent consideration of Rs. 25,300/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 62,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 610/Acq./Dcoband/78-79.—Whereas J, B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 13-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Punna s/o Badam, Ratiram s/o Ama. Singh, Ram Singh, Ram Chandra s/o Bakhtawar vill. Khatkahedi, Parg. Rampur, Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Krishna Pal, Prem s/o Jai Singh, Mam Chand s/o Dhiraj Singh, Rakam Singh s/o Bharat Singh, Rafal Singh, Ratan Singh, Satpal Singh s/o Sitab Singh Vill, Makala Parg, Rampur, Saharanpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring (3/4th part of 11 kita) situated at village Kharkahedi Pargana Rampur, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 55,868/- the F.M.V. of which has been determined at Rs. 97.760/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 652/Acq./Agra/78-79.--Whereas I, B. C. Chaturyedi being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 27-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

24--166GI/79

 Shri Ram Kumar Jain s/o Mohan Lal Jain r/o Rui ki Mandi, Shahganj, Agra now residing at Jaypur House Lohamandi, Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Shivkant, Munna Lal s/o Sri Babu Lal r/o vill. Kainthari Tehsil Dholpur, Bharatpur, Rajasthan

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property double storeyed, land measuring 235 sq. meter and open space about 207 sq. meter No. 3/221 A Rui Ki Mandi, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 82,000/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 138,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. (961 (43 OF 1961)

uman yyk **arang matanola**a yezhoù al lag e emb

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. 655/Acq./Agtu/78-79.--Whereas I, B. C. Chaturvedì

Competent Authority under Section 269B of being the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and braring No.
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the opporent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1972) or the sail Act or the Wealth-(ax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the exquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ant to the following persons, namely: -

- (1) S/Shri Gyan Singh s/o Late Dayal Singh, Smt. Ramrakhi w/o Late Sri Swaroop Singh, Manwar Vri Singh s/o Sardar Sarup Singh, Rajendra Singh s/o Late Sardar Kripal Singh, Akhtar, Jaswant Kaur w/o Sardar Kripal Singh, Harinder Singh, Jatvir Singh sons Late Sardar Kripal Singh Idgah Colony Agra, Smt. Parmajit Kaur, Smt. Gurmit Kaur daughters of Late Sardar Kripal Singh through Mukhtarnama 1/0 Idgah Colony, Agra. (Transferor)
- (2) Sri Satish Obrai s/o Sri Sriram Obrai r/o Idgah Colony, Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 9 Idgah Colony, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 82,700/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority. Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kappur

Date: 16-6-1979

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kappur, the 16th June 1979

Ref. No. F. No. 674/Acq./Nakur/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 20-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 S/Shri Rahmu s/o Dalmir, Sahbu s/o Imamali r/o Khairsal, Post Janukhera Parg. Gagauh Tah. Nakur Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Sharif Ahmad, Inii Ahmad s/o Abdul Gafoor r/o vill, Gagauh Post Khas Tah, Nakur, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at vill. Khairsal Tah. Nakur Disti, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 7,000/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 57,000/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-79.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th June 1979

Ref. No. F. No. 678/Acq./Roorkee/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 16-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vinod Kumar s/o Sri Pyare Lal r/o vill. Dhagodi, Mahavatpur, Roorkee, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shi Babu Ram Sharma s/o Sri Sadan Singh r/o vill. Rohana Kalan Distt. Muzaffarnagar, Surendra Kumar Sharma s/o Sri Babu Ram Sharma r/o vill. Sheikhpuri, Roorkee, Saharanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property No. 501(3-4) Inside hata 40 Civil Lines, Roorkee Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 63,000/- the fair market value of which has been determined of Rs. 100,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-6-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th June 1979

Ref. No. Acq/491/Agra/78-79.-Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 30-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomt-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sharad Kumar Gupta, s/o Shri Chandra Prakash Gupta, r/o Mohalla: Savni, Vill: Najibabad, Distt. Bijnor, as Mukhtar Khas of Smt. Pushpa Kumari, w/o Shri Chandra Prakash Gupta, r/o Mohalla: Savni, Vill. Najibabad, Distt. Bijnor.

(Transferor)

(2) S/Shri

- (1) Kailash Chandra Gupta, w o Shri Mitthan Lal r/o Noori Darwaza, Agra.
- (2) Rajendra Prasad Sharma, s/o Shii Dinanath,
- Shitla Gali, Agra.
 (3) Ram Kumar Gupta, s/o Shri Sri Ram Gupta.
- (5) Kalir Kuhai Odpia, 5/0 Shi Si Kani Guput r/o Gur-ki-Mandi, Agra.
 (4) Smt. Urmila Devi, w/o Shri Ramesh Chand Jain, r/o Lal Darwaja, Moti Katra, Agra, and
 (5) Smt. Sarwan Kumar, w/o Shri Jagswaroop Jain, Child Child Child
- r/o Shitla Gali, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1016 sq. yds. No. 13/208 (Old No. 1118), situated at Hala Budhan Syed Makhasa, Distt. Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/-, the fair market value of which exceeds more than 15 per cent there-

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kampur

Date: 18-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th June 1979

Ref. No. $573/\Lambda cq./Saharanpur.$ —Whereas, J, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Saharanpur on 2-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer; aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

(1) Shri Bharteshwarnath Jaiu, Rddl. Registrai, High Court, Allahabad, Babu Chakreshwarnath Jain, Advocate, A.D.G.C. Criminal, Saharanpur s/o Laic Lala Trilokinath Jain r/o Chandranagar, Civil Lines, Saharanpur,

(Transferor)

(2) Shri Ratan Chandra Kapoon s/o Late Lala Gauri Shankar Kapoor, S/Shri Vijay Kumar Kapoor, Dinesh Kumar Kapoor Ss/o Sri Ratan Chandra Kapoor r/o Virnagar, Chilkana Road, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 2/1389 situated at Chandra Nagar, Civil Lines, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 64,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 87,333/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 18-6-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri Gopal s/o Lala Pyercy Lal r/o Ghumni Mobal. Pethaweli Guli, Shahar, Kanpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th June 1979

Ref. No. 733/Acq./F.Bad/78-79.--Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schodule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Farukhabad on 15-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 195#);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Smt. Chiraunji Devi Jauja Pt. Kishan Gopal, Smt.Madhulata Devi Jauja Pt. Rakesh Kumar r/o Farukhabad.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property No. 2/395 situated at Farrakhabad sold for an apparent consideration of Rs. 45,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 67,018/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Date: 18-6-1979

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th June 1979

Ref. No. Acq./857/Saharanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 30-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kundan Lal Chhabra, s/o Shri Jiwan Das Chhuòra, r/o Rishikesh Parg. Parwa, Dist. Dehradun.

(Transferor)

(2) M/s. Khurana Brothers, Mukherji Marg, Gopal Mandir, Rishikesh, Distt. Dehradun, through Manager, Shri Manmohan Khurana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property having land area of 0.95 acre, covered area of 2154 sq. ft situated at Kheri Khurd. Parg. Parwara Distt. Dehradun.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 18-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th June 1979

Ref. No. TR. No. 701/Acq/KNP/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ard bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 5-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acz, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any nameys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

2**5**--166GI/79

(1) Smt. Masood Fatma, w/o Shri Akbar Hasan, r/o 15/202, Doodhwala Bangla, Civil Lines, Kanpur, and Smt. Shamim Fatma, w/o Shri Nasiruddin, r/o 14/147, Chunniganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) Mohd. Rais, \$/0Haji Abdul Rashid, r/o98/223, Beconganj, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing Municipal No. 98/32, situated at Becongani. Kanpur, sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/-, fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 26-6-1979

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ÖFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1979

Ref. No. 51/NOV/78-79.—Whereas, I, O. ANANDA-RAM,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Taluk situated at Kottamettupatti Village, Omalur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Omalur (Document No. 1896/78) on November 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) S. Noorjahan, W/o Shri Nazrulla Basha, Perhampet, North Arcot Dist.

 (Transferor)
- (2) Shri A. Sivasubramaniam, S/o C. Arumugha Gounder, Naickenpatti Village, Salem Taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1896/78 SRO Omalur.

Agricultural lands-19.70 acres in Kottamettupatti Village, Omalur Taluk.

(Survey Nos. 165/2, 165/3, 156/3, 151/2, 151/6, 165/5 165/4, 166, 155 and 156/5)

O. ANANDARAM
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of factorie-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 2-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1979

Ref. No. 52/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDA-RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 110 situated at Chellappampatti (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Mac Donald Choultry (Doc. 1214/78) on Nov. 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said dastrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Mark, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate moccediars for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Rajeswari, W/o M. Paramasivam, 2. Shri Nithilan, S/o Rajeswari, Kundaneri, Chellappampatti, Sankari Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Ramasamy Gounder, S/o Chellappa Gounder, Vattakadu, Chellappampatti, Sankari Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1215/78 SRO Mac. Donald Choultry. Agricultural lands of 3 acres at Survey No. 110 Chellappampatti Village, Sankari Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomestax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 2-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1979

Ref. No. 53/NOV/78.—Whereas, J, O. ANANDA-RAM,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 110 situated at Chellappampatti Village, Sankari Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO Mac Donald Choultry (Doc. 1214/78) on Nov. 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Rajeswari W/o M. Paramasivam, and Minor Nithilan S/o Rajeswari, Kundaneri, Chellappampatti, Sankari Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. Pavayee, W/o Shri Ramasamy Gounder, Vattakadu, Chellappampatti, Sankari Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1214/78—SRO Mac Donald Choultry.
Agricultural lands of 3 acres in Survey No. 110 at
Chellappampatti Village, Sankri Tluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 2-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1979

Ref. No. 54/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 161), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 110 situated at Chellappampatti Village, Sankari Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Mac. Donald Choultry (1213/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: —

(1) Smt. Rajeswari, W/o M. Paramasivam, Minor Narendran S/o Rajeswari, Kundaneri, Chellappampatti Village, Sankari Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Kaliannan, C/o Ramasamy Gounder, Vattakadu. Chellappampatti Village, Sankari Taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Document No. 1213-78 SRO Mac. Donald Choultry.

Agricultural lands of 3 acres in Survey No. 110 in Chellappampatti Village, Sankari Taluk.

O. ANANDARAM Competent Authority. Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 2-7-1979

'		